आज का मौसम
24.0⁰ अधिकतम तापमान
11.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.48
सूर्यास्त 05.18

अमृत विचार
लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष दशमी, 06:50 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082
रविवार, 14 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 315, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- नक्सलवाद से किसी को फायदा नहीं होता - 11

■ शुल्क वृद्धि पर मेक्सिको के संपर्क में भारत, विशेष रियायतों की मांग की थी - 12

■ अमेरिकी सांसदों ने कहा कि भारत पर लागू 50 प्रतिशत शुल्क समाप्त करें ट्रंप - 13

■ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी-20 में गिल की बल्लेबाजी पर होंगी नजरें - 14

जोश-साहस-उमंग

देहरादून में शनिवार को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में 157वीं पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय सेना के अभिन्न अंग बने 525 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। समारोह में नव नियुक्त अधिकारियों में जोश, साहस और उमंग नजर आया। ● अमृत विचार

सुप्रीम कोर्ट ने बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले के आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर की टिप्पणी

ऐसे लड़कों को सबक जरूरी...कुछ समय जेल में रहने दो

नई दिल्ली, एजेंसी

● मुंबई में बीएमडब्ल्यू से महिला को डेढ़ किमी तक घसीटने का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में मुंबई में बीएमडब्ल्यू कार से टक्कर मारकर फरार होने के मामले में शिवसेना के पूर्व नेता के बेटे मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने इस बात पर गौर किया कि आरोपी एक अमीर परिवार से ताल्लुक रखता है और उसके पिता राजेश शाह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के गुट से जुड़े रहे हैं।

पीठ ने शुक्रवार को जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा, उसने अपनी मर्सिडीज कार खड़ी की, बीएमडब्ल्यू कार निकाली, टक्कर मारी और फरार हो गया। उसे कुछ समय अंदर (जेल के) रहने दें। इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। शाह की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने कहा कि उच्च न्यायालय ने उन्हें मामले में मुख्य गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद जमानत याचिका दायर करने की अनुमति दी थी। हालांकि, न्यायालय का रुख भांपते हुए उन्होंने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसके बाद उन्हें अनुमति दे दी गई। शाह (24) ने पिछले साल सात जुलाई को मुंबई के वर्ली इलाके में अपनी बीएमडब्ल्यू कार से एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी थी, जिसकी वजह से कावेरी नखवा (45) की मौत हो गई थी और उनके पति प्रदीप नखवा घायल हो गए थे। शाह को दो दिन बाद नौ जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया था।

हाईकोर्ट ने कहा था- हादसे के समय आरोपी नशे में था

शाह ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 21 नवंबर के जमानत देने से इनकार करने वाले आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने माना था कि हादसे के समय शाह बहुत ज्यादा नशे में था। उसने स्कूटर को टक्कर मारने के बाद भी कार नहीं रोकी और पीड़ित को अपनी गाड़ी के नीचे घसीटता हुआ ले गया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि घटना के समय और उसके बाद आरोपी का व्यवहार ऐसा नहीं है, जिससे उसे जमानत देने का भरोसा किया जा सके। टक्कर भले ही गलती से हुई हो लेकिन इसके बाद आरोपी तेज रफ्तार में भाग गया। आरोपी की आगे की हरकतें साफ दिखाती हैं कि वह गिरफ्तारी और कानूनी नतीजों से बचना चाहता था। ड्राइवर के साथ सीट बदलना, अपने पिता को फोन करना, सबूतों से छेड़छाड़ करने या गवाहों को प्रभावित करने की मंशा को दर्शाता है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मजदूरों का भविष्य और नए श्रम कानून व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

यूपी भाजपा के नए चौधरी होंगे पंकज

सीएम योगी समेत दोनों उप मुख्यमंत्री भी बने प्रस्तावक, आज समारोह में सौंपी जाएगी कमान

● पीडीए की काट में गैर-यादव पिछड़ा वर्ग को संदेश, कुर्मी समाज में मजबूत पकड़
● 7 बार सांसद, केंद्रीय मंत्री का अनुभव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : यूपी भाजपा को नया अध्यक्ष मिल गया है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी की ताजपोशी तय हो गई है। शनिवार को उन्होंने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में अध्यक्ष पद के लिए चार सेट में नामांकन दाखिल किया। उनके खिलाफ किसी अन्य नेता ने नामांकन नहीं किया, जिससे उनका निर्विरोध निर्वाचन सुनिश्चित हो गया। औपचारिक घोषणा रविवार को डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विवि विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में केंद्रीय चुनाव अधिकारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा की जाएगी। वह शनिवार रात लखनऊ पहुंच गए हैं।

नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी स्वयं पंकज चौधरी के प्रस्तावक बने। खास बात यह रही कि दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी प्रस्तावकों में शामिल रहे। इससे साफ संदेश गया कि संगठन और सरकार, दोनों स्तर पर पंकज चौधरी को पूर्ण समर्थन हासिल है। मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ महेंद्र नाथ पांडेय के अनुसार शनिवार तय समय में अध्यक्ष पद के लिए पंकज चौधरी का केवल एक नामांकन पत्र दाखिल हुआ। चार सेट में दाखिल नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की समय सीमा पूरी हो गई, जिसके बाद निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति साफ हो गई। उन्होंने बताया कि 80 सीटों पर राष्ट्रीय सदस्य पद के लिए भी नामांकन हुए हैं। कहीं चुनाव की नौबत नहीं आई है। सभी के चयन की घोषणाएं रविवार को होगी। महाराजगंज लोकसभा सीट से सात बार सांसद रहे पंकज चौधरी ने पार्षद के रूप में राजनीति की शुरुआत की थी। संगठन और चुनावी राजनीति में उनकी रणनीतिक समझ को लेकर उन्हें 'पूर्वांचल का चाणक्य' भी कहा जाता है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि पंकज चौधरी के नेतृत्व में संगठन को नई धार मिलेगी और वर्ष 2026 के पंचायत चुनावों से लेकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव तक पार्टी को मजबूती मिलेगी।

लखनऊ : भाजपा राज्य मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष के लिए नामांकन दाखिल करते पंकज चौधरी (**सबसे दाएं**)। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी और दोनों उप मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे।

अनुशासन व समर्पण से निभाएंगे जिम्मेदारी : पंकज

पंकज चौधरी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संगठनात्मक लोकतंत्र की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व, प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वह पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ निभाएंगे।

भाजपा के चौथे प्रदेश अध्यक्ष जो कुर्मी समाज से

पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा के ऐसे चौथे प्रदेश अध्यक्ष होंगे, जो कुर्मी समाज से आते हैं। इससे पहले विनय कटियार, ओम प्रकाश सिंह और स्वतंत्र देव सिंह इस समुदाय से अध्यक्ष रह चुके हैं। प्रस्तावकों की सूची भी स्मृति ईरानी, स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही, एके शर्मा, दारा सिंह चौहान, कमलेश पासवान और असीम अरुण शामिल हैं। माना जा रहा है कि यह चयन समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) समीकरण की काट के रूप में गैर-यादव पिछड़ा वर्ग को मजबूत संदेश देता है।

राष्ट्रीय परिषद सदस्य के लिए भी निर्विरोध चुनाव

शनिवार को राष्ट्रीय परिषद के 80 सदस्यों के लिए भी नामांकन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा स्मृति ईरानी, दारा सिंह चौहान, साध्वी निरंजन ज्योति, अजय मिश्रा टेनी समेत सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए। ये सभी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में मतदाता होंगे। केंद्रीय पर्यवेक्षक विनोद तावड़े की मौजूदगी और केंद्रीय नेतृत्व की सक्रियता से स्पष्ट है कि प्रदेश संगठन को नया अध्यक्ष सर्वसम्मति और पूरी केंद्रीय मोहर के साथ मिला है।

हत्यारोपी को एक न्यायाधीश ने किया बरी तो दूसरे ने दी उम्रकैद की सजा

प्रयागराज, एजेंसी

● एनआईए के डिप्टी एसपी व उनकी पत्नी की हत्या के मामले में हाईकोर्ट का खंडित फैसला
● वर्ष 2022 में सेशन कोर्ट ने रैयान को मृत्यु दंड की सजा सुनाई थी

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के पुलिस उपाधीक्षक तंजील अहमद और उनकी पत्नी की बिजनौर में उनकी कार में गोली मारकर हत्या किए जाने के नौ साल पुराने मामले में खंडित फैसला दिया है। न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता ने आरोपी रैयान को बरी किए जाने के पक्ष में निर्णय दिया, जबकि इस पीठ के अन्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति हरवीर सिंह ने बिजनौर की अदालत के मई, 2022 के निर्णय को आंशिक रूप से बरकरार रखते हुए आरोपी की मृत्युदंड की सजा आजीवन कारावास में बदल दी। अंत में जजों ने अपील पर अंतिम निर्णय के लिए मामले को मुख्य न्यायायाधीश को उचित बेंच नामित करने के लिए संदर्भित कर दिया है।

न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता ने कहा कि आरोपी के वकील ने गवाहों के बयान में महत्वपूर्ण चूक और विरोधाभास उजागर किया तथा आरोपी को बरी करने का निर्णय पारित किया। उदाहरण के रूप में दिवंगत अधिकारी के भाई और बेटी ने प्राथमिकी दर्ज कराते समय हमलावरों के नाम उजागर नहीं किए थे। अलग अलग विचारों को देखते हुए इस मामले पर फिर से सुनवाई के लिए एक वृहद पीठ गठित करने के उद्देश्य से इसे मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली के पास भेज दिया गया है। इस मामले के दूसरे आरोपी मुनीर की मृत्यु हो चुकी है। तथ्यों के मुताबिक, अप्रैल, 2016 में एनआईए अधिकारी तंजील अहमद और उनकी पत्नी फरजाना, बिजनौर जिले के कस्बा सेवहरा में एक शादी में शामिल होने कार से गए थे। इसके अनुसार जब वे कार चला रहे थे तभी मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों रैयान और मुनीर ने कथित तौर पर उनकी कार ओवरटेक की और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। इस घटना में तंजील की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि फरजाना ने 10 दिन बाद दम तोड़ दिया। इसके अनुसार उस समय, तंजील एनआईए में एक उपाधीक्षक के पद पर तैनात थे और आतंक से जुड़े कई मामलों की जांच कर रहे थे। निचली अदालत में सुनवाई के दौरान तंजील के भाई रागिब मसूद, प्रत्यक्षदर्शी हसीब और तंजील की बेटी समेत कुल 19 गवाहों की गवाही हुई। वर्ष 2022 में सत्र अदालत ने रैयान और मुनीर को हत्या का दोषी करार दिया था और उन्हें मृत्यु दंड की सजा सुनाई थी। साथ ही अदालत ने उन पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था।

ब्रीफ न्यूज

ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस को किया गिरफ्तार

दुबई। ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को गिरफ्तार कर लिया है। उनके समर्थकों ने यह जानकारी दी है। मोहम्मदी के नाम पर स्थापित एक संस्था ने कहा कि उन्हें राजधानी तेहरान से लगभग 680 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित मशहद में उस समय हिरासत में लिया गया था जब वह एक मानवाधिकार वकील की शोकसभा में भाग लेने गई थीं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अधिकारी मोहम्मदी को तुरंत जेल वापस भेजेंगे या नहीं, जहां वह सजा काट रही थीं। दिसंबर 2024 में जेल से अस्थायी रूप से रिहा किया गया था।

कोलकाता में मेसी के कार्यक्रम में तोड़फोड़, आयोजक हिरासत में

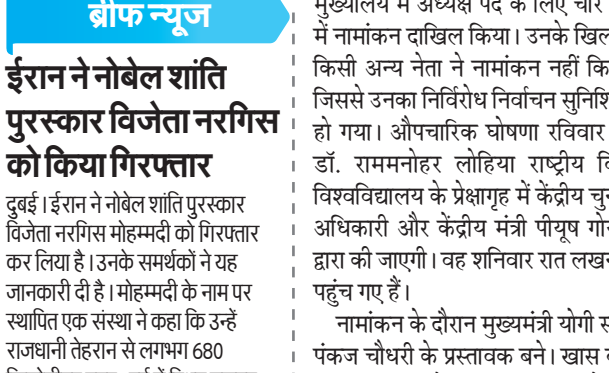

कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में तोड़फोड़ करते दर्शक। ● एजेंसी

कोलकाता, एजेंसी

● मुख्यमंत्री ने माफी मांग दिए जांच के आदेश फुटबॉल खिलाड़ी मेसी पहुंचे थे एक इवेंट में आयोजकों को वापस करने होंगे टिकट के पैसे

अमृत विचार : महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी के कार्यक्रम के दौरान शनिवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में मची अफरा-तफरी कानून-व्यवस्था के बड़े मामले में तब्दील हो गई, जिसमें पुलिस ने कुप्रबंधन के आरोप में मुख्य आयोजक सताद्रु दत्ता को हिरासत में ले लिया, वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए और फुटबॉल के इस दिग्गज खिलाड़ी को देखने से वंचित रह गए प्रशंसकों से माफी मांगी।

मेसी का विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन का बहुप्रचारित दौरा 2011 के बाद इस मैदान पर उनकी यह पहली उपस्थिति थी लेकिन यह एक अव्यवस्थित घटना बन गई। प्रशंसकों की भीड़ द्वारा सुरक्षा घेरा तोड़ने, तोड़-फोड़ और पुलिस के हस्तक्षेप से यह आयोजन फीका पड़ गया। इस कार्यक्रम को फुटबॉल के महानतम वैश्विक सितारों में से एक के उत्सव के रूप में प्रचारित किया गया था। मेसी तीन दिनों के भारत दौरे पर है जिसकी शुरुआत कोलकाता से हुई। घटना के बाद राज्य पुलिस के डीजी ने कहा कि सरकार ने जांच के लिए एक कमेटी बनाई है। जो टिकट बिके थे, आयोजकों को वापस करने होंगे।

मां के पास सो रही बच्ची को उठा ले गया भेड़िया

संवाददाता, बहराइच (कैसरगंज)

● बहराइच के गोड़हिया मजरे जरूआ की घटना
● 13 घंटे बाद ही शूटरों ने भेड़िया को मार गिराया

बच्ची की (फाइल फोटो)

अमृत विचार : बहराइच में भेड़ियों के आतंक ने जनजीवन प्रभावित सा कर दिया है। एक घटना से निजात मिलती नहीं कि दूसरी आतंकित कर दे रही है। नया मामला स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोड़हिया नंबर चार के मजरे जरूवा का है।

जहां शनिवार को तड़के घर के बरामदे में मां के बगल में सो रही एक साल की बच्ची को भेड़िया उठा ले गया। बच्ची के चीखने पर मां की नींद खुल गई और उसने शोर मचाया। इस पर लाठी-डंडे लेकर परिजन और ग्रामीणों ने उसका पीछा किया। भेड़िया गन्ने के खेत में छिप गया। तभी वन विभाग के शूटरों ने घटना के करीब 13 घंटे बाद भेड़िया को मार गिराया। बच्ची की तलाश के दौरान घटनास्थल से करीब डेढ़ किमी दूर गन्ने के खेत के किनारे मानव शरीर के अवशेष मिले। शनिवार की सुबह करीब चार बजे मां के पास सो रही एक वर्षीय बच्ची को भेड़िया जबड़े में दबाकर ले गया था। सूचना मिलने पर पुलिस व कैसरगंज रेंजर ओंकारनाथ यादव भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। शाम करीब पांच बजे वन विभाग के शूटरों ने उसे ट्रैक किया और गोदहिया नंबर चार में नदी के किनारे रेस्क्यू ऑपरेशन में भेड़िया मारा गया। प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह ने बताया कि कुछ हड्डियां मिली हैं।

वोट चोरी मामले में सात पर आरोप पत्र दायर

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक का मामला

कर्नाटक में 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान आलंद निर्वाचन क्षेत्र में वोट चोरी की जांच कर रही एसआईटी ने सात लोगों को नामजद करते हुए आरोप पत्र दायर किया है।

एसआईटी ने बेंगलुरु में प्रथम अतिरिक्त मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट के समक्ष यह आरोप पत्र दायर किया। आरोप पत्र कथित रूप से 5,994 मतदाताओं के नाम हटाने के प्रयासों से संबंधित है। आरोप पत्र में विधायक रहे सुभाष गुट्टेदार, उनके बेटे हर्षानंद गुट्टेदार, निजी सचिव टिप्पेरुद्रा, कलबुर्गी में स्थित डेटा सेंटर के तीन ऑपरेटर अकरम, मुकर्रम व मो. अश्फाक तथा बापी आद्या शामिल हैं।

विकराल हुआ दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण, ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू

नई दिल्ली। दिल्ली, एनसीआर में प्रदूषण के स्तर में तेजी से वृद्धि होने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को सभी निर्माण और ध्वस्तीकरण गतिविधियों पर प्रतिबंध सहित सबसे सख्त ग्रैप के चौथे चरण को लागू कर दिया है। सुबह के वक्त तीसरे चरण को लागू किया गया था, लेकिन शाम 6.30 बजे स्थिति विकराल होने पर आईएमडी और आईआईटीएम द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमानों की समीक्षा करने के लिए एक आपातकालीन बैठक आयोजित की।

बदलाव | 19 से संभावित सक्रिय विक्षोभ उत्तर भारत के मैदानी भागों में धुंध हटाएंगे, हिमालयी राज्यों में हिमपात की आस भी जगाएंगे

अब एक के बाद एक सक्रिय होने जा रहे पश्चिमी विक्षोभ

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: सर्द होते मौसम के बीच पश्चिमी विक्षोभ एक के बाद एक सक्रिय होने जा रहे हैं। हालांकि अभी पहाड़ों पर हिमपात की संभावना नहीं है, अलबत्ता उच्च हिमालयी चोटियों पर हिमपात होगा। 19 दिसंबर को सक्रिय होने जा रहा विक्षोभ उत्तर भारत के मैदानी भागों में छाई धुंध हटाने समेत हिमालयी राज्यों में खासा असर डालेगा।

पश्चिमी विक्षोभ को लेकर इस बार दो बड़ी वजह हैं, जिनमें एक पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात है तो दूसरी, देश की राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई महानगरों में छाया वायु प्रदूषण है, जो बारिश के धोए बिना छट नहीं सकता। इधर, दो दिन पहले सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ का असर प्रदेश के अधिकांश जिलों में बादलों के रूप में देखने को मिल रहा है, जबकि उत्तरकाशी, चमोली और बागेश्वर में हल्की बारिश की संभावना रविवार तक बने रहने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। मगर इसके बाद 18 व 19 दिसंबर आने वाले पश्चिमी विक्षोभों से मौसम में फेरबदल होने की बड़ी संभावना है। इसका असर 20 दिसंबर के बाद प्रदेश में नजर आएगा।

यह विक्षोभ बारिश व हिमपात भले ही कम करेगा, लेकिन ठंड में अधिक इजाफा कर जाएगा, ऐसा मौसम विभाग का मानना है। दिसंबर के अंत तक आने वाले पश्चिमी विक्षोभों को प्रभावित करने में मददगार साबित हो सकते हैं क्योंकि तब तक तापमान इतने गिर चुके होंगे, जो हिमपात के लिए अनुकूल वातावरण बना जाएंगे। मगर, हिमपात के लिए प्रभावशाली विक्षोभ का होना बेहद जरूरी है। मौसम के जानकारों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभों का बेसब्री से इंतजार है, जो पहाड़ों में हिमपात करे या न करे, लेकिन मैदानी भागों की वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में सहयोग दे जाएगा।

आने वाले विक्षोभों पर रहेगी पैनी नजर

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह के अनुसार, इस बार पश्चिमी विक्षोभ पर पैनी नजर है, जो कम से कम मैदानी भागों में छाए वायु प्रदूषण को हटाने में मददगार साबित हो सकते हैं। अब तापमान निरंतर गिर रहा है तो पहाड़ों पर दिसंबर के अंत तक बर्फबारी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 14 दिसंबर 2025

महराजगंज मॉडल से सपा को चुनौती देंगे पंकज चौधरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हरिशंकर तिवारी, वीरेंद्र शाही अखिलेश सिंह व हर्षवर्धन जैसे दिग्गजों को दे चुके हैं मात

अमृत विचार: प्रदेश की राजनीति में भाजपा ने संगठन की कमान ऐसे नेता को सौंपी है, जिसने चुनावी शतरंज पर बार-बार यह साबित किया है कि सत्ता किसी की भी हो, 'किंग' वही बनेगा, जिसे वह चाहें। भाजपा उसी महराजगंज मॉडल को प्रदेश स्तर पर उतारकर समाजवादी पार्टी को सीधी चुनौती देने की तैयारी में है। लेकिन पंकज चौधरी को महराजगंज से आगे निकल कर पूरे प्रदेश की राजनीति में 'चाणक्य' की भूमिका वाला नेता साबित करना बड़ी चुनौती होगी।

पंकज चौधरी का राजनीतिक कद इस बात से ही समझा जा सकता है कि उन्होंने हरिशंकर तिवारी, वीरेंद्र शाही, अखिलेश सिंह और हर्षवर्धन जैसे पूर्वांचल के दिग्गज नेताओं को लोकसभा चुनाव में पराजित किया है। पूर्वांचल की राजनीति में जिन नामों के सामने चुनाव लड़ने से नेता कतराते रहे, पंकज चौधरी ने उन्हीं को रणनीति और सामाजिक संतुलन के दम पर मात दी। जिला पंचायत चुनावों में पंकज चौधरी की सियासी पकड़ सबसे ज्यादा चर्चा में रही है। प्रदेश में सत्ता बसपा, सपा और भाजपा के बीच बदलती रही, लेकिन उनके गृह जनपद में जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर भाजपा का कब्जा आज तक बना हुआ है। जिला पंचायत के गठन के बाद पहली बार पंकज चौधरी के भाई प्रदीप चौधरी अध्यक्ष बने। इसके बाद दो बार उनकी मां उज्जवला चौधरी ने जीत दर्ज कीं। वर्ष 2010 में जब जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट का आरक्षण बदला और प्रदेश में बसपा की सरकार थी, तब भी पंकज चौधरी की राजनीतिक गणित ने भाजपा को जीत दिलाई। धर्मा देवी को अध्यक्ष बनाकर उन्होंने यह साबित किया कि सत्ता बदलने से समीकरण नहीं बदलते। इसके बाद वर्ष 2015 में, सपा सरकार के दौर में, पंकज चौधरी ने शह-मात के जोड़-तोड़ से प्रभुदयाल चौहान को जितवाकर पूरे प्रदेश में भाजपा की इकलौती जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट अपने खाते में डाली। यहीं से प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में पंकज चौधरी की 'चाणक्य नीति' की चर्चा शुरू हुई।

वर्ष 2020 में भाजपा के रविकांत पटेल जिला पंचायत अध्यक्ष बने और यह सीट अब तक पूरी तरह भाजपामय बनी हुई है। यह सिलसिला महराजगंज की राजनीति को भाजपा के लिए मॉडल बना चुका है, जिसे अब प्रदेश स्तर पर लागू करने की तैयारी है।

लखनऊ : भाजपा कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय सदस्य पद पर हुए नामांकन की जानकारी देते मुख्य चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडेय, साथ में केंद्रीय पर्यवेक्षक विनोद तावड़े, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या व ब्रजेश पाठक, भूपेंद्र चौधरी, स्वतंत्र देव सिंह व स्मृति ईरानी। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

पांच आईएएस अफसरों का तबादला

अमृत विचार , लखनऊ : शासन ने शनिवार को पांच आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। जारी आदेश के अनुसार चित्रकूट के मुख्य विकास अधिकारी रहे राजेश कुमार को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं चित्रकूट के मुख्य विकास अधिकारी देवी प्रसाद पाल को बनाया गया है। तबादले के क्रम में प्रेरणा शर्मा को विशेष सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास और इन्वेस्ट यूपी के एडिशनल सीईओ की जिम्मेदारी दी गई है। कृषि उत्पादन आयुक्त शाखा के विशेष सचिव टी.के. शिबु को विशेष सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण समेत विभागाध्यक्ष, खाद्य प्रसंस्करण का अतिरिक्त चार्ज सौंपा गया है। वहीं रेशम विभाग के विशेष सचिव देवेन्द्र कुमार सिंह को निदेशक रेशम, यूपी के पद का अतिरिक्त प्रभार मिला है।

नवीनीकृत नहीं तो निष्क्रिय होंगे श्रमिक कार्ड

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जिन निर्माण श्रमिकों का लेबर, श्रमिक कार्ड पिछले चार वर्ष या उससे अधिक समय से नवीनीकृत नहीं है, उन्हें 31 दिसंबर 2025 के बाद निष्क्रिय सूची में शामिल कर दिया जाएगा। निष्क्रिय सूची में आने वाले श्रमिक पंजीकृत श्रमिक की श्रेणी में नहीं माने जाएंगे और उन्हें किसी भी योजना का लाभ प्राप्त नहीं होगा। अपर श्रमायुक्त कल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि बोर्ड ने श्रमिकों से अपील की है कि वे अपना लेबर, श्रमिक कार्ड नवीनीकरण नजदीकी सीएससी ई-डिस्ट्रिक्ट सेंटर, सीएससी e-gov सेंटर अथवा बोर्ड की वेबसाइट upbocw .in के माध्यम से अवश्य करा लें। योजनाओं, पंजीयन प्रक्रिया एवं नवीनीकरण से संबंधित विस्तृत जानकारी भी बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

एएनटीएफ को मिलेंगे 150 नए जांबाज

अमृत विचार, लखनऊ : अवैध नशे के कारोबार पर निर्णायक प्रहार के लिए योगी सरकार एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को और मजबूत करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एएनटीएफ में 150 से अधिक नए पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। वर्तमान में एएनटीएफ में अधिकतर कर्मी प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं, जिन्हें अब रेग्युलर किया जाएगा। एएनटीएफ आईजी अब्दुल हमीद के अनुसार, विभाग में कुल 386 पदों का नियतन है, जबकि वर्तमान में 236 पदों पर ही तैनाती है। शेष 150 पदों को शीघ्र भरा जाएगा। मुख्यमंत्री ने ड्रग माफियाओं की कमर तोड़ने के लिए आधुनिक उपकरण और संसाधन भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

चारे के बजट में हेराफेरी पर होगी एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में गोवंश चारे के बजट में हेराफेरी करने और टेंडर में पारदर्शिता का पालन न करने का संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार ने जिम्मेदार अफसरों, कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की हिदायत दी है। राज्य डीएम और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पशु आहार के टेंडर 31 मार्च तक हर हाल पूरे कर लिये जाएं। वरना इस कार्य में लापरवाही बरतने पर एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई होगी। दरअसल, भूसा व हरे चारे के लिए दी जा रही राशि के सही प्रयोग व टेंडर न करने के मामले में पशुधन विभाग ने सख्ती दिखाई है। इसके बाद बिचौलियों को दरकिनार करते हुए स्पष्ट तौर पर हरे चारे के लिए किसानों से ही एमओयू कर निर्धारित दर पर सीधी खरीद की अनुमति दी गई है। इस प्रक्रिया में भुगतान भी किसानों बैंक खाते में किया जाएगा।

भरोसे की राजनीति का चेहरा बने पंकज चौधरी के नाम पर सहमति

पार्षद से प्रदेश अध्यक्ष तक, आम कार्यकर्ता को शिखर छूने का अहसास

संगठन के भीतर संतुलन साधने वाले नेता के रूप में उभरे पंकज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नगर निगम के पार्षद से लेकर केंद्र सरकार में मंत्री और अब उत्तर प्रदेश भाजपा की कमान तक पहुंचने वाले पंकज चौधरी की ताजपोशी ने संगठन के आम कार्यकर्ता में नई ऊर्जा भर दी है। ऐसे समय में, जब भाजपा पंचायत चुनाव 2026 और विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटी है, संगठन ने उस चेहरे पर भरोसा जताया है, जिसने जमीन से जुड़कर राजनीति सीखी और हर पड़ाव पर संगठन के प्रति निष्ठा निभाई।

दिल्ली में चली लंबी मैराथन बैठकों के बाद उनके नाम पर मुहर लगी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रस्तावक बनना इस बात का संकेत है कि भाजपा संगठन पूरी एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है। पंकज चौधरी की राजनीतिक यात्रा भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा की कहानी है। वर्ष 1989 में गोरखपुर नगर निगम से पार्षद के रूप में शुरू हुआ, उनका सफर उसी वर्ष नवगठित महराजगंज जिले तक पहुंच गया। तभी से महराजगंज उनकी राजनीति का केंद्र बन गया। वर्ष 1991 में उन्होंने 10वीं लोकसभा में पहली बार प्रवेश किया और 1996 व 1998 में लगातार जीत दर्ज कराई। 1999 और 2009 में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन पंकज चौधरी का संगठन से जुड़ाव कभी कमजोर नहीं हुआ। 2014 से वे लगातार सांसद हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

संगठन के भीतर पंकज चौधरी की पहचान संतुलन साधने वाले नेता की रही है। सात बार सांसद रहने के बावजूद उनका कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद और सहज व्यवहार आज भी उनकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता है। कुर्मी समाज में उनकी मजबूत पकड़ भाजपा के लिए बड़ा सामाजिक आधार है, जिसे विपक्ष के पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) फार्मूले की प्रभावी काट के रूप में देखा जा रहा है। पूर्वांचल, विशेषकर योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर-महाराजगंज क्षेत्र से प्रदेश अध्यक्ष का चयन कर भाजपा ने स्पष्ट संदेश दिया है कि संगठन क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन दोनों को साधकर आगे बढ़ेगा।

भाजपा कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने पहुंचे पंकज चौधरी।

चुनावी रणनीति को धार देने की चुनौती

भाजपा नेतृत्व को भरोसा है कि पंकज चौधरी संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पार्टी को चुनावी मोड में ले जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनकी जिम्मेदारी केवल संगठन चलाने तक सीमित नहीं होगी, बल्कि बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक कार्यकर्ताओं में उत्साह भरना और आगामी चुनावों की रणनीति को धार देना भी उनकी प्राथमिकता होगी। रविवार को केंद्रीय चुनाव अधिकारी पीयूष गोयल द्वारा औपचारिक घोषणा के साथ ही उत्तर प्रदेश भाजपा में एक नए, ऊर्जा से भरे दौर की शुरुआत मानी जा रही है, जिसमें हर कार्यकर्ता को यह संदेश मिलेगा कि संगठन में मेहनत और निष्ठा का रास्ता सीधे शिखर तक जाता है।

बड़े भाई से लेकर मां तक जिला पंचायत अध्यक्ष

महराजगंज की जिला पंचायत राजनीति में पंकज चौधरी का प्रभाव एक मिसाल के तौर पर देखा जाता है। बड़े भाई स्व. प्रदीप चौधरी के पहले जिला पंचायत अध्यक्ष बनने से लेकर माता उज्ज्वला चौधरी के दो बार अध्यक्ष रहने और बाद में समर्थित चेहरों की लगातार जीत तक, जिला पंचायत पर उनकी पकड़ बनी रही। सत्ता में रहते या विपक्ष में, जिला पंचायत पर नियंत्रण बनाए रखना उनके संगठनात्मक कौशल और जमीनी पकड़ का प्रमाण है।

नए साल में मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष और बनेंगे नए मंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खरमास बाद योगी मंत्रिमंडल में फेरबदल, भूपेंद्र सिंह चौधरी बन सकते मंत्री, केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी होगा फेरबदल

अमृत विचार: भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने के साथ ही सियासी हलचल अब सरकार और संगठन दोनों स्तर पर तेज हो गई है। खरमास समाप्त होते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार लगभग तय माना जा रहा है। यह बदलाव खरमास बाद मकर संक्रांति के आसपास हो सकता है। इसके साथ ही नये साल में भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने और केंद्र सरकार में भी मंत्रिमंडल फेरबदल की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।

भाजपा नेतृत्व संगठनात्मक बदलाव के बाद सरकार को पूरी तरह चुनावी मोड में लाने की तैयारी में है। 2026 के पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन और सरकार दोनों में नई ऊर्जा भरने की रणनीति पर काम चल रहा है। इसी क्रम में योगी मंत्रिमंडल का पुनर्गठन केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि पूरी तरह राजनीतिक और चुनावी दृष्टि से संतुलित होगा। सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का मंत्रिमंडल में शामिल होना लगभग तय है। अध्यक्ष पद से हटने के बाद उन्हें सरकार में अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके अलावा एक-दो राज्य मंत्रियों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देने पर भी विचार चल रहा है, जबकि कुछ मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है। फेरबदल में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि पश्चिम, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और अवध सभी क्षेत्रों को साधा जा सके।

एक और उप मुख्यमंत्री का फॉर्मूला चर्चा में

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी है कि उत्तर प्रदेश को एक और उप मुख्यमंत्री मिल सकता है। इस रेस में साध्वी निरंजन ज्योति का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र और नोएडा से विधायक पंकज सिंह को भी मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की अटकलें हैं। यदि ऐसा होता है, तो इसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और शहरी वोट बैंक को साधने की बड़ी कवायद माना जाएगा।

सहयोगी दलों को भी प्रतिनिधित्व

मंत्रिमंडल विस्तार में भाजपा के साथ-साथ एनडीए के सहयोगी दलों को भी हिस्सेदारी दिए जाने के संकेत हैं। राष्ट्रीय लोकदल और अपना दल (एस) से एक-एक विधायक को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। इससे गठबंधन को जमीनी स्तर पर मजबूती देने और सहयोगी दलों में संदेश देने की रणनीति मानी जा रही है।

छह नए चेहरों की गुंजाइश

वर्तमान में योगी सरकार में कुल 54 मंत्री हैं, जबकि संवैधानिक रूप से 60 मंत्रियों तक की अनुमति है। ऐसे में करीब छह नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि कुछ मौजूदा मंत्रियों का प्रदर्शन संतोषजनक न होने पर उन्हें हटाया भी जा सकता है। इसका उद्देश्य सरकार की कार्यशैली में नई धार और चुनावी संदेश दोनों देना है।

सपा के बागियों पर भी नजर : मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं में समाजवादी पार्टी से अलग होकर भाजपा के समर्थन में आए विधायकों को लेकर भी मंथन चल रहा है। पूजा पाल और मनोज पांडेय के नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं। इसके अलावा महेंद्र सिंह को लेकर भी विचार किया जा रहा है। इन चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह देना विपक्षी खेमे में राजनीतिक संदेश देने वाला कदम माना जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर पर भी बड़े फैसले : सूत्रों के अनुसार, मकर संक्रांति के आसपास भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष भी मिल सकता है। इसके बाद केंद्र सरकार में भी मंत्रिमंडल फेरबदल और नए चेहरों को मौका देने की तैयारी है। ऐसे में जनवरी 2026 से पहले संगठन और सरकार दोनों स्तर पर बड़े राजनीतिक फैसले होते दिख रहे हैं। कुल मिलाकर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के बाद शुरू हुई यह प्रक्रिया मकर संक्रांति तक निर्णायक मोड़ ले सकती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर पूर्वांचल का रहा दबदबा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पहले अध्यक्ष माधव बाबू से लेकर स्वतंत्रदेव सिंह तक 10 लोग संभाल चुके हैं कमान

अमृत विचार: भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर अब तक पूर्वांचल का दबदबा रहा है। करीब साढ़े चार दशक के सफर में पश्चिमांचल को गिनती के मौके ही मिल सके हैं। पूर्वांचल से पहले अध्यक्ष माधव बाबू से लेकर स्वतंत्रदेव सिंह तक 10 लोगों ने कमान संभाली, जबकि पश्चिमांचल से अध्यक्ष बनने वालों में केवल कल्याण सिंह, लक्ष्मीकांत और भूपेंद्र चौधरी रहे। अवध क्षेत्र से सीतापुर के राजेंद्र कुमार गुप्ता और विनय कटियार राज्य इकाई के अध्यक्ष रहे।

पार्टी के पहले प्रदेश अध्यक्ष बनने का गौरव पूर्वांचल के सिद्धार्थनगर निवासी माधो प्रसाद त्रिपाठी उर्फ माधव बाबू को मिला। उन्होंने 1980 से 1984 तक संगठन की कमान संभाली और उस दौर में प्रदेश में भाजपा की वैचारिक और सांगठनिक नींव मजबूत की। माधव बाबू के बाद पश्चिमांचल से आने वाले कल्याण सिंह को 1984 से 1990 तक प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद एक बार फिर संगठन की कमान पूर्वांचल के नेताओं के हाथों में चली गई। 1990 से 91 से तक एक वर्ष के लिए अवध क्षेत्र से सीतापुर के राजेंद्र कुमार गुप्ता एक बार राज्य इकाई के अध्यक्ष रहे। वे 1977 से 1996 तक सीतापुर से लगातार छह बार विधायक भी रहे और कल्याण सिंह की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उनका निधन 2003 में हो गया था। इसके बाद कलराज मिश्र (गाजीपुर) 1991 से 1997 तक सबसे अधिक समय तक अध्यक्ष रहे और फिर एक साल 10 माह के लिए वर्ष 2000 में अगस्त से जून 2002 तक दूसरी बार अध्यक्ष बनने वाले भाजपा के इकलौते नेता है। 1997 से 2000 तक राजनाथ सिंह (चंदौली), इसके बाद ओम प्रकाश सिंह (मिर्जापुर), विनय कटियार (जन्म कानपुर लेकिन राजनीति अयोध्या), केशरीनाथ त्रिपाठी (प्रयागराज), रमापति राम त्रिपाठी (देवरिया), सूर्य प्रताप शाही (कुशीनगर), लक्ष्मीकांत वाजपेयी, केशव प्रसाद मौर्य (कौशांबी), महेंद्र नाथ पांडेय (गाजीपुर), स्वतंत्रदेव सिंह (मिर्जापुर) जैसे नेता प्रदेश अध्यक्ष बने। इन सभी नामों में अधिकांश पूर्वांचल से जुड़े रहे, जिससे यह क्षेत्र लगातार संगठन के केंद्र में बना रहा।

पश्चिमांचल की हिस्सेदारी की बात करें तो अब तक केवल तीन नेताओं को ही प्रदेश अध्यक्ष बनने का अवसर मिला। इनमें कल्याण सिंह के बाद लक्ष्मीकांत वाजपेयी और चौधरी भूपेंद्र सिंह का नाम शामिल है। लक्ष्मीकांत वाजपेयी के कार्यकाल में 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्रदेश में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। वहीं भूपेंद्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिली, हालांकि बाद में हुए विधानसभा उपचुनावों में भाजपा ने वापसी कर संगठन को संबल दिया।

सबसे अधिक छह ब्राह्मण रहे प्रदेश अध्यक्ष

प्रदेश अध्यक्षों के चयन में सामाजिक समीकरण भी अहम भूमिका निभाते रहे हैं। 45 साल के संगठनात्मक इतिहास में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक छह ब्राह्मण प्रदेश अध्यक्ष बनाए। इसके अलावा तीन कुर्मी, एक लोधी, एक मौर्य, एक भूमिहार और एक जाट बिरादरी से अध्यक्ष बने। यह आंकड़े बताते हैं कि पार्टी ने समय-समय पर जातीय संतुलन साधते हुए संगठन की कमान सौंपी है।

भानवी सिंह को राहत मुकदमे पर अंतरिम रोक

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पूर्व मंत्री रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भईया की पत्नी भानवी सिंह को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनके विरुद्ध मानहानि व महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोपों में चल रहे मुकदमे की प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसी के साथ कोर्ट ने राजा भईया व भानवी सिंह की बहन साध्वी सिंह को नोटिस जारी करने का भी आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की एकल पीठ ने भानवी कुमारी सिंह की याचिका पर दिया। याची की ओर से दलील दी गई कि उसके पति रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भईया ने विवाह विच्छेद का एक मुकदमा परिवार न्यायालय में किया है। उक्त मुकदमे पर याची द्वारा लिखित जवाब दाखिल किया गया था। उक्त लिखित जवाब को एक चैनल द्वारा चलाया गया, जिसके आधार पर वर्तमान एफआईआर याची की बहन साध्वी सिंह ने उसके व दो अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध की है। इस पर कोर्ट ने कहा कि फैमिली कोर्ट एक्ट तथा हिन्दू विवाह अधिनियम में स्पष्ट प्रावधान है जिसके तहत परिवार न्यायालय के किसी भी मुकदमे की कार्यवाही को पब्लिश या प्रिंट नहीं किया जा सकता।

कवायद

वायु प्रदूषण की बढ़ती चुनौती से निपटने को प्रदेश सरकार का बड़ा कदम

जनवरी में लांच होगी स्वच्छ वायु प्रबंधन परियोजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव अध्यक्ष, प्रमुख सचिव व अपर मुख्य सचिव होंगे सदस्य

अमृत विचार: प्रदेश को स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरणीय रूप से संतुलित राज्य बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा कदम उठाया है। वायु प्रदूषण की गंभीर चुनौती से निपटने के लिए योगी जनवरी में उत्तर प्रदेश स्वच्छ वायु प्रबंधन परियोजना (यूपीसीएएमपी) की शुरुआत करेंगे। यह परियोजना प्रदेश में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए अब तक की सबसे व्यापक और बहु-क्षेत्रीय पहल मानी जा रही है। परियोजना में मुख्य सचिव अध्यक्ष और संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव सदस्य होंगे।

इस परियोजना को लेकर बीते 3 नवंबर 2025 को नई दिल्ली में आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए), विश्व बैंक और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच परियोजना वार्ता सफलतापूर्वक संपन्न हुई थी। इसके बाद 10 दिसंबर 2025 को विश्व बैंक के निदेशक मंडल ने परियोजना को औपचारिक मंजूरी प्रदान की। शासी निकाय को परियोजना की संरचना, वित्तीय व्यवस्था और विशेष प्रयोजन वाहन के रूप में गठित यूपीसीएएमपी प्राधिकरण के माध्यम से क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई।

वायु प्रदूषण से निपटने के उद्देश्य से योगी सरकार विश्व बैंक के सहयोग से यूपीसीएएमपी परियोजना को लागू कर रही है। यह परियोजना आईआईटी कानपुर, आईआईटी दिल्ली और नॉर्वेजियन इंस्टीट्यूट फॉर एयर रिसर्च जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के वैज्ञानिक अध्ययनों पर आधारित है। इसमें ऑस्ट्रिया के आईआईएएसए द्वारा विकसित जीएआईएनएस मॉडल का उपयोग किया गया है।

खर्च होंगे 304.66 मिलियन अमेरिकी डॉलर

परियोजना का कुल परिव्यय 304 .66 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जिसमें 299 .66 मिलियन डॉलर का ऋण और 5 मिलियन डॉलर का अनुदान शामिल है। इसे वर्ष 2025 से 2031 तक छह वर्षों की अवधि में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। परियोजना उद्योग, परिवहन, कृषि, सड़क की धूल, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छ खाना पकाने जैसे प्राथमिक क्षेत्रों पर केंद्रित है।

उम्मीद पोर्टल पर यूपी ने रचा इतिहास

डिजिटल वक्फ संपत्ति रजिस्ट्रेशन में देश में पहला स्थान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने वक्फ संपत्तियों के डिजिटल रजिस्ट्रेशन में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा 6 जून 2025 को शुरू किए गए 'उम्मीद' पोर्टल पर 5 दिसंबर तक रजिस्ट्रेशन पूरा करने का आदेश था। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने से पहले ही प्रदेश ने कुल 92,832 वक्फ संपत्तियों- 86,347 सुन्नी और 6,485 शिया- का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पूरा कर देश में पहला स्थान हासिल किया।

केंद्र सरकार ने अब अवधि छह माह के लिए बढ़ा दी है, लेकिन यूपी की उपलब्धि प्रशासनिक सक्रियता और पारदर्शिता का मजबूत संदेश देती है। देशभर में हुए डिजिटल रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए व्यापक जागरूकता अभियान और प्रशासनिक सहयोग से अधिकांश मुतवल्लियों ने समय से पहले अपनी संपत्तियों का सत्यापन कर रजिस्ट्रेशन पूरा करा लिया। यह उपलब्धि वक्फ संपत्तियों के संरक्षण, पारदर्शी प्रबंधन तथा भविष्य में उनके बेहतर उपयोग की दिशा में मील का पत्थर मानी जा रही है।

शिया में लखनऊ, सुन्नी में बाराबंकी टॉप पर

अमृत विचार : जिलेवार आंकड़ों के अनुसार, शिया वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन में लखनऊ 625 संपत्तियों के साथ पहले स्थान पर रहा। अमरोहा (539) दूसरे और मेरठ (533) तीसरे स्थान पर रहे। वहीं सुन्नी वक्फ रजिस्ट्रेशन में बाराबंकी 4,940 संपत्तियों के साथ अव्वल आया, जबकि सीतापुर दूसरे और आजमगढ़ तीसरे स्थान पर रहे। बिजनौर, मुरादाबाद, सहारनपुर, मेरठ और जौनपुर भी प्रमुख रूप से आगे रहे। प्रदेश सरकार का दावा है कि यह प्रक्रिया वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग पर रोक लगाने, प्रबंधन में जवाबदेही तय करने और उनके विकास कार्यों को गति देने में निर्णायक साबित होगी।

न्यूज ब्रीफ

सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र में पेंशन अदालत 16 को

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनी नगर के बिजनौर स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ग्रुप केंद्र परिसर में आगामी 16 नवंबर को 11:30 बजे पेंशन अदालत -2025 का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र बिजनौर के उप कमांडेंट (प्रशासन) प्रदीप कुमार पांडे ने दी। उन्होंने बताया कि यह पेंशन अदालत शहीद व मृतक कार्मिकों के आश्रितों तथा सेवानिवृत्त कार्मिकों के कल्याण के लिए आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के पेंशन एवं पेंशनर्स कल्याण विभाग, नई दिल्ली तथा सीआरपीएफ महानिदेशालय द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में यह आयोजन किया जा रहा है।

निर्माण

समतामूलक से निशातगंज मार्ग व निशातगंज से हनुमान सेतु तक ग्रीन कॉरिडोर का कार्य अंतिम चरण में है। डिवाइडर पर पुताई करने में मजदूर व्यस्त हैं। सड़क के दोनों ओर की गई चित्रकारी बन रही है लोगों के आकर्षण का केन्द्र। ● प्रमोद शर्मा

'ओवरब्रिज' बना ट्रांसपोर्ट और निजी वाहनों का 'पार्किंग स्थल'

पुल से नीचे उतरते ही गाड़ियों की मरम्मत की दुकानें, किसी दिन हो सकता है हादसा

हुसैनगंज राणा प्रताप चौराहे से ऐशबाग जाने वाले पुल के किनारे खड़े वाहन।

हुसैनगंज से नाके की ओर जाने वाले ओवर ब्रिज के समीप रोड पर वाहन बनाते लोग।

नीरज मिश्र, लखनऊ

- हादसा होने के इंतजार में प्रशासन, नहीं कर रहा कार्रवाई

अमृत विचार : हुसैनगंज महाराणा प्रताप चौराहे की ओर ओवरब्रिज से तेज रफ्तार में उतर रहे हैं तो तत्काल सतर्क हो जाएं और अपने वाहन की गति नियंत्रित कर लें। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता है। वजह यह है कि लालकुआं के पास ओवरब्रिज के छोर पर दूर तक ट्रांसपोर्ट और निजी वाहनों की पार्किंग नजर आएगी। यह कोई पार्किंग स्थल नहीं हैं लेकिन हुसैनगंज क्षेत्र के जिम्मेदार पुलिस के ओहदेदारों की लापरवाही से लोगों ने इसे 'अवैध पार्किंग' में तब्दील कर दिया है।

दरअसल इसका एक छोर डीएवी कॉलेज के पास से शुरू होता है तो दूसरा छोर हुसैनगंज इलाके में खुलता है। ओवरब्रिज होने कारण इस पर तेज गति से वाहन सवार अपना वाहन दौड़ाते हैं। ऐसे में उतरते पुल पर दिनभर चार पहिया ट्रांसपोर्ट और निजी वाहन खडे.रहते हैं। इससे पुल के एक बडे.हिस्से पर इन्हीं का कब्जा रहता है। रात के वक्त हालात काफी खराब हो जाते हैं, जब कम रोशनी में डीएवी की ओर से आ रहे तेज रफ्तार वाहन हुसैनगंज पुल से उतर रहे होते हैं। तो पुल पर खडे.वाहनों से टकरा सकते हैं। मामूली सी असावधानी जानलेवा हो सकती है क्योंकि हुसैनगंज की ओर उतर रहे पुल पर अवैध पार्किंग बना ली गई है।

पुल से नीचे उतरते ही लालकुआं वाले संकरे मार्ग पर पेड़ के नीचे वाहनों की मरम्मत का काम चलता मिलेगा। जिन वाहनों की मरम्मत हो गई है वह ओवरब्रिज के पार्किंग स्थल में खड़ी कर दी जाती है। यह इलाका भी हुसैनगंज क्षेत्र का है। जहां जिम्मेदार न तो पुल से वाहन हटवाते दिखते हैं और न ही पुल के तुरंत बाद सड़क पर बनी दुकानों के बाहर खड़े वाहनों पर कार्रवाई करते हैं। गौर करने की बात यह है कि यहीं पर हुसैनगंज की ओर से आने वाला तेज रफ्तार ट्रैफिक मुड़ता भी है। मोड़ पर ही दुकानों के बाहर कारें और ट्रांसपोर्ट वाहन पार्क रहते हैं। इनमें लोडिंग और अनलोडिंग हुआ करती है। कोई है जो इन पर कार्रवाई करेगा...।

मॉडल शॉप में चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी व बरामद शराब की पेटी। अमृत विचार

- होटल संचालक समेत आठ आरोपी गिरफ्तार
- चोर गिरोह से खरीदी शराब, संचालक ग्राहकों को बेचता था प्रिंट से दोगुना रेट पर

अमृत विचार: होटल संचालक की मिलीभगत से शराब की दुकान में चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए कृष्णानगर पुलिस ने दो भाइयों समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी होटल संचालक चोरी की शराब आधे रेट पर खरीदकर उसे ग्राहकों को प्रिंट रेट से दोगुना कीमत पर बेचता था। पकड़े गए आरोपियों के पास से दो पेटी अंग्रेजी शराब (96 पौवे), करीब 30 हजार रुपये और चोरी में प्रयुक्त एक ऑटो बरामद किया है।

एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया कि 10 दिसंबर को स्नेहनगर निवासी राजीव कुमार श्रीवास्तव ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। केस पर तीन टीमें गठित की गयी। करीब 400 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गयी। उसके बाद इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह व उनकी टीम ने शुक्रवार रात लोकबंधु अस्पताल के पास से आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में आशीष यादव निवासी रायबरेली हालपता डालीगंज, शुभम तिवारी निवासी उन्नाव हालपता जियामऊ हजरतगंज, ओमप्रकाश निवासी बहराइच हालपता नरही हजरतगंज, अमर सिंह उर्फ समर निवासी हजरतगंज, पिंटू निवासी पश्चिम बंगाल हालपता मड़ियांव, उसका भाई असरफ उर्फ मिथुन निवासी हुसैनगंज, शिवम कुमार वर्मा निवासी हरदोई हालपता नाका और विनय सिंह निवासी कप्तानगंज बस्ती हैं।

आरोपियों में अशरफ और शिवम चारबाग के एसएस होटल का संचालक हैं। आरोपी विनय रियल और शुभम तिवारी ओला चालक है। आरोपियों ने कबूला कि दुकान का शटर तोड़कर 06-06 पेटियां अंग्रेजी शराब व नकदी चोरी की थी। वारदात के बाद शराब एसएस-होटल चारबाग में रखकर रात के समय रेलवे व बस स्टेशन के पास स्कूटी से घूमकर चोरी छिपे महंगे दामों पर बेचते थे। आरोपी आशीष यादव के खिलाफ विभिन्न थानों में आठ मामले और ओम प्रकाश के खिलाफ चोरी, छिनैती, मारपीट समेत अन्य मामलों में 32 मामले दर्ज हैं। इसके अलावा होटल संचालक अपने ग्राहकों में बेचता था। आर्डर आने पर यह लोग स्कूटी से डिलीवरी भी भेजते थे। गिरोह से कई अन्य होटल भी जुड़े थे उनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

दोनों भाई व कारोबारी मिलकर चलाते थे गिरोह

- एसीपी ने बताया कि होटल संचालक मिथुन, उसका भाई पिंटू और रियल एस्टेट कारोबारी विनय मिलकर गिरोह चलाता था। आशीष, शुभम व अन्य लोग मिलकर देर रात बंद हुई शराब की दुकानों की रेकी करते थे। दुकान का शटर तोड़कर शराब चोरी करते थे। इसके बाद प्रिंट रेट से यह लोग आधे मूल्य पर मिथुन और उसके साथियों को बेचते थे। मिथुन उस शराब को प्रिंट रेट से दोगुना बंदी के समय देर रात बेचता था।

सिस्का एलईडी कंपनी के निदेशकों ने हड़पे 5.57 करोड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सिस्का एलईडी कंपनी के निदेशकों ने हड़पे 5.57 करोड़
- डीसीपी पश्चिम के आदेश पर कैसरबाग कोतवाली में रिपोर्ट

अमृत विचार: सिस्का एलईडी लाइट कंपनी के दो निदेशकों पर टेलीकॉम कंपनी मालिक ने 5.57 करोड़ की ठगी का आरोप लगाया है। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव के आदेश पर कैसरबाग पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गौतमबुद्ध मार्ग स्थित प्रमोद टेलीकॉम कंपनी के मालिक ध्रुव चंद्रा ने बताया कि उनकी कंपनी दूसरे संस्थानों के साथ टेलीकॉम व इलेक्ट्रॉनिक का कारोबार करती है। वर्ष 2018 में कंपनी ने सिस्का कंपनी के साथ कारोबार के लिए एमओयू साइन किया था। फाइनेंस के लिए यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक का चयन हुआ था। बताया कि बैंक से उधार मिली रकम को निर्धारित समय लौटाने की जिम्मेदारी सिस्का की थी। आरोप है कि सिस्का के निदेशक राजेश जीवन उत्तम चंदानी और गोविंद उत्तम चंदानी ने वर्ष 2023 तक कारोबार बेहतर तरीके से किया। फिर बैंक से ली गई रकम को निदेशकों ने लौटाने में आनाकानी शुरू कर दी। जिसके चलते कंपनी पर बैंक का 3.51 करोड़ रुपये बकाया हो गया। ध्रुव चंद्रा ने बताया कि बैंक ने उनपर रकम लौटाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। नोटिस और धमकी से परेशान होकर ध्रुव ने किसी तरह रकम अदा की। इसके बावजूद सिस्का के निदेशकों ने उनसे 2.05 करोड़ का माल लेकर 5 करोड़ के चेक दिए, जो बाउंस हो गए। परेशान होकर पीड़ित जब पुणे स्थित सिस्का कंपनी में रुपये मांगने गए तो उन्हें पीटा गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पति समेत चार पर दहेज हत्या का केस

अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। शुक्रवार की शाम को अतरौली थाना क्षेत्र के गांव तुलसीपुर मजरा भरावन में विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मृतका के पिता की तहरीर पर पति, सास, ससुर, ननद पर दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मृतका के पिता दिनेश कुमार पाल वासी गड़रियाखेड़ा मजरा साड़ा दखिलौल ने बताया कि बेटी मनीषा देवी (25) की शादी लवलेश पाल निवासी तुलसीपुर मजरा भरावन के साथ 10 फरवरी 2022 को की थी। बताया कि उसने 15 दिन पूर्व अपनी छोटी रंजना पाल की शादी तय कर दिया, उसको दहेज के रूप में चार पहिया वाहन देना सुनिश्चित कर दिया। मृतका के पति लवलेश, ससुर रामदत्त पाल, सास गुलाबा, ननद रूबी पाल निवासीगण तुलसीपुर थाना अतरौली सब दहेज में चार पहिया वाहन न मिलने के कारण शुक्रवार की शाम बेटी मनीषा देवी को जान से मारकर पंखा में लटका दिया। मृतका के डेढ़ वर्ष की बेटी मान्या है।

मुलाकात

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सीएम योगी से की शिष्टाचार भेंट। ● अमृत विचार

विधि विवि के पास बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

- विशेष परिस्थितियों में करें यातायात कंट्रोल रूम से संपर्क
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के लिए आयोजित है कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की आधिकारिक घोषणा के लिए राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में विशेष आयोजन है। इसमें नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नाम की घोषणा की जाएगी। इसके लिए मेगा इवेंट का आयोजन किया गया है। इसे देखते हुए आसपास के रास्तों में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यह जानकारी डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने दी । उन्होंने बताया कि विशेष परिस्थितियों में यातायात पुलिस के कंट्रोल रूम के नंबर 9454405155 पर कॉल किया जा सकता है।

यहां रहेगी रोक

- पराग तिराहा से आने वाला सामामन्य यातायात भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय की ओर रोक रहेगी।
- पावर हाउस चौराहा से आने वाला सामामन्य यातायात भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय की ओर रोक रहेगी।
- स्मृति उपवन चौराहा से आने वाला सामान्य यातायात पावर हाउस चौराहा की ओर रोक रहेगी।

यहां से जाएं

- ये वाहन पुरानी चुंगी होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन पिकेडली तिराहा अथवा पकरी पुल तिराहा होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन बंगला बाजार चौराहा अथवा रजनीखण्ड होकर जा सकेंगे।

पड़ताल | जिला परियोजना के सहायक लिपिक पर मुख्य सेविका से छेड़खानी करने का आरोप

आंतरिक समिति करेगी छेड़छाड़ के आरोपों की जांच

संवाददाता, हरदोई

पीड़िता से जानकारी लेते सीओ सिटी व नगर मजिस्ट्रेट। अमृत विचार

आरोपी लिपिक कमल कुमार।

अमृत विचार। मुख्य सेविका ने ज़िला परियोजना कार्यालय के सहायक लिपिक के खिलाफ छेड़छाड़ करने का जो आरोप लगाया था, उसकी जांच आंतरिक समिति को सौंप दी गई है। उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई करने की बात कही जा रही है। इससे पहले परियोजना की तमाम मुख्य सेविकाएं कोतवाली पहुंची, जहां सिटी मजिस्ट्रेट व सीओ सिटी ने पीड़ित मुख्य सेविका से पूरी जानकारी इकट्ठा की।

बताते चलें कि परियोजना में तैनात मुख्य सेविका ने डीएम और सीडीओ से की शिकायत में कहा है कि 1 नवंबर को वह कार्यालय में थी, उसी बीच वहां तैनात सहायक लिपिक कमल कुमार ने पीछे से पकड़ कर छेड़छाड़ की। उसने विरोध करते हुए दोबारा इस तरह की हरकत करने से मना किया तो सहायक लिपिक ने नौकरी से निकलवा देने की धमकी दी। उसके बाद 8 दिसंबर को वह लखनऊ जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंची। आरोपी सहायक लिपिक वहां पहुंचा और मुख्य सेविका को पकड़ कर खींचते हुए बैड टच करने लगा। ऐसे में वह अपने को पूरी तरह से असुरक्षित महसूस कर रही थी। उसी मामले में शनिवार को तमाम मुख्य सेविकाएं पीड़ित मुख्य सेविका के साथ कोतवाली शहर पहुंची, जहां सिटी मजिस्ट्रेट व सीओ सिटी अंकित मिश्रा ने उसकी बात सुनी। साथ ही कहा कि गलत हरकत करने वाला कोई भी हो, उसे किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। सीओ सिटी ने बताया कि मुख्य सेविका के आरोपों की जांच आंतरिक समिति को सौंपी गई है, उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मवेशी लेकर जा रही महिला से बदसलूकी, ड्राइवर को पीटा

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पक्का बाग से पिकअप से भैंस लेकर जा रही महिला से मोहल्ले के दो भाइयों ने बदसलूकी की और पिकअप डाला के ड्राइवर के साथ मारपीट की। पीड़िता ने आरोपी भाइयों के विरुद्ध कोतवाली में लिखित तहरीर दी है। पीड़िता पिहानी थाना क्षेत्र के ग्राम पंडरवा निवासी सालिया पत्नी शरीफ के अनुसार वह शनिवार की शाम को 4.30 बजे कोतवाली शाहाबाद के मोहल्ला पक्का बाग निवासी अपनी बहन सीमा पत्नी शकील के साथ एक पिकप डाला पर भैंस लेकर पंडरवा आ रही थी तभी मोहल्ले के फैजान और अन्नी पुत्रगण नशरत ने उससे मोबाइल नंबर की मांग की। उसने नंबर देने से मना कर दिया तो विपक्षी भाइयों ने पिकप डाला पर ईंट पत्थर चलाए और पिकप के ड्राइवर आरिफ को खींचकर मारा पीटा। पीड़िता ने आरोपियों के विरुद्ध प्रार्थना पत्र कोतवाली पुलिस को दिया है। पुलिस ने प्रार्थना पत्र लेकर जांच शुरू कर दी है।

कार्यक्रम में महिलाओं को जागरूक करतीं महिलाएं। अमृत विचार

सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बेनीगंज, हरदोई, अमृत विचार। नगर के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में शनिवार को सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नगर क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने प्रतिभाग किया। बताते चलें कि नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय वार्डन अंजू त्रिपाठी ने पर्यावरण संरक्षण व कुटुम्ब प्रबोधन पर अपने विचार व्यक्त किए। कहा कि विद्या भारती संस्था द्वारा सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा हैं, जिसका उद्देश्य नारी शक्ति को जागृत करना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें परिवार, समाज व राष्ट्र निर्माण में सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है, इस कार्यक्रम में महिलाओं की सात शक्तियों जैसे ज्ञान, संस्कार, सेवा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन को जगाने और उन्हें शिक्षा, नेतृत्व, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों से जोड़कर सशक्त बनाने पर जोर दिया जाता है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 14 दिसंबर 2025

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

किसानों को 4500 करोड़ से अधिक भुगतान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार किसानों की आर्थिक समृद्धि को लेकर लगातार ठोस कदम उठा रही है। धान खरीद सत्र 2025-26 में अब तक 3.15 लाख से अधिक किसानों से 19.14 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इसके एवज में किसानों को 4500 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान सीधे डीबीटी के माध्यम से किया गया है। प्रदेश में धान बिक्री के लिए 4645 क्रय केंद्र स्थापित किये गये हैं। इस सत्र में 7.83 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। वहीं 'श्रीअन्न' के अंतर्गत 35 हजार से अधिक किसानों से बाजरा खरीद कर 421.39 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं धान खरीद और भुगतान की नियमित समीक्षा कर रहे हैं, जिससे किसानों को समय से भुगतान सुनिश्चित हो रहा है।

स्टार्टअप का केंद्र बन रहा आईआईटी कानपुर

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप यूपी देश के बड़े स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है। इसमें आईआईटी कानपुर की भूमिका अहम मानी जा रही है। आईआईटी कानपुर स्थित स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी) में इस समय 500 से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं, जो प्रदेश को नवाचार और रोजगार सृजन का बड़ा केंद्र बना रहे हैं। एसआईआईसी के इंचार्ज प्रो. दीपू फिलिप के अनुसार, प्रदेश सरकार की स्टार्टअप-फ्रेंडली नीतियों, आसान फंडिंग और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर से इनोवेशन को नई गति मिली है। आईआईटी कानपुर देश का इकलौता ऐसा इनक्यूबेटर है, जो स्वयं मेंटर की भूमिका निभाता है। यहां मैन्युफैक्चरिंग, एआई, सेमीकंडक्टर, ड्रोन, डिफेंस प्रोडक्शन और क्लीन एनर्जी से जुड़े स्टार्टअप्स को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे उप्र. का आर्थिक आधार मजबूत हो रहा है।

48 लाख से अधिक परिवारों को मिला रोजगार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीण रोजगार सृजन के क्षेत्र में नये रिकॉर्ड बन रहे हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 48 लाख से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इनमें 31 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं, जो सामाजिक समावेशन की दिशा में सरकार की प्राथमिकता को दर्शाता है। राज्य सरकार ने इस अवधि में 97 प्रतिशत से अधिक मजदूरी का भुगतान समय पर किया है, जिससे ग्रामीण श्रमिकों में भरोसा बढ़ा है। मनरेगा के तहत अब तक 6703 करोड़ रुपये व्यय कर गांवों में आय के नए स्रोत विकसित किये गये हैं। सरकार का मानना है कि मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ-साथ पलायन पर भी प्रभावी रोक लगी है।

घने कोहरे की चेतावनी चलेगी शीतलहर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में अब शीतलहर के साथ कंपकपा देने वाली सर्दी का दौर आने वाला है। इस दौरान बरेली, मेरठ, सहारनपुर और गाजियाबाद शीतलहर चलने वाली है। वहीं, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज समेत पूर्वी यूपी में रातें और अधिक ठंडी हो जाएंगी। इस बीच मौसम विभाग ने राज्य के तमाम शहरों के लिए सुबह 4 से 10 बजे के बीच घने कोहरे और बेहद कम विजिबिलिटी की चेतावनी जारी की है। लोगों को यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। खासकर जल्दी सुबह और रात्रि के समय लंबी दूरी की यात्रा से बचने का सुझाव दिया गया है। मौसम विभाग के अनुसार पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती आदि जिलों में सुबह-शाम बहुत घना कोहरा रहेगा।

चोरी की बाइक संग दो युवक गिरफ्तार

अमृत विचार, पीजीआई : शाहखर्ची के लिए टू-व्हीलर चोरी करने वाले दो आरोपियों को पीजीआई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की एक बाइक बरामद की है। तेलीबाग निवासी उमेश कश्यप ने 11 दिसंबर को तहरीर देकर बताया था कि रायबरेली रोड स्थित उनकी दुकान के सामने खड़ी मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। जांच के दौरान पुलिस टीम ने साउथ सिटी क्षेत्र में रेलवे लाइन के पास से दो संदिग्धों को पकड़ा। आरोपियों की पहचान पंकज चौरसिया निवासी वृंदावन और अंकुर पाल निवासी चिरैयाबाग के रूप में हुई।

मुख्य आरोपी शुभम की आलीशान कोठी देख दंग रह गए ईडी के अफसर

फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी में ईडी की छापेमारी में दिखी शुभम की अकूत दौलत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप तस्कर गिरोह के मास्टरमाइंड व सरगना शुभम जायसवाल की आलीशान कोठी देखकर ईडी के अफसर दंग रह गये। मकान में प्रवेश करते ही अधिकारियों के मुंह से निकला कि मकान है या फाइव स्टार होटल। हर कदम पर हाई रेज्यूलेशन वाले सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। लग्जरी सोफा, फर्नीचर हर तल पर बाथरूम में विदेशी टाइल्स विलासिता की कहानी बयां कर रहे थे। अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मकान में विशेष जाली बिछाई गई है, जो किसी भी हमले से सुरक्षा प्रदान करती है।

शुक्रवार सुबह ईडी की टीम वाराणसी के बादशाहबाग कालोनी स्थित शुभम जायसवाल के मकान में पहुंची। मकान के बरामदे से लेकर हर फ्लोर पर महंगे हाई रेज्यूलेशन वाले सीसीटीवी कैमरे और छत पर 15 लाख से अधिक कीमत वाले साइलेंसर जनरेटर को भी देखा। घर के अंदर खड़ी स्कूटी की जांच की। शुभम के बेडरूम, स्टोररूम, पूजा घर, बाथरूम, गेस्ट रूम में टीम ने कई बार जांच की। ईडी को सूचना मिली थी कि शुभम ने पांच करोड़ से अधिक नकदी अपने मकान में कहीं छिपा रखी है। सभी आलमारियों समेत दरवाजों की जांच की गई।

शुभम जायसवाल का आलीशान मकान।

4 बजे से रेकी, 8 बजे छापा

ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, एक टीम शुभम के आवास पर 4 बजे सुबह पहुंच गई थी। जो उनके मकान की रेकी कर रही थी। करीब चार घंटे की रेकी के बाद आठ बजे से कार्रवाई शुरू की गई। ईडी की टीम ने यही प्रक्रिया वाराणसी के सभी आरोपियों के ठिकानों पर अपनाई। खोजवा के डीएसए फार्मा के प्रोपराइटर दिवेश जायसवाल के मकान पर ईडी की टीम पहुंची। मकान के पिछले हिस्से वाले कार्यालय पर ताला लटका मिला। खोजवा के बदलवीर बाबा मंदिर के सामने कोयले की दुकान पर ईडी की टीम रुकी। उस समय दुकान खुली थी, दुकान पर दिवेश की मां और एक रिश्तेदार बच्चों के साथ बैठा था। ईडी ने दुकान को बंद कराया। दो मंजिला मकान में घुसी ईडी की टीम ने हर वस्तु को खंगाला। दिवेश के बेडरूम से कई दस्तावेज और फाइल को टीम ने जब्त किया है।

- **फाइव स्टार होटल से कम नहीं घर, हर कदम पर हाई रेज्यूलेशन वाले कैमरे**

ईडी ने जुटाए 454 फर्मों के दस्तावेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशाल (ईडी) ने तीन राज्यों के 25 ठिकानों पर शुक्रवार सुबह से छापेमारी कर रही थी। 36 घंटे से अधिक चली छापेमारी के दौरान कुल 454 फर्मों के दस्तावेज मिले हैं। जिनके सत्यापन का काम ईडी ने शुरू कर दिया है। इन फर्मों के माध्यम से करोड़ों रुपये की हेराफेरी की गई है। मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल व उसके पिता भोला जायसवाल के वाराणसी के ठिकानों से ईडी के हाथ 189 फर्म के दस्तावेज लगे हैं। जांच में सामने आया कि इन फर्मों के माध्यम से शुभम व उसके पिता ने 450 करोड़ रुपये के लेनदेन किये हैं। जिसकी जांच ईडी कर रही है।

ईडी के अधिकारियों मुताबिक मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के घर से प्राडा और गुच्ची जैसे ब्रांड के बैग, राडो व ऑडेमर्स पिगुएट ब्रांड की महंगी घड़ियां, लग्जरी अन्य सामान मिले हैं। जिनकी कीमत आंकी जा रही है। जांच में सामने आया कि शुभम ने अपने घर के इंटीरियर कराने में दो करोड़ रुपये नकद खर्च किये थे। ईडी की टीम ने शुभम व उसके पिता भोला के रांची स्थित कार्यालय व गोदाम में छापेमारी की। इस दौरान 189 फर्मों के संबंधित दस्तावेज मिले हैं। शुरूआती जांच में सभी फर्जी पाये गये हैं। फोरेंसिक जांच के लिए सारे दस्तावेज भेजे गये हैं।

ईडी की छापेमारी में शुभम जायसवाल के चार्टर्ड अकाउंटेंट विष्णु अग्रवाल के घर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए। इसमें 140 फर्मों का ब्योरा मिला। इनका प्रयोग कर कितने करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई है। इसी तरह सहारनपुर में विभोर राणा और उनके सहयोगियों के आवासीय व कार्यालय परिसर की तलाशी की गई। धन की हेराफेरी के लिए 125 फर्मों का प्रयोग करने की बात सामने आई है। उनके बैंक खातों का प्रयोग कर धन जुटाने व भेजने का काम किया गया है।

ईडी की जांच में सामने आया है कि शुभम जायसवाल, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, सहारनपुर के विभोर राणा व विशाल सिंह ने अपने आलीशान घरों में करोड़ों रुपये खर्च किए। अधिकारियों को शक है कि कफ सिरप की तस्करी से होने वाली बेशुमार काली कमाई को खर्च किया गया। सभी के घरों में इंटीरियर का महंगा काम कराया गया है। ईडी के अधिकारी सरकार से अधिकृत वैल्यूअर से घर और इंटीरियर की कीमत का पता लगा रहे हैं ताकि आगे उन्हें जब्त किया जा सके।

- **फेंसेडिल कफ सिरप मामले में 36 घंटे से अधिक समय चली छापेमारी की कार्रवाई**
- **मुख्य आरोपी शुभम के घर से मिले कई अहम दस्तावेज, 450 करोड़ रुपये का लेनदेन**

200 से अधिक फर्मों पर हुआ कारोबार

अमृत विचार, लखनऊ : फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी का काला कारोबार दो सौ से अधिक फर्जी फर्मों पर किया गया। आरोप में गिरफ्तार एसटीएफ के बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह व अमित सिंह टाटा को शुक्रवार से शनिवार के बीच में 23 घंटे पूछताछ की गई। एसटीएफ के अधिकारियों ने दोनों से करीब दो सौ सवाल किये गये। इस दौरान फर्जी दो सौ फर्मों के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया गया। इसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। रविवार की शाम पांच बजे दोनों को गोसाईंगंज जेल में भेजना है।

एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक अमित और आलोक की गिरफ्तारी से पहले ही दो सौ से ज्यादा फर्जी फर्मों की जानकारी लगी थी। साथ ही तस्करी गिरोह कैसे काम करता है, उसकी जानकारी जुटाई जा रही है। इन सबसे जुड़े सवालों की सूची तैयार कर दोनों से पूछताछ की गई, तो वह सिर्फ अपनी फर्मी के बारे में ही जानकारी दे रहे हैं। अलग-अलग स्तर पर पूछताछ की। दोनों कई सवालों पर चुप्पी साध जा रहे थे। ट्रक पास कराने वाले के नामों की जानकारी हासिल की गई। उनकी तलाश में टीम लगाई गई है। उधर, दोनों को बनारस और धनबाद ले जाने की तैयारी थी, लेकिन समय कम होने के कारण नहीं ले गए हैं। ऐसे में वहां की टीम से इनपुट लेकर उन सवालों पर भी पूछताछ की जाएगी। एसटीएफ के मुताबिक दोनों से करीब एक-एक घंटे अलग-अलग पूछताछ हुई है। फिर दोनों को आमने-सामने बैठाकर दो घंटे तक पूछताछ की गई। उलझाने वाले सवाल भी पूछे गए, जिसमें कुछ जानकारी सामने आई है।

सरकार और जनता के बीच विश्वास का सेतु है सूचना विभाग : विशाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उप्र. द्वारा शनिवार को सूचना निदेशालय के सभागार में मुख्यालय एवं जनपदीय सूचना अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि सूचना विभाग सरकार और जनता के बीच विश्वास का सशक्त सेतु है।

कार्यशाला में विभागीय कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने, कार्य में एकरूपता सुनिश्चित करने व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को तथ्यपरक एवं प्रभावशाली ढंग से जनमानस तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा की गई। सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि बदलते सूचना परिदृश्य में डिजिटल और आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग आवश्यक है। नकारात्मक एवं भ्रामक सूचनाओं पर सतत निगरानी रखते हुए तथ्यों के साथ संतुलित प्रतिक्रिया देना आज की अनिवार्यता बन गई है।

सूचना निदेशक विशाल सिंह

सूचना निदेशक ने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और नेतृत्वकारी भूमिका के साथ अपने-अपने जनपदों में कार्य करें। विगत आठ वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की सही जानकारी व्यापक स्तर पर पहुंचाई जाए, ताकि किसी प्रकार की भ्रांति की स्थिति न बने।

- **मुख्यालय व जनपदीय सूचना अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित, डिजिटल माध्यमों से प्रचार-प्रसार पर जोर**

एफआरए खरीद के नियम बदले, प्रीमियम भी शामिल

पारदर्शी भवन निर्माण प्रक्रिया के लिए क्रय योग्य फ्लोर एरिया रेशियो से जुड़े नियमों में संशोधन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने शहरी विकास को गति देने और भवन निर्माण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से क्रय योग्य फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) से जुड़े नियमों में बड़ा संशोधन किया है। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, उत्तर प्रदेश शहरी नियोजन एवं विकास (क्रय योग्य एफएआर शुल्क का निर्धारण, उद्ग्रहण एवं संग्रहण) (प्रथम संशोधन) नियमावली-2025 को लागू कर दिया गया है। यह संशोधन 6 नवंबर 2025 को राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी होगा और प्रदेश के सभी विकास क्षेत्रों में लागू रहेगा।

आवास विकास के प्रमुख सचिव पी. गुरुप्रसाद की ओर अधिसूचना जारी की गई है। शासनादेश के तहत अब केवल क्रययोग्य एफएआर ही नहीं, बल्कि प्रीमियम खरीदे जा सकने वाले एफएआर पर भी शुल्क वसूला जाएगा। इससे पहले शुल्क व्यवस्था केवल अतिरिक्त एफएआर तक सीमित थी। संशोधन के बाद अधिकतम अनुमन्य एफएआर में बेसिक एफएआर, खरीदे जा सकने वाला एफएआर और प्रीमियम खरीदे जा सकने वाला एफएआर तीनों शामिल होंगे।

सरकार ने एफएआर शुल्क की गणना का फार्मूला भी स्पष्ट कर दिया है। इसके तहत अतिरिक्त अनुमन्य निर्मित क्षेत्रफल, बेसिक एफएआर, भूमि की वर्तमान सर्किल दर और भूमि उपयोग श्रेणी के अनुसार निर्धारित गुणांक के आधार पर शुल्क तय होगा। भूमि की वर्तमान दर से आशय जिलाधिकारी द्वारा घोषित सर्किल दर से है। जहां सर्किल दर उपलब्ध नहीं होगी, वहां विकास प्राधिकरण द्वारा निर्धारित आवासीय दर लागू होगी।

सरकार का मानना है कि इस संशोधन से विकास प्राधिकरणों की आय बढ़ेगी और शहरी अवसंरचना के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे। साथ ही, निवेशकों और भवन निर्माताओं को स्पष्ट नियम मिलने से परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन में सहूलियत होगी।

- **आवास विकास के प्रमुख सचिव ने जारी किया शासनादेश, 6 नवंबर से नए नियम माने जाएंगे प्रभावी**

भूमि उपयोग के अनुसार गुणांक तय

- संशोधित नियमों में भूमि उपयोग के अनुसार गुणांक भी तय किए गए हैं। वाणिज्यिक उपयोग के लिए खरीदे जा सकने वाले एफएआर पर 0.50 और प्रीमियम एफएआर पर 1.00 गुणांक रखा गया है। मिश्रित उपयोग, कार्यालय/संस्थागत भवनों, होटल, आवासीय (प्लॉटेड व समूह आवास), औद्योगिक तथा सामुदायिक व अवसंरचना सेवाओं के लिए अलग-अलग गुणांक निर्धारित किए गए हैं।

आँटो चालक ने रॉड मार कर सवारी का सिर फोड़ा

अमृत विचार, आलमबाग: थाना क्षेत्र में किराए के विवाद में दबंग ऑटो चालक ने एक व्यक्ति के सिर पर रॉड मार दी। मूल रूप से गोंडा निवासी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि 10 दिसम्बर की रात करीब 11.30 बजे वे आलमबाग स्थित एक निजी होटल से बाहर निकल कर अपने छोटे भाई को छोड़ने जा रहे था। इसी दौरान होटल के बाहर खडे.ऑटो चालक ने किराये के उससे 50 रुपये मांगे। जिसपर उन्होंने 30 रुपये किराया पड़ने की बात कही। इसपर उनके बीच विवाद हो गया। गाली-गलौज के दौरान चालक ने ऑटो से रॉड निकालकर देवेंद्र के सिर पर वार कर दिया। खून से लथपथ होकर वे वहीं पर गिर पड़े। प्राथमिक उपचार कराने के बाद घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज देखा तो ऑटो नम्बर और चालक जावेद का नाम स्पष्ट हुआ।

लखनऊ सहित 33 जिलों में पल्स पोलियो अभियान आज से

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश को पोलियो-मुक्त बनाए रखने के संकल्प के साथ प्राथमिकता लखनऊ सहित 33 जनपदों में रविवार से सघन पल्स पोलियो अभियान प्रारम्भ हो रहा है, जो 22 दिसंबर तक चलेगा। राजधानी में अवंतीबाई महिला अस्पताल से विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा अभियान की शुरुआत करेंगे।

महानिदेशक, परिवार कल्याण डॉ. पवन कुमार अरुण ने बताया कि अभियान का मुख्य लक्ष्य शून्य से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक देकर उन्हें स्थायी विकलांगता से बचाना है। भारत सरकार के निर्देशानुसार चयनित 33 जनपदों में शून्य से पांच साल के 1.33 करोड़ बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायी जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के पहले दिन 44,726 बूथ लगाए जाएंगे। इसके बाद 22 दिसंबर तक 29,360 टीमें तथा 10,686 पर्यवेक्षक घर-घर जाकर शून्य से पांच साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगे।

नियमित टीकाकरण के महाप्रबंधक डॉ. मनोज शुक्ला ने बताया कि प्रदेश वर्ष 2010 से पोलियो-मुक्त है, लेकिन पड़ोसी देशों में संक्रमण जारी है। इसलिए भारत में समय-समय पर ऐसे अभियान चलाना आवश्यक है।

33 जनपदों में पिलाई जाएगी दवा

- आगरा, अम्बेडकर नगर, अमेठी, अयोध्या, बदायूं, भदोही, बांदा, चंदौली, इटावा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, हमीरपुर, हाथरस, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, कुशीनगर, ललितपुर, लखनऊ, महोबा, मऊ, मथुरा, मिर्जापुर, पीलीभीत, सोनभद्र, उन्नाव एवं वाराणसी।

गायन

नव भारत निर्माण समिति एवं बनारस लिट् फेस्ट कार्यक्रम में शाने ए अवध में प्रस्तुति देतीं मालविका हरिओम।

अवसर | राज्य सरकार युवाओं को नौकरियां दिलवाने को प्रयासरत

युवाओं को नौकरी दिलाने का लक्ष्य अधूरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के युवाओं को विदेश में नौकरी दिलाने लक्ष्य अभी अधूरा है। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग 25 हजार नौकरियां उपलब्ध करायी जानी है। वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर तीन लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य है। राज्य सरकार रोजगार महाकुंभ के प्लेटफार्म से युवाओं को नौकरियां दिलवाने को प्रयासरत है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन युवाओं को देश-विदेश में रोजगार दिलाने के लिए किया गया है, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में प्रदेश मंत्रिमंडल ने 3 जुलाई, 2025 को मंजूरी दी थी। इसी का संज्ञान लेते हुए शनिवार को प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम ने अफसरों को याद दिलाया कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन की जो मंशा है, उसे शीघ्र पूरा करने की दिशा में गंभीरता से काम किया जाना चाहिए।

इसी कड़ी में श्रम एवं सेवायोजन द्वारा विधान सभा से बीती 18 अगस्त को रोजगार महाकुम्भ 2025 की शुरुआत की गई थी।

रोजगार महाकुम्भ का प्रथम चरण 26 से 28 अगस्त तक इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में किया गया। जिसमें 16,212 युवाओं का रोजगार के लिए चयन हुआ, इनमें 1,612 युवाओं का चयन विदेश के लिए किया गया।

इसी कड़ी में वाराणसी में 9-10 दिसंबर को राजकीय आईटीआई, करौन्दी, वाराणसी परिसर में काशी सांसद रोजगार महाकुम्भ आयोजित किया गया। इसमें लगभग इक्कीस हजार रिक्तियों जैसे मार्केटिंग, प्रोडेक्शन, मशीन आपरेटर, सेल्स, नर्सिंग, ड्राइवर, सप्लाई चेन, आटोमोबाइल, होटल, इत्यादि क्षेत्रों की 293 कंपनियों ने प्रतिभाग किया।

उन्होंने बताया कि इन रिक्तियों के सापेक्ष हाईस्कूल, इंटर, स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, परास्नातक आदि योग्यता प्राप्त लगभग 22,725 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इनमें से 8,054 अभ्यर्थी रोजगार के लिए चयनित हुए, जिसमें 85 अभ्यर्थी विदेश के लिए चयनित हैं। कुल चयनित अभ्यर्थियों में 331 महिला अभ्यर्थी और 8 विकलांग अभ्यर्थी भी शामिल रहे। काशी सांसद रोजगार महाकुंभ में सबसे अधिक 6 लाख रुपये का सालाना पैकेज मिला है।

- **उप्र. रोजगार मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग 25 हजार नौकरियां उपलब्ध करायी जानी है**
- **रोजगार महाकुंभ के प्लेटफार्म से राष्ट्रीय स्तर पर भी तीन लाख नौकरियां दिलवाने को प्रयासरत सेवा योजना विभाग**

नाबालिग को दोस्त ने धोखे से घर के बाहर बुलाकर साथियों संग पीटा

अमृत विचार , पीजीआई : थाना क्षेत्र के एल्डिको कॉलोनी में दोस्ती की आड़ में 14 वर्षीय छात्र को उसके ही एक दोस्त ने धोखे से घर से बाहर बुलाया। फिर साथियों के साथ मिलकर बेरहमी से पीटा। हमले में वह बेहोश हो गया। व्यापारी पिता ऋषि मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार शाम बेटे शिव का एक दोस्त घर आया और यह कहकर उसे बाहर ले गया कि उसका एक परिचित पकड़ा गया है। शिव जैसे ही घर से कुछ दूर पहुंचा, वहां पहले से मौजूद तीन अन्य लड़के भी आ गए। इसके बाद चारों ने उसपर हमला कर दिया। लात-घूंसों से की गई पिटाई में छात्र बेहोश हो गया, जिसके बाद आरोपी उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए। कुछ देर बाद पड़ोसी ने घायल पड़े शिव पर नजर पड़ी। उन्होंने उसे उठाकर उसके घर पहुंचाया। पिता ऋषि मिश्रा ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। पीड़ित शिव मिश्रा ने बताया कि वह बार-बार पूछता रहा कि उसकी गलती क्या है, लेकिन किसी ने उसकी एक न सुनी और पीटा गया।

कौशल विकास केंद्रों की गुणवत्ता परखेगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के दावे की हकीकत समझने के लिए राज्य सरकार के प्रतिनिधि अब कौशल विकास केंद्रों की भी गुणवत्ता परखेंगे। इस दौरान सबको हुनर, सबको काम के संकल्प के साथ कौशल विकास केंद्रों का न केवल निरीक्षण किया जाएगा, बल्कि ट्रेनिंग क्वालिटी और वातावरण को भी चेक किया जाना है।

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के इस निर्देश के बाद कौशल विकास केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने को मिशन अधिकारी फील्ड में उतर चुके हैं। इस दौरान विभिन्न जिलों में प्रशिक्षण केंद्रों का क्षेत्रीय भ्रमण कर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति, गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की जा रही है।

फील्ड में उतरे अफसरों में से अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह ने सिद्धार्थनगर व बलरामपुर स्थित कौशल विकास मिशन के ट्रेनिंग सेंटर्स का क्षेत्रीय भ्रमण किया। इस दौरान मिशन की टीम भी मौजूद रही। भ्रमण का उद्देश्य केंद्रों पर संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा, नए बैचों की प्रारंभिक स्थिति का आकलन तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करना रहा।

इसी क्रम में मिशन के सहायक निदेशक आशीष कुमार ने बहराइच व श्रावस्ती का दौरा किया। इस दौरान ट्रेनिंग सेंटर्स में स्थापित लैब, उपकरणों एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं को परखा गया। सहायक निदेशक ने प्रशिक्षार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता, सीखने की प्रक्रिया एवं प्राप्त फीडबैक की जानकारी ली और उन्हें रोजगार, करियर संभावनाओं एवं आगामी प्रशिक्षण योजनाओं से अवगत कराया।

सिपाही खुदकुशी केस में व्हाट्सएप का डेटा रिकवर करेगी पुलिस

अमृत विचार, लखनऊ: आलमबाग कोतवाली में तैनात सिपाही बालकृष्ण (27) की आत्महत्या के मामले में शनिवार को शव का पोस्टमार्टम हुआ। परिवारवालों ने भी आत्महत्या के कारण स्पष्ट न होने पर सवाल खड़े किए हैं। भाई मानवीर ने बताया कि सुबह मां कुसुम से बालकृष्ण की बात हुई थी। सब कुछ सही था। शादी के संबंध में भी बात हुई थी। उसके बाद ऐसा क्या हुआ कि बालकृष्ण ने जान दे दी। एसीपी कैंट अभय प्रताप मल्ल ने बताया कि मृतक के मोबाइल को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। वहां से पुलिस उसका व्हाट्सएप डेटा रिकवर कर अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है। इसके साथ ही कॉल डिटेल्स भी मंगवाई है। उसके आधार पर भी आत्महत्या के कारणों का पता लगाएगी। 2019 बैच का सिपाही बालकृष्ण मूल रूप से अलीगढ़ पिसावां का रहने वाला था। 2023 से वह आलमबाग में तैनात था।

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 14 दिसंबर 2025 www.amritvichar.com

मजदूरों का भविष्य और नए श्रम कानून

पांच साल से ज्यादा की प्रक्रिया के बाद भारत ने चार नए श्रम संहिताओं को लागू कर दिया है। ये संहिताएं 29 पुराने कानूनों को समाप्त कर देंगी, जो ब्रिटिश काल से लेकर यूपीए सरकार तक फैले हुए थे। सरकार का कहना है कि ये सुधार मजदूरों की औपचारिकता, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे। एक ऐसा कदम, जो कृषि कानून सुधारों की तरह राजनीतिक विरोध का शिकार हो रहा है, लेकिन वास्तव में मजदूरों के लंबे समय से लंबित हितों को मजबूत करेगा। मेरी राय में, ये संहिताएं कुछ चुनौतियां लाती हैं, लेकिन कुल मिलाकर सरकार की दृष्टि से मजदूरों की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को मजबूत करती हैं। नियोक्ताओं को लचीलापन देकर रोजगार सृजन को बढ़ावा देती हैं, जबकि पुराने कानूनों की जटिलताओं को दूर करती हैं। आइए, तथ्यों और कानूनी आधार पर नजर डालतें हैं।

आलोक तिवारी
वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ

क्या है घोषणा

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने 21 नवंबर को घोषणा की कि चार संहिताएं जल्द ही पूरे देश में लागू हो जाएंगी :

- वेतन संहिता, 2019
- औद्योगिक संबंध संहिता, 2020
- सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020
- व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता, 2020 (OSHWC)

क्या है देरी का कारण

श्रम समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए केंद्र और राज्यों को समन्वित नियम बनाने पड़ते हैं। केंद्र ने 2020 में ड्राफ्ट नियम जारी कर दिए थे, लेकिन जुलाई 2025 तक कुछ राज्य जैसे पश्चिम बंगाल और लक्षद्वीप पिछड़ गए। दिल्ली और तमिलनाडु ने भी कुछ संहिताओं में देरी की। सरकार का मानना है कि ये देरी मुख्य रूप से राज्यों की सुस्ती से हुई, लेकिन अब केंद्र की सक्रियता से प्रक्रिया तेज हुई है-एक उदाहरण कि कैसे केंद्र 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' के सिद्धांत पर चल रहा है।

प्रमुख बदलाव: मजदूरों के लिए अवसरों का विस्तार

- सरकार का दावा है कि ये संहिताएं रोजगार को औपचारिक बनाएंगी, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करेंगी और अनुपालन को सरल करेंगी, जो अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के मानकों से मेल खाते हैं।
- **मुख्य फीचर्स:** अनिवार्य नियुक्ति पत्र इस कानून के बाद सभी नियोक्ताओं को सभी मजदूरों को अनिवार्य रूप से नियुक्ति पत्र देना होगा, जो पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा।
- **गिग वर्कर्स को सुरक्षा:** उबर, स्विगी जैसे प्लेटफॉर्म वर्कर्स को ईपीएफ, ईएसआई और दुर्घटना बीमा का प्रावधान-एक सकारात्मक कदम है, जो 40 करोड़ असंगठित मजदूरों को जोड़ेगा। ये संहिताएं संविधान के अनुच्छेद-43 (जीविका मजदूरी) और अनुच्छेद-39 (समान वेतन) के अनुरूप हैं, जो मजदूरों के हितों की रक्षा करते हैं।
- **राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम श्रम वेतन :** कोई राज्य केंद्र द्वारा निर्धारित मजदूरी दर से कम नहीं दे सकेगा। हां उससे ज्यादा दे सकते हैं और वेतन निश्चित रूप से प्रत्येक माह की 7 तारीख तक देना होगा, जो क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करेगी। अध्ययनों से पता चलता है कि ऐसे सुधार उत्पादकता बढ़ाते हैं और औपचारिक रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करते हैं।
- **महिलाओं के लिए खुला द्वार :** महिलाओ को रात की शिफ्ट और सभी कामों (खदानें सहित) में समान भागीदारी का रास्ता ही नहीं खोलता है, समान वेतन की बात भी करता है और ट्रांसजेंडर भेदभाव पर रोक लगता है, जो महिलाओं की कार्यबल भागीदारी को बढ़ाएगा, जैसा कि मातृत्व लाभ संशोधन अधिनियम-2017 में 26 सप्ताह की छुट्टी देने से परिलक्षित हुआ था। महिलाओ से भेद-भाव पर 50000 रुपये का जुर्माना।
- बेसिक वेतन कुल CTC का कम से कम 50 प्रतिशत देना होगा। इससे पीएफ /ग्रेच्युटी की राशि बढ़ेगी, लेकिन घर ले जाने वाले वेतन में कमी आएगी। सरकार का तर्क है कि इसके द्वारा वह लंबे समय में रिटायरमेंट सुरक्षा मजबूत करना चाहती है, क्योंकि पीएफ और ग्रेच्युटी की राशि बढ़कर मिलेगी।
- छोटी इकाइयों (300 से कम मजदूर) को कई प्रावधानों से छूट दी गई है, जिससे करोड़ों मजदूर, जो 300 से कम संख्या वाले संस्थान में काम करेंगे, वे न्यूनतम वेतन, सुरक्षा और सामाजिक लाभ से वंचित रह जाएंगे। आलोचना है कि ये संहिताएं असंगठित क्षेत्र को औपचारिक बनाने की बजाय अनौपचारिकता को बढ़ावा देंगी।
- कानूनी आधार पर, ये संहिताएं राष्ट्रीय श्रम आयोग (2002) की सिफारिशों पर आधारित हैं, जो 4-5 कोड बनाने का सुझाव देती थीं। आंकड़ों से, ईएसआईसी का विस्तार 566 से 740 जिलों तक हुआ है और सदस्यता 13.5 करोड़ से 50 करोड़ तक बढ़ी है-ये सुधार मजदूरों को वास्तविक लाभ पहुंचाएंगे। फैक्ट्री लाइसेंस की थ्रेशोल्ड बढ़ाने से छोटी इकाइयों को राहत मिलेगी, लेकिन सरकार का कहना है कि इससे करोड़ों मजदूर न्यूनतम वेतन और सुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे, जिससे ठेका मजदूरी को विनियमित कर फिक्स्ड-टर्म कर्मचारियों को स्थायी लाभ के अवसर मिल पाएंगे। कुल मिलाकर, ये बदलाव नियोक्ताओं के लिए आसानी लाते हैं, लेकिन मजदूरों के लिए सामाजिक सुरक्षा का जाल भी बिछाते हैं-खासकर जब 50 करोड़ मजदूरों को कवर किया जाएगा, जिसमें 90 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र शामिल है।

नियोक्ताओं की प्रतिक्रिया निवेश और विकास का स्वागत

बड़ी कंपनियों के संगठन जैसे CII और FICCI ने इनका जोरदार समर्थन किया है। CII के निर्वाचित अध्यक्ष आर. मुकुंदन का कहना है कि ये कानून श्रम क्षेत्र की जटिल प्रक्रियाओं को सरल बनाएंगे, विवाद कम करेंगे और ज्यादा निवेश आकर्षित करेंगे, जो आर्थिक विकास को गति देगा।

एमएसएमई संगठन चिंतित हैं कि परिचालन खर्च 25 से 30 प्रतिशत तक बढ़ सकता है, लेकिन सरकार अवस्था परिवर्तनकालिक राहत और कम जुर्माने की दिशा में काम कर रही है। मेरी दृष्टि से, एमएसएमई की चिंता जायज है, लेकिन ये संहिताएं लंबे समय में छोटे व्यवसायों को भी मजबूत करेंगी, क्योंकि अनुपालन सरल होगा और 'इंस्पेक्टर राज' खत्म होगा।

ट्रेड यूनियनों का विरोध: राजनीतिक या पुरातन

बीएमएस को छोड़कर कुछ केंद्रीय ट्रेड यूनियन (INTUC, AITUC, CITU आदि) इनका विरोध कर रही हैं, 2019 से 2025 तक हड़तालें कर। उनका तर्क है कि राज्य के न्यूनतम वेतन के अधिकार छीने जा रहे हैं, हड़ताल पर 14 दिनों का नोटिस और यूनियन पर सीमाएं लादी जा रही हैं, लेकिन सरकार का कहना है कि ये प्रावधान पुराने कानूनों की जटिलताओं को दूर करते हैं और हड़ताल का अधिकार बरकरार है-बस पारदर्शिता बढ़ाई गई है। कृषि सुधारों की तरह, ये विरोध राजनीतिक लगते हैं, जबकि संहिताएं मजदूरों को ई-श्रम पोर्टल और यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) जैसी सुविधाओं से जोड़ती हैं। महिलाओं की रात शिफ्ट में सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रावधान अनुच्छेद-42 (मातृत्व राहत) के अनुरूप ही हैं।

प्राइवेट मेंबर बिल ने बढ़ा दी श्रमिक कानूनों पर चर्चा

इसी बीच संसद में एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने श्रमिकों को छुट्टी और व्यक्तिगत जीवन में तारतम्य से संबंधित एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया है और इस बिल की बहुत चर्चा भी हो रही है। यह बिल सवाल खड़े करता है कि क्या श्रमिकों की 8-10 घंटे की नौकरी सच में 8-10 घंटे तक रह गई है? या फिर वाट्सएप, ई-मेल और जूम मीटिंग्स ने कर्मचारियों को चौबीस घंटों का मजदूर बनाकर रख दिया है?

इसी सच्चाई और जीवन पर पड़ते इसके असर को सुधारने के लिए 5 दिसंबर को लोकसभा में पेश इस बिल ने देश की वर्क कल्चर पर एक नई बहस छेड़ दी है। इस बिल का उद्देश्य साफ है कि कर्मचारी काम के तय घंटे खत्म होने के बाद या छुट्टियों में ऑफिस से आए फोन कॉल, ई-मेल या मैसेज का जवाब देने के लिए कानूनी रूप से बाध्य न हो अर्थात उन्हें स्वतंत्रता हो कि वे अपनी छुट्टी के समय या ऑफिस के बाद के अपने पारिवारिक व्यक्तिगत समय में ऑफिस का कोई कार्य या संदेश ग्रहण न करें और इसके लिए उनके विरुद्ध कोई प्रशासनिक कार्यवाही भी प्रारंभ न की जा सके। यानी यह बिल कर्मचारी के वर्क-लाइफ बैलेंस को कानून की सुरक्षा देता है। इसके तहत एक Employees Welfare Authority बनाने का प्रस्ताव भी है।

यह बिल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि डिजिटल दौर ने "ऑफिस" और "निजी जीवन" की सीमा लगभग मिटा दी है। आज का कर्मचारी नींद की कमी में जी रहा है, तनाव में काम कर रहा है और परिवार के बीच होते हुए भी अकेला महसूस कर रहा है, क्योंकि उससे हर समय ऑन-ड्यूटी रहने की अपेक्षा की जाती है। कई कर्मचारी ऑफिस समय के घंटों बाद भी काम से जुड़े रहते हैं। नतीजा मानसिक थकावट, बर्न-आउट, पारिवारिक समय की कमी और अकेलापन और स्वास्थ्य में बड़ी गिरावट। यह बिल कहता है कि कर्मचारी मशीन नहीं है, उसका भी निजी जीवन है।

वहीं इस बिल को लेकर उद्योग जगत की चिंताएं भी सामने हैं। IT, स्वस्थ्य विभाग और मीडिया क्षेत्र के कार्य 9 से 5 तक सीमित नहीं किए जा सकते हैं और 24 घंटे वाली आपातकालीन सेवाओ पर तो बंधन मरीजों के जीवन पर एक बड़ा खतरा उत्पन्न कर सकता। वहीं विदेशी ग्राहकों, नियत समय पूरी की जाने वाली परियोजनाओं तथा इमरजेंसी कार्यों के लिए यदि कर्मचारी फोन उठाने से ही मनाकर देगा तो क्या होगा? छोटी कंपनियां तो घाटे से बंद हो जाएंगी। असली सवाल यही है कि कानून तभी सफल होगा जब अनावश्यक दबाव रुकें, लेकिन जरूरत पड़ने पर ओवरटाइम, शिफ्ट सिस्टम और अतिरिक्त काम के भुगतान की व्यवस्था बनी रहे। फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल, बेल्जियम और आयरलैंड में राइट-टू-डिस्कनेक्ट कानून पहले से लागू है। वे देश पीछे नहीं गए-वहां प्रोडक्टिविटी भी बढ़ी और कर्मचारी संतुष्टि भी। काम जरूरी है, लेकिन इंसान की गरिमा और सेहत उससे भी ज्यादा जरूरी है।

आगे की राह: संवाद से सफलता

केंद्र संशोधित ड्राफ्ट नियम दोबारा जारी कर 45 दिन की टिप्पणी अवधि देगा। कुछ विपक्षी राज्य विरोध कर रहे हैं, लेकिन सरकार भारतीय श्रम सम्मेलन बुलाने को तैयार है। नियोक्ता फैक्ट्री स्तर पर चर्चा चाहते हैं। मेरी राय में, बिना त्रिपक्षीय संवाद के चुनौतियां बनी रहेंगी, लेकिन सरकार की दृष्टि से ये संहिताएं मजदूरों के हितों को प्राथमिकता देती हैं, क्योंकि सच्ची सुधार प्रक्रिया मजदूरों की भागीदारी से ही संभव है। संहिताएं आधुनिक भारत की जरूरत भी हैं, लेकिन वर्तमान रूप में मजदूरों के हितों को कुछ-कुछ नजर अंदाज भी करती हैं। यदि क्रियान्वयन मजदूर-केंद्रित हुआ तो क्रांति हो सकती है, वरना असमानता का नया दौर शुरू। मजदूर खुद इसका फैसला लिखेंगे।

ठंडी हवा का जोड़ों पर असर
कारण, लक्षण और आयुर्वेदिक राहत

गठिया (आर्थराइटिस) आज की सबसे सामान्य और परेशान करने वाली स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यह रोग केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं, मध्यम आयु के लोगों और कई बार किशोरों में भी देखा जाता है। आधुनिक परिवेश में बदलती जीवनशैली, गलत भोजन की आदत, कम शारीरिक गतिविधि और तनाव इसके प्रमुख कारण बनते जा रहे हैं। गठिया वह अवस्था है, जिसमें शरीर के किसी भी जोड़ में सूजन, दर्द, कठोरता और गतिशीलता में कमी आ जाती है। समय रहते उपचार न होने पर यह रोग व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता को बेहद प्रभावित कर सकता है।

गठिया दरअसल जोड़ों में होने वाली सूजनजनित अवस्था का सामूहिक नाम है। यह एक एकल रोग नहीं, बल्कि 100 से अधिक प्रकार के जोड़ों के विकारों का समूह है। प्रमुख रूपों में ऑस्टियोआर्थराइटिस (हड्डियों का घिसना), रूमेटाइड आर्थराइटिस (प्रतिरक्षा तंत्र द्वारा जोड़ों पर हमला), गठिया/गाउट (यूरिक एसिड बढ़ने से) तथा स्पॉन्डिलाइटिस (रीढ़ का गठिया) शामिल हैं। प्रत्येक रूप की अपनी विशिष्टता, कारण, लक्षण और उपचार पद्धति होती है। उदाहरण के लिए ऑस्टियोआर्थराइटिस उम्र, मोटापे, अत्यधिक शारीरिक श्रम या जोड़ पर अधिक भार डालने वाली गतिविधियां, जोड़ की पुरानी चोटें, आनुवांशिक कारण और हार्मोनल परिवर्तन से होता है, जबकि रूमेटाइड आर्थराइटिस प्रतिरक्षा तंत्र की त्रुटियों से उत्पन्न एक जटिल बीमारी है (शरीर की इम्यून कोशिकाएं बाहरी रोगाणुओं के बजाय जोड़ों की झिल्ली को ही शत्रु समझकर हमला करती हैं)। इसी कारण रूमेटाइड आर्थराइटिस को स्व-प्रतिरक्षी रोग कहा जाता है।

गठिया के कारण

गठिया के कारण बहुआयामी हैं। बढ़ती उम्र सबसे सामान्य कारण है, लेकिन जीवनशैली भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अत्यधिक वजन जोड़ों पर दबाव डालता है और कार्टिलेज को जल्दी घिसाता है। गलत खान-पान, लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहना या शारीरिक श्रम की कमी भी जोड़ों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है। कुछ लोगों में यह समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है। प्रतिरक्षा से जुड़े विकारों के कारण रूमेटाइड आर्थराइटिस जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। इसके अतिरिक्त ठंडा पानी, अचानक मौसम परिवर्तन, चोट, संक्रमण, विटामिन-डी और कैल्शियम का अभाव भी जोड़ों को कमजोर करता है।

लक्षण और पहचान

गठिया के लक्षण शुरुआत में हल्के होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे बढ़ते जाते हैं। सबसे आम लक्षणों में दर्द, सूजन, जकड़न, और जोड़ का लाल होना शामिल है। सुबह उठते समय जकड़न कई बार एक घंटा या उससे अधिक समय तक रहती है। कुछ रोगियों में जोड़ छूने पर गर्म महसूस होता है। चलते-फिरते समय दर्द बढ़ना, सीढ़ियां चढ़ने में कठिनाई, बैठने-उठने में दिक्कत और थकान भी सामान्य लक्षण हैं। रूमेटाइड आर्थराइटिस में कई बार पूरे शरीर में कमजोरी, हल्का बुखार तथा हाथ-पैरों की उंगलियों में विकृति भी उत्पन्न हो सकती है। यदि ये लक्षण नियमित रूप से बने रहें, तो विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श अनिवार्य है।

कारण और निदान

आयुर्वेद गठिया को आमवात, संधिवात, वातरक्त आदि नामों से वर्णित करता है। आयुर्वेद के अनुसार जब शरीर में आम (अधपचा विषाक्त पदार्थ) बनता है और यह वात दोष के साथ मिलकर जोड़ों में जमा होता है, तब दर्द, सूजन और अकड़न पैदा होती है। निदान के लिए आयुर्वेद नाड़ी-परीक्षा, दोष-विचार, धातु और मल की स्थिति, तथा रोगी के आहार-विहार का विश्लेषण करता है। आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार वात दोष को शांत करना, आम को शरीर से निकालना और दोषों का संतुलन स्थापित करना ही उपचार का मूल आधार है।

आयुर्वेदिक उपचार औषधि और जीवनशैली सुधार

आयुर्वेद में गठिया के उपचार का पहला चरण शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालना है। इसके लिए त्रिफला, अश्वगंधा, दशमूल, योगराज गुग्गुलु, महारसायन आदि औषधियों का उपयोग किया जाता है। हालांकि दवाइयां रोगी की अवस्था, उम्र, दोष और रोग की अवधि के अनुसार ही दी जाती हैं, इसलिए विशेषज्ञ परामर्श अनिवार्य है।

पंचकर्म चिकित्सा

- विशेषकर अभ्यंग, स्वेदन, बस्ति, पिंड स्वेद- जोड़ों की सूजन कम करने, रक्त संचार बढ़ाने और वात दोष को संतुलित करने में अत्यंत प्रभावी हैं।
- अभ्यंग (विशेष औषधीय तेल से शरीर का स्नेहन) जो रक्तसंचार बढ़ाकर कठोरता और दर्द को कम करता है।

स्वेदन (भाप चिकित्सा)

- जोड़ों में फंसी हुई वात को बाहर निकालने में अत्यंत सहायक।
- बाह्य बस्ति (बाह्य बस्ती और स्थानीय बस्ती)
- इन विशेष उपचारों में औषधीय तेल को जोड़ या रीढ़ पर एक निश्चित समय तक रखा जाता है।

यह उपचार

- ऑस्टियोआर्थराइटिस, संधिवात, घुटनों की जकड़न में अत्यंत प्रभावी माना जाता है।
- आंतरिक बस्ति (आंतरिक बस्ती-औषधीय एनीमा चिकित्सा) आयुर्वेद में गठिया का श्रेष्ठतम उपचार।
- औषधियों के अनुसार विशेष "कालेय बस्ति क्रम" तथा "अनुवासन बस्ति" दी जाती है।

पिंड स्वेद और नस्य

- कंधे, गर्दन और रीढ़ से जुड़े गठिया के रोगों में अत्यंत लाभदायक।
- आहार-विहार भी उतना ही महत्वपूर्ण है। गर्म, सत्वयुक्त भोजन, हल्की दालें, घी, हल्दी, अदरक, लहसुन, हरी सब्जियां और पर्याप्त जल सेवन उपयोगी हैं। दही, ठंडा पानी, जंक फूड, बैंगन, भारी-भरकम भोजन तथा रात का बचा हुआ खाना गठिया बढ़ाता है।

- योग-जैसे मार्जरी आसन, भुजंगासन, ताड़ासन, वृक्षासन जोड़ों को लचीला बनाते हैं। कुछ स्थितियों में आधुनिक निदान अत्यंत आवश्यक है। X-ray, MRI, RA Factor, ESR, CRP और Uric Acid Test रोग की प्रकृति समझने में मदद करते हैं। आधुनिक चिकित्सा लक्षणों को नियंत्रित करती है, जबकि आयुर्वेद मूल कारण की चिकित्सा करता है। दोनों का संतुलित उपयोग कई रोगियों के लिए अधिक प्रभावी सिद्ध होता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बरेली, क्षेत्रीय समुदाय को आयुर्वेद आधारित सुरक्षित और प्राकृतिक चिकित्सा प्रदान करने के लिए विशिष्ट स्थान रखता है। यहां का आयुर्वेदिक OPD गठिया के रोगियों के लिए विस्तृत परामर्श उपलब्ध कराता है, जहां अनुभवी आयुर्वेदिक चिकित्सक परीक्षण, दोष मूल्यांकन और रोग के स्तर का विश्लेषण करते हैं। संस्थान में मौजूद पंचकर्म विभाग गठिया के उपचार में अत्यंत उपयोगी है। यहां अभ्यंग, स्वेदन, बस्ति, जानु बस्ति, कटि बस्ति, पिंड स्वेद जैसी विशेष थेरपी दी जाती हैं, जो दर्द, सूजन और जकड़न कम करने में सहायक हैं। इसके साथ ही, मरीजों को व्यक्तिगत रूप से आहार, जीवनशैली और योग अभ्यास की सलाह दी जाती है ताकि वे लंबे समय तक स्वस्थ रह सकें। समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर, ग्रामीण-शहरी जागरूकता कार्यक्रम और निःशुल्क जांच शिविर आयोजित कर समाज के उन लोगों तक भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाता है, जो नियमित उपचार का खर्च वहन नहीं कर पाते। कॉलेज और

अस्पताल की यह सामुदायिक सेवा गठिया जैसे बढ़ते रोग के नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

गठिया एक दीर्घकालिक और धीरे-धीरे बढ़ने वाली समस्या है, लेकिन समय पर निदान और संतुलित उपचार से इसे काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। आयुर्वेद शरीर के भीतर की विकृति को सुधारकर, दोष संतुलित कर जोड़ों की प्राकृतिक शक्ति बढ़ाकर दीर्घकालिक राहत प्रदान करता है।

वज्रदंती आयुर्वेद की अत्यंत प्रभावी औषधि

दुनियाभर में कई आयुर्वेदिक औषधियां मौजूद हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते, लेकिन आयुर्वेद में उनका औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है और वे भारत में कई जगह आसानी से उपलब्ध हैं। वज्रदंती एक कांटेदार, पीले फूल वाला झाड़ीदार पौधा है। यह पौधा अपनी पत्तियों और फूलों के कारण जाना जाता है, जिनमें छोटे-छोटे पीले, घंटी के आकार के फूल होते हैं। इसके पत्ते छोटे और नुकीले होते हैं। इसका वानस्पतिक नाम बारलेरिया प्रियोनाइटिस है। यह ज्यादातर बरसात के मौसम में देखने को मिलता है। आप इसे पहाड़ी इलाकों और नदी के किनारे अधिक पाएंगे।

अनामिका शुक्ला
लेखिका

आयुर्वेद में इसका नाम काफी चर्चित है। इसका सेवन कई प्रकार की बीमारियों से राहत प्रदान करता है। प्राचीन समय से यह पारंपरिक चिकित्सा में उपयोग किया जा रहा है। वज्रदंती बुखार, सांस संबंधी समस्याओं, दांतों और जोड़ों के दर्द में काफी मददगार माना जाता है। वज्रदंती एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर होता है, इसलिए यह त्वचा संबंधी विकारों को दूर करने में भी सहायक है। इसे पीला पियाबांसा के नाम से भी जाना जाता है, हालांकि संस्कृत में इसका नाम वज्रदंती ही है। मौसम समाप्त होने के बाद इसके फूल-पत्ते झड़ जाते हैं, लेकिन इसकी जड़ हमेशा जीवित रहती है, जिसका उपयोग वर्षभर किया जा सकता है। वज्रदंती ऐसा पौधा है, जिसकी छाल, पत्तियों, जड़ और फूल सभी का उपयोग काढ़ा या चूर्ण बनाकर किया जाता है। यह हर रूप में असरदार माना जाता है।

घबराहट और तनाव कम करें

तनाव हमारे आधुनिक जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है, जिसे दूर करना बेहद जरूरी है। इसे दूर करने के लिए आप वज्रदंती का सहारा ले सकते हैं। वज्रदंती की पत्तियों में पाए जाने वाला हाइड्रॉक्सीफ्लेवॉन नामक कैमिकल आपको चिंता और घबराहट से लड़ने में आपकी मदद करता है।

दांतों में मददगार

वज्रदंती को दांतों की सेहत का ख्याल रखने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। कई कंपनियां वज्रदंती को दातों के मंजन बनाने के लिए भी इस्तेमाल करती हैं। आपने इससे बने मंजन के बारे में जरूर सुना होगा। वज्रदंती से बना चूर्ण या इससे बना मंजन आपके दांतों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होता है।

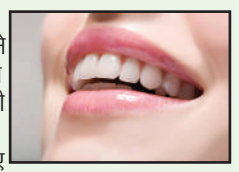

इसमें मौजूद एंटी डॉन्टालजिक गुण आपके दांतों में हो रही सड़न, मसूड़ों की सड़न और दांत से आ रहे खून को रोकने में बेहद कामगर साबित होते हैं। वज्रदंती की पत्तियों को पीसकर अपने दांतों पर रगड़ा जाए तो यह दांत का दर्द दूर करने के साथ-साथ दांत की चमक बरकरार रखने में भी मददगार होता है।

गठिया में लाभप्रद

आर्थराइटिस जोड़ों में होने वाली एक जटिल समस्या है, जिसे आम भाषा में गठिया के नाम से भी जाना जाता है। इस समस्या में जोड़ों में अकड़न पैदा होने लगती है और असहनीय दर्द होता है। इसे दूर करने के लिए वज्रदंती एक बेहतर विकल्प है। वज्रदंती में एंटी आर्थराइटिक क्षमता होती है, जो गठिया के दर्द से आपको राहत दिलाता है। यही नहीं इसमें मौजूद क्लोरोफॉर्म और मेथानॉल आपके आर्थराइटिस को नियंत्रित रखने की क्षमता रखते हैं। माना जाता है कि आर्थराइटिस में मरीजों को इसके चूर्ण का सेवन करना चाहिए। यह आपकी शरीर में हो रही मस्कुलर स्वैलिंग को भी कम करते हैं।

बालों के विकास में लाभदायक

बालों का झड़ना आजकल आम बात है। दिन में कुछ बालों का टूटना तो एक सामान्य स्थिति है, लेकिन दिनभर में एक साथ कई बालों का टूटना एलोपेशिया का संकेत है। माना जाता है कि वज्रदंती एलोपेशिया को काबू करता है। इससे आपके टूटते बाल रुककर सामान्य स्थिति में आ सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि शीशम के तेल में भी वज्रदंती के अंश का इस्तेमाल किया जाता है, जो बालों के विकास में आपकी मदद करते हैं।

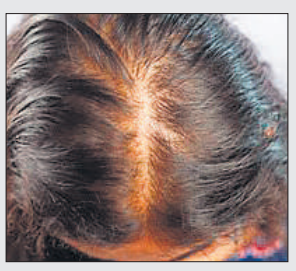

पेट के लिए फायदेमंद

वज्रदंती की पत्तियों में पाए जाने वाले गुण आपके पेट संबंधी विकारों के लिए काफी कारगर साबित होते हैं। कई लोग इसे बवासीर जैसे रोगों को ठीक करने के लिए भी इस्तेमाल करते हैं, जो आपके पेट में हो रही जलन और दर्द में राहत पहुंचाते हैं। यही नहीं यह शरीर में होने वाली सूजन और आंत संबंधी विकारों में भी यह काफी मददगार है।

किडनी स्टोन दूर करें

वज्रदंती का उपयोग आपकी किडनी के लिए भी लाभदायक है। यह आपके शरीर में पानी की कमी को दूर करने में मदद करता है। शरीर में पानी की आपूर्ति होने से आपको बार-बार पेशाब आएगा और प्राकृतिक रूप से किडनी में बनी पथरी आसानी से निकलने में समर्थ हो जाती है। ये जानकारी के लिए है, वज्रदंती का सेवन किसी आयुर्वेदिक डॉ. की सलाह से ही करें।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष — यह सप्ताह पूरी तरह से अनुकूल रहने वाला है। आपको सुख, सौभाग्य और स्वजनों से सभी प्रकार का सहयोग प्राप्त होगा। आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे, जिससे आपके भीतर एक अलग ही उत्साह और उर्जा देखने को मिलेगी।

वृष — इस सप्ताह मनचाही सफलता पाने के लिए अपने काम को समय पर और बहुत सूझ-बूझ के साथ करने की जरूरत रहेगी, क्योंकि आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपको स्वजनों और शुभचिंतकों की समय पर मदद नहीं मिल पाएगी।

मिथुन — यह सप्ताह आपाधापी से भरा रह सकता है। इस सप्ताह आपको अपने सोचे हुए कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में कार्य की अधिकता के चलते और खराब जीवनशैली के चलते आपकी सेहत प्रभावित हो सकती है।

कर्क — यह सप्ताह बेहद अनुकूल रहने वाला है। आप पर किस्मत मेहरबान नजर आएगी। नौकरीपेशा लोगों की मनचाही जगह पर तबादले या फिर मनचाहे प्रमोशन की कामना पूरी हो सकती है। इस सप्ताह कार्यक्षेत्र पर आपके उच्चाधिकारी आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेंगे।

सिंह — यह सप्ताह बेहद शुभ रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत से ही आपका अधिकांश समय स्वजनों एवं मित्रों के साथ मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। सप्ताह की शुरुआत में किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है।

कन्या — यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। करियर-कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी। यदि आप लंबे समय से किसी काम की शुरुआत करने की योजना बना रहे थे, तो आपकी यह योजना शुभचिंतकों और परिजनों के सहयोग से पूरी हो जाएगी।

तुला — यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में व्यवसाय से जुड़े लोगों को आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखने की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी, क्योंकि इस दौरान इन दोनों के कारण ही आपके काम बनेंगे या बिगड़ेंगे।

वृश्चिक — यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। नतीजतन आपको इस सप्ताह करियर-कारोबार में अप्रत्याशित सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह की शुरुआत से ही सोचे हुए कार्य मनमुताबिक होते हुए नजर आएंगे। यदि आप अविवाहित हैं, तो आपका विवाह तय हो सकता है।

धनु — इस सप्ताह किसी भी काम का बीड़ा उठाते समय खूब सोच-विचार करने की जरूरत रहेगी अन्यथा उसके अधूरे अथवा असफल हो जाने पर आपकी छवि पर दाग लग सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में उन लोगों से विशेष रूप से सावधान रहने की जरूरत रहेगी, जो अक्सर आपका काम बिगाड़ने की जुगत लगाते रहते हैं।

मकर — यह सप्ताह मिलाजुला साबित होने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपके सामने कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं, जिनके कारण आपका बजट गड़बड़ा सकता है। इस सप्ताह आर्थिक और मानसिक परेशानियों से बचने के लिए धन एवं ऊर्जा का प्रबंधन करके चलें। सप्ताह के पूर्वार्ध में किसी अनजान भय को लेकर आपका मन चिंतित रहेगा।

कुंभ — यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ और सभी कार्यों में सफलता दिलाने वाला साबित होगा। किसी मित्र अथवा व्यक्ति विशेष की मदद से आपका लंबे समय से अटका काम पूरा होगा। इस सप्ताह आपको स्वजनों से सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होगी। सभी कार्य समय पर और मन मुताबिक होने पर आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मीन — यह सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले कहीं ज्यादा शुभ और लाभप्रद साबित होगा। यदि आप बीते कुछ समय से किसी रोग या बीमारी के चलते शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे, तो आपको इस सप्ताह उसमें काफी सुधार देखने को मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 37

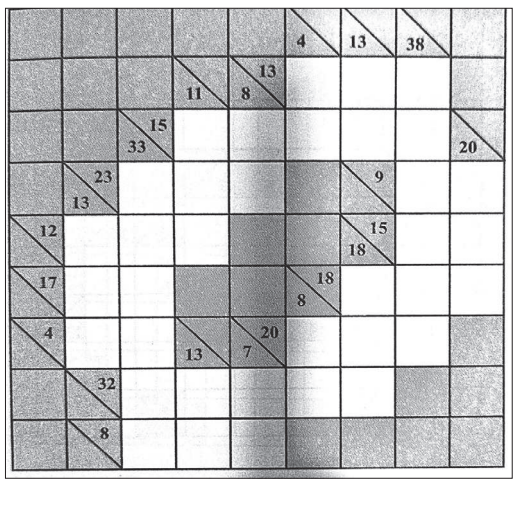

काकुरो 36 का हल

		8	6		37	14		
	3	2	1	4/38	1	3		
	35	6	5	7	8	9	14	4
			21	1	6	2	9	3
	4	8	13	6	7	6	5	1
4	1	3	10/14	8	2			
15	3	5	1	2	4	10	16	
		35	6	5	9	8	7	
		16	7	9	11	2	9	

अमृत विचार

शब्द संसार

रविवार, 14 दिसंबर 2025 www.amritvichar.com

कहानी

गलती से मिली सीख

बात है सन् 1998 की और दीपावली का महीना। ग्यारह साल का शिवम सुबह-सुबह नहा-धोकर स्कूल के लिए तैयार हो रहा था। अचानक उसकी नजर अलमारी के पास पड़े पांच रुपये के सिक्के पर पड़ी। एक बार तो उसने अनदेखा सा कर दिया, लेकिन तभी उसके दिमाग में दोस्तों द्वारा तारीफें किए जाने वाले चित्र घूमने लगे। तारीफों में शिवम स्कूल में पटाखे लेकर पहुंचा था और यह देखकर उसके दोस्तों ने उसकी खूब वाहवाही की। इसी सोच ने शिवम को अलमारी से पांच रुपये उठाने के लिए मजबूर कर दिया।

शिवम चुपचाप घर से निकला और स्कूल जाते समय एक दुकान पर रुका। दुकान में पटाखों के साथ-साथ अन्य सामान भी सजाया हुआ था। शिवम ने दुकानदार को पांच रुपये देते हुए कहा कि एक हवाई, एक अनार और कुछ अन्य पटाखे लिफाफे में डाल दो। उस समय पांच रुपये में कम से कम पांच किस्म के पटाखे तो आ ही जाते थे। दुकानदार ने भी एक छोटा लिफाफा पटाखों से भरकर शिवम को दे दिया। पटाखे लेते हुए शिवम को पड़ोस के एक अंकल ने देख लिया। स्कूल ड्रेस में शिवम को पटाखे लेते देख अंकल ने हैरत भरे लहजे से पूछा, शिवम अभी तो स्कूल टाइम है, तो यह पटाखे लेकर कहां जा रहे हो? शिवम ने तुरंत उत्तर देते हुए कहा, "अंकल जी, यह मैंने घर के लिए खरीदे हैं। स्कूल की छुट्टी होने के बाद यहां बहुत रश होता है इसलिए अभी ही खरीद लिए।" शिवम ने इसके अलावा ज्यादा कुछ नहीं कहा और तुरंत वहां से निकल गया। स्कूल के रास्ते वह यही सोचता रहा कि यदि अंकल ने घर में माता-पिता को बताया तो मुझे बहुत मार पड़ेगी। शिवम घबरा गया, लेकिन स्कूल पहुंचते ही अपने दोस्तों के संग ऐसा मस्त हो गया मानो उसको और कुछ ध्यान ही न रहा हो।

शिवालिक अवस्थी
युवा लेखक

जैसा दृश्य शिवम ने सुबह तैयार होते हुए देखा था, पूरा वैसा दृश्य उसके सामने घटित हुआ।

शिवम के सभी दोस्तों ने शिवम के लाए हुए पटाखों को देखकर खूब वाहवाही की। एक-दो दोस्तों ने स्कूल के समय पर ही शिवम से पटाखों की मांग की, लेकिन शिवम ने स्कूल की छुट्टी होने तक का इंतजार करने को कहा। जैसे ही स्कूल की छुट्टी हुई, शिवम अपने दोस्तों के साथ पटाखे चलाने में मस्त हो गया। पटाखे चलाने के बाद सभी अपने-अपने घर को जाने लगे। अब शिवम को सुबह अंकल वाला वाक्या याद आने लगा। घर कैसे जाऊं? अंकल ने तो घर में सारी बात बता दी होगी। अब घर में पिटाई होगी। इस घटना से अब बचूं कैसे? ऐसे कई प्रश्न शिवम के दिमाग में घूमने लगे थे। सिर पर प्रश्नों का बोझ लिए शिवम घर पहुंच गया। घर पहुंचते ही उसे सब कुछ सामान्य सा प्रतीत हुआ। शिवम ने भी स्थिति भांप ली और चुपचाप अपनी मां के पास जाकर बैठ गया। शिवम ने सोचा कि सब कुछ ठीक है और अंकल ने घर में कुछ नहीं बताया है। यदि बताया होता, तो मां से डांट जरूर पड़ती। शिवम ने सब कुछ भूल जाने का सोचा। कुछ देर आराम करने के बाद वह खेलने चला गया। शाम होते ही वापस घर के अंदर आ गया। अब घर पर उसके पिता भी आ चुके थे। न जाने उसे क्यों ऐसा लग रहा था कि उसके पिता बस अभी पटाखों के संदर्भ में उससे कुछ पूछेंगे। अंकल ने कम से कम उसके पिता को तो जरूर बताया होगा, लेकिन शिवम के पिता का मूड आज ठीक था। शिवम के पिता ने मुस्कुराते हुए शिवम से उसकी पढ़ाई के विषय में पूछा। शिवम ने झट से अपने पिता के प्रश्न का उत्तर दिया।

थोड़ी देर बाद शिवम समझ चुका था कि सब कुछ ठीक है और अब उसे कोई खतरा नहीं है। रात होते ही शिवम की मां ने शिवम को खाना खाने के लिए आवाज दी। सभी ने साथ मिलकर खाना खाया। शिवम की मां बड़े प्यार से शिवम को खाना खिला रही थी। यह सब देख शिवम के पिता भी खुश हो रहे थे। शिवम अपने मां-बाप की आंखों में उसके प्रति प्रेम देख कर भावविभोर हो उठा। न जाने शिवम के मन में क्या भाव आया और आज की घटना को उसने अपने माता-पिता से बताने का निश्चय कर लिया। खाना खाने के तुरंत बाद उसने अपने पिता को अकेले देख उनसे डरते हुए कहा, पिता जी, वो दरअसल... हां हां शिवम बोलो क्या बात है? शिवम के पिता ने कहा। शिवम ने दबे स्वर में कहा कि "पिताजी आज मैंने अलमारी से पांच रुपये उठाए थे, जिनसे मैंने पटाखे लिए और पटाखे लेकर स्कूल चला गया।" यह सुनकर, शिवम के पिता को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने शिवम को एक जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। थप्पड़ की आवाज सुनते ही शिवम की मां भी वहां आ पहुंची। शिवम की चोरी करने वाली बात ने उसकी मां को भी बहुत दुख पहुंचाया। बात पांच रुपये की नहीं थी, बात थी तो चोरी की और आत्मसम्मान की।

शिवम जानता था कि यह बात बताने के बाद शिवम की बहुत पिटाई की जाएगी। शिवम सोच रहा था कि आज नहीं तो कल उसके अंकल भी घर में बता ही देंगे। शिवम के अंकल घर में बताते या न बताते, लेकिन शिवम अपने मन में बोझ सहन नहीं कर पा रहा था। अब बोझ या तो उसके स्वयं के विचारों से उतपन्न हुआ था या उसे अंकल से डर लग रहा था, यह तो शिवम ही जानता था, लेकिन अंजाम जानते हुए भी शिवम ने अपने माता-पिता को सब बता दिया। बेशक उम्र छोटी थी, लेकिन उस दिन शिवम को समझ आ चुका था कि अव्यवहारिक अथवा अनैतिक कार्यों को करने से शांति कभी प्राप्त नहीं हो सकती। घर में पता न चले इस बात की कोशिश शिवम ने भरपूर की, लेकिन अंततः माता-पिता के प्रेम ने ही शिवम की आंखें खोल दीं। उस दिन के बाद शिवम ने कोई चीज नहीं चुराई और अपने माता-पिता पर बनाया हुआ भरोसा कायम रखा।

कुछ अलग

आविष्कार जब शांति भंग करें

मनुष्य का दुर्भाग्य यह है कि जो सोचता है, उसे जी नहीं पाता। चेतना का अभियान पशुता से देवत्व की ओर है। आदमी पशु और देवता के बीच की कड़ी बनकर ठहरा हुआ है। मन से मनुष्य कभी-कभी देवता से भी आगे बढ़ जाता है। किंतु उसके शरीर में पाश्विक वृत्तियां अब भी भरी हुई हैं। मनुष्य की वास्तविक उन्नति तब होगी, जब बौद्धिक उन्नति के साथ उसके चरित्र की भी उन्नति हो। जिस सभ्यता में हम जी रहे हैं, उसका भी अभिशाप यही है कि उसका बुद्धि पक्ष जितना अधिक विकास पा गया है, उसके हृदय-पक्ष का उतना विकास नहीं हो पाया है। कहना तो यह चाहिए कि उसके इस सभ्यता में बुद्धि का जितना ही विकास होता है, हृदय का जल उतना ही कम होता जाता है। नगरों की जितनी बढ़ती होती है, ग्राम उतने ही अपेक्षित होते जाते हैं। होना यह चाहिए कि मनुष्य की मानसिक शक्तियां उसके हार्दिक गुणों दया, त्याग, परोपकार के अधीन रहें।

रानी प्रियंका वल्लरी
लेखिका

अधिक आवश्यक क्या है? मनुष्य का ज्ञान अथवा उसके आचरण में सुधार? आदमी का ज्यादा जानना या उसका भली जिंदगी बसर करना? कोरे ज्ञान की निंदा करते हुए महात्मा कबीर कहते हैं, 'पंडित से गदहा भला' जिन आविष्कारों से मनुष्य की शांति खतरे में पड़ती है, वे आविष्कार बुद्धि की आतिशबाजी के खेल हैं, उससे मनुष्य के गौरव में वृद्धि नहीं होती। अतः ऐसे आविष्कार को त्याग ही देना चाहिए।

कविता/गीत

टच में नहीं कोई

टच स्क्रीन के दौर में, टच में नहीं है कोई। आंखें हैं ड्राई सपने हवाई, फीलिंग भी खोई-खोई।

ऐसा, आएगा दौर सयाना। बातें तो हो रही हैं, सम्मुख नहीं है कोई, टच स्क्रीन के दौर में, टच में नहीं है कोई।

स्क्रीन पर दिखते हजारों, वक्त पर न आए कोई। अपनों से दूर गैरों के पास, गैजेट्स ही बन रहें हैं खास

भ्रम की ये बेल तुमने, क्यों कर है यार बोई। लाइक्स कमेंट तो हैं, पर टच में नहीं है कोई।

चुपचाप फोन लेकर, चेटिंग में मस्त जमाना। सोचा न था कि

नरेन्द्र सिंह 'नीहार'
साहित्यकार

डरा हुआ आदमी

डरा हुआ एक आदमी छड़ी लेकर खड़ा है बीच बाजार गाहे-बगाहे धमका रहा है सभी को हर आने जाने वाले को दिखा रहा है आंखें उन्हें, जो फूटी आंखों नहीं सुहाते हैं उसे खेत, खलिहान, फसल और फैसले सब कुछ बेच देना चाहता है वह पत्थर भी, पत्थर के भीतर का पानी भी पानी की आस्था और श्रद्धा तो बेच चुका पहले ही बेच चुका मित्रवत मित्रों को अब वह बेचता है वे वस्तुएं तमाम-तमाम बेचारे गुमशुदा विचारों की तरह जिनके भीतर रहती थी कभी कुछ ओस और अब आशय आत्मसमर्पण संपूर्ण डरता है, बहुत-बहुत डरता है अकेले में और बदल-बदल मुद्राएं हंसता है डरा हुआ एक आदमी।

राजकुमार कुंभज
कवि

सपनों की उड़ान

मैं आई हूं अपना सपना लेकर, उम्मीदों की चाहत को लेकर, कुछ तो करना है अब मुझे भी, तोड़कर हर रूढ़िवादी बेड़ियों को, आगे बढ़ते जाना है मुझे भी, परिवार की एक उम्मीद बनकर, अपने सपनों को पूरा करना है, सुनो! मुझे भी डॉक्टर बनना है, ये मेरी चाहत और मेरा सपना है, करूंगी मैं एक दिन अपना सपना पूरा, बनूं मैं उम्मीद की किरण और सहारा, आंखों में कुछ सपने और हौंसला है, सपनों की उड़ान और मंजिल को पाना है।।

शिवानी
नवोदित कवयित्री

नारी वही सुजान

देह प्रदर्शन होड़ में, भौंडा पहन लिबास छोड़ संस्कृति लाज को, तोड़ रही विश्वास तजि मर्यादा नारि की, करती मदिरा पान किटी पार्टी जुआ को, समझें अपनी शान लांघ देहरी लाज की, ठोकर पर रख ताज बिना विचारे कर रही, दिन प्रतिदिन प्रतिघात संतति की दुश्मन बनी, हुई सृष्टि विपरीत करूणा, ममता अरु हया, तजी रीति अरु प्रीति ये सब गहना नारि के, जाने सकल जहान पत राखे जो आन की, नारी वही सुजान।

प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव
गोण्डा

लघुकथा

तुमसे ही शुरू कहानी है

उस दिन शहर में हल्की-सी बारिश हो रही थी। बादल इतने नीचे थे कि लगता था, हाथ बढ़ाओ तो उंगलियों से छू लोगे। सड़कें गीली थीं, पेड़ों की पत्तियों से पानी टपक रहा था और हवा में गीली मिट्टी की वह खुशबू थी, जो हर दिल में कोई पुरानी याद जगाती है। मैं छतरी लिए सड़क पार करने ही वाली थी कि अचानक तुम सामने आ गए-जैसे भीड़ भरे शहर में किसी ने मेरी धड़कनों का नाम लेकर मुझे पुकारा हो। तुम मुस्कुराए, एक साधारण-सी मुस्कान, पर मेरे भीतर कुछ असाधारण घट गया था। यही वह पल था जब मन ने कहा, "तुमसे ही शुरू कहानी।"

निरुपमा सिंह
बिजनौर

हां! याद आया वो पल, जब हम पहली बार मिले थे। हमारी पहली बातचीत बहुत ही छोटी थी, पर खूबसूरत थी। "बारिश कितनी तेज है, है न?" और मैंने हंसकर कहा, "हां, पर कुछ चीजें इस मौसम में और भी सुंदर हो जाती हैं।" तुमने पलभर को नजरें झुका लीं, पर मैंने देख लिया था- तुम्हारी पलकें भीग गई थीं, बारिश से नहीं, उस एहसास से, जो अचानक हम दोनों को घेर रहा था। धीरे-धीरे बढ़ते मौसम का मिजाज और तुम्हारा मौन बहुत कुछ अनकहा सा कह गया था। इसके बाद तुम शहर के हर मोड़ पर दिखाई देने लगे- कभी पुस्तकालय में, कभी चाय की दुकान पर, कभी अचानक किसी पुराने गीत की तरह मेरे मन में बजने लगे थे। हम बातें करते रहे-धीरे-धीरे, संकोच से, लेकिन भीतर कोई नामहीन विश्वास उगने लगा था। तुम अपना हर दिन मेरे साथ थोड़ा बांटते थे और मैं अपनी हर शाम तुम्हारी जगह थोड़ा और बढ़ा देती थी। मन का आंतरिक स्वीकार फिर एक दिन तुमने कहा- "तुम्हारे साथ चलते-चलते जिंदगी आसान लगने लगी है।" "और मेरे बिना?" तुम हल्का-सा मुस्कुराए, "फिर वही पुराना अकेलापन, जो बारिश होते ही भीतर टपकने लगता है।" उस पल मैंने जाना-प्रेम कोई घोषणा नहीं, प्रेम वह सुरक्षा है, जहां कोई अपने डर भी रख सके और अपनी हंसी भी। पहली दूरी, पहला डर, पर कहानी सरल नहीं होती। एक दिन तुम अचानक कम मिलने लगे। कॉल्स छोटे, संदेश धीमे, और आवाज में वह चमक नहीं थी, जिसने मेरी दुनिया रोशन की थी। मैंने एक शाम पूछा-"क्या हुआ?" तुमने एक ठंडा सा उत्तर दिया- "कभी-कभी जो बहुत जरूरी हो, उससे ही हमें बहुत दूर जाना पड़ता है ताकि वह खो न जाए।" मैं उस वाक्य का अर्थ कई दिनों तक समझ नहीं पाई थी, लेकिन प्रेम यही तो है- कभी किसी के भीतर चल रहे युद्ध को समझने का नाम। सच्चाई का उजाला कुछ समय बाद तुमने सच बताया, तुम्हारी जिंदगी में जिम्मेदारियां बढ़ गई थीं। परिवार, काम, भविष्य-सब तुमसे उत्तर चाहते थे और तुम एक ही समय में हर दिशा में दौड़ रहे थे। मैंने तुम्हारा हाथ पकड़ा- "तुम जहां थकते हो, वहीं से मैं शुरू हो जाती हूं।" तुम हंसे, पर आंखों में हल्की नमी थी। उसी नमी में प्रेम का पूरा आकाश चमक रहा था। रुआंसी होकर मैंने कहा था कि फिर से लौटना..! मैं प्रतिक्षा करुंगी! आजीवन! धीरे-धीरे तुम फिर उसी मुस्कुराहट वाले हो गए, जिसने बारिश वाली सुबह मेरी कहानी शुरू की थी। हमने साथ चाय पी, साथ गलियां घूमीं, साथ ही में वो सपने देखे। एक दिन तुमने कहा- "तुम्हें पता है? कहानियां किसी से शुरू होती हैं, पर किसी पर खत्म नहीं। वे बस चलते रहती हैं जैसे हमारा यह साथ।"

मैंने मुस्कुराकर उत्तर दिया- "कहानी चाहे जहां जाए, पर इसकी शुरुआत तुम ही रहोगे।" आज भी जब बारिश होती है, मैं खिड़की पर बैठकर तुम्हें याद करती हूं। हर बूंद मुझे उस दिन की याद दिलाती है, जब जिंदगी ने मेरे नाम का पहला अक्षर तुम्हारी आंखों में लिखा था। कहानी अब भी चल रही है। नए अध्याय, नए मोड़, नए सपने-पर शीर्षक वही है-"तुमसे ही शुरू कहानी।"

समीक्षा

विज्ञान के झरोखे से

बाल-साहित्य के समकालीन रचनाकारों में चर्चित रचनाकार शिखरचंद जैन उन रचनाकारों में हैं, जिनकी रचनाओं में बच्चों का वर्तमान हृदय बनकर धड़कता है। वे प्रायः अपने समकाल से नए-नए विषय चुनते हैं, उनके विषय में प्रामाणिक जानकारी और तथ्य जुटाते हैं फिर उन्हें इस भांति गढ़ते हैं कि वे बच्चों की समझ की मुट्ठी से फिसलें नहीं और अनजाने ही उन मुट्ठियों का फैलाव और क्षमता भी अपनी चरमसीमा तक विकसित होता रहे।

ऐसा करके वे रच देते हैं कई बाल कहानियां। कहानियां जो भीड़ में रहकर भी बच्चों का ध्यान खींच लेती हैं। यही रचनाओं की सफलता का बड़ा प्रमाण भी है कि आज का बच्चा उन्हें ढोता नहीं, खिलौनों की तरह उठाता है। ऐसा होते हुए भी ये केवल मनोरंजन नहीं देती, इनमें भरी होती हैं नई जानकारियां। वह भी ऐसे कि उन्हें रटना न पड़े, याद न रखना पड़े, बल्कि वे स्वयं ही याद रह जाएं। प्रस्तुत कृति में ऐसी सत्ताईस बाल कहानियां हैं। ये आज की कहानियां हैं, जिनमें जादू-टोना, परी, जिन्न, जादूगर नहीं है। रहस्य है, पर विज्ञान के झरोखे से आकाश ताकता। इस संकलन में सम्मिलित 'कीचड़ में तितली', 'फूलों के जिगरी दोस्त', 'इन्द्रधनुष के भाई' जैसी कहानियां चिरपरिचित घटनाओं और दृश्यों के कुछ अनदेखे पक्ष उद्घाटित करती हैं। इनकी कहानियों में विज्ञान चेतना नास्तिक नहीं बनाती वह सामाजिकता का पोषण करती हैं जीवन, समाज और परिवेश के प्रति आस्तिक बनाती हैं। इससे बाल पाठकों की पूरी एकाग्र ऊर्जा कहानी के विषय को आत्मसात करने लगती है। ये कहानियां संवादबहुल नहीं, सूचना समृद्ध हैं। कल्पनातत्व का अतिरेक नहीं है और भावुकता का अतिशय योग भी इनमें नहीं हैं। इन लक्षणों के कारण ये समकालीन सामान्य बालकथाओं से अलग दिखाई देती हैं। साहित्यदेवता उनके इस श्रम को नित्य नवीन उत्कृष्टता प्रदान करें और वे बाल-साहित्य का कोश अपनी रचना रत्नावलियों से चिरकाल तक भरते रहें यही आकांक्षा है।

पुस्तक : बाल सभा पार्क एवं अन्य बाल कहानियां
लेखक : शिखर चंद जैन
प्रकाशक : प्रखर गूंज प्रकाशन, नई दिल्ली
मूल्य : 300 रुपये
समीक्षक-गोपाल माहेश्वरी

व्यंग्य

समाधान

स्वर्गलोक के सिंहासन कक्ष में सुबह की सोने-सी चिलचिलाती किरणें अभी-अभी दीवारों पर बिखरी थीं कि दरवाजा धड़ाम से खुला। बाहर से घुसते हुए गुप्तचरों का दल ऐसा लग रहा था मानो हजार योजन दौड़कर आया हो। उनके चेहरों पर धूल, कपड़ों पर पसीने की रेखाएं और आंखों में चिंता का एक घना बादल तैर रहा था। सबसे आगे वाला गुप्तचर घुटनों के बल बैठ गया और सांसें रोककर बोला- "महाराज, भूलोक से बुरी खबर है। जंगलों के छोटे पौधे, घास-फूस सब सूख रहे हैं। पत्तियां पीली होकर झड़ रही हैं, मानो कोई प्रेतात्मा उनका जीवन रस चूस रही हो। इंद्रदेव को वर्षा के लिए धन आवंटित तो किया था न?"

धर्मराज ने भौंहें चढ़ाईं। उनकी दाढ़ी में चांदी की लकीरें चमक रही थीं और उनके बगल में चित्रगुप्त अपने खड़कते हुए कलम के साथ खड़े थे-जैसे हर शब्द को तुरंत खाते में दर्ज करने को तैयार हों। "हां," धर्मराज ने लंबी सांस भरी, "बीस लाख करोड़ का पैकेज जारी किया था। कुबेर की कुल संपदा का दस फीसदी। इतना धन तो पिछले त्रेता-द्वापर में भी नहीं बरसा होगा।" गुप्तचर के चेहरे पर और गहरी शिकन पड़ी। "तो फिर गड़बड़ी कहां हुई, महाराज?" धर्मराज ने एक हल्की-सी मुस्कान के साथ आदेश दिया, "इंद्रदेव को तलब किया जाए।" अगले ही क्षण दूर कहीं से गड़गड़ाहट सुनाई दी-जैसे बादलों की सेना तलवारें घसीटते हुए महल की ओर बढ़ रही हो। कुछ ही क्षणों में इंद्रदेव का तेजस्वी, परंतु व्याकुल रूप सिंहासन कक्ष में प्रकट हुआ। सफेद वस्त्रों से बिजली की चमक झिलमिला रही थी, मगर चेहरे पर थकान और घबराहट दोनों के चिह्न थे। उनके पीछे-पीछे दस आदमी आए, जिनके सिर पर लोहे के भारी बक्से लदे थे। बक्सों से स्याही और भोजपत्र की मिली-जुली महक आ रही थी-जैसे कोई पुरानी सरकारी लाइब्रेरी धूप में खुल गई हो।

दिवाकर पांडेय चित्रगुप्त
बहराइच

धर्मराज ने आंखें तरेरीं। "इंद्रदेव! मैंने तुम्हें अकेले बुलाया था। ये क्या जुलूस लेकर चले आए?" इंद्रदेव ने शाष्टांग प्रणाम किया। "महाराज की जय हो! मुझे मालूम था कि हिसाब मांगा जाएगा, इसलिए सारा रिकॉर्ड साथ ले आया हूं। ये बक्सों में फाइलें हैं- वर्षा खर्च, सागर देवता से प्राप्त जल की रसीदें, बादलों की एनओसी, यात्रा-भत्ता-सब कुछ।" बक्सों को देख कर धर्मराज थोड़े हैरान हुए। "लेकिन भूलोक में तो पानी नहीं बरस रहा। घास-फूस मर रहा है। हम तुम्हारी फाइलें खाकर बरसात लाएं क्या?" इंद्रदेव ने गहरी शर्म के साथ सिर झुकाया। "महाराज, मेरा काम पानी बरसाना था। वो मैंने किया है। यदि कोई गड़बड़ी पाई जाए, मैं सजा के लिए प्रस्तुत हूं।" धर्मराज ने चित्रगुप्त की ओर देखा। चित्रगुप्त ने अपने अभिलेखों की पन्नियां पलटते हुए कहा- "जांच करवाते हैं, महाराज।" चारों दिशाओं में गुप्तचर भेज दिए गए। दो दिन बाद-पहले गुप्तचर की हालत ऐसी थी मानो वह बादलों के पीछे-पीछे ही दौड़कर आया हो। "धरती के लोग कहते हैं-बादल गरजते बहुत हैं, बरसते कम। कई बार तो बस घूमकर निकल जाते हैं। किसान आसमान की तरफ देखते रह जाते हैं, पर बूंद नहीं गिरती।" दूसरा गुप्तचर दौड़ते हुए पहुंचा। "सागर देवता का कहना है- इंद्रदेव एक लीटर पानी लेते हैं और सौ लीटर की रसीद बनवाते हैं। बदले में हीरे-मोती बांटते हैं, जो बादल पानी लेकर आते भी हैं, पहले बैकुंठ में बरसते हैं-भूलोक को बचा-खुचा मिलता है।"

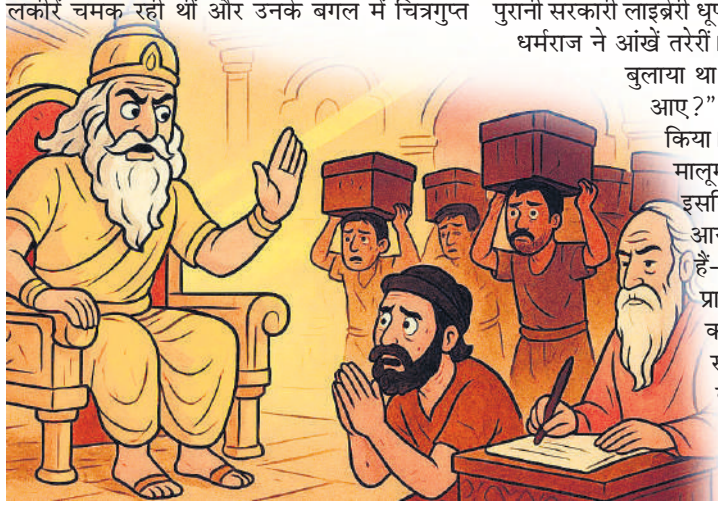

तीसरा कुछ कहता, उससे पहले चौथा गुप्तचर लुढ़कते हुए आया- "जंगलों में बड़े पेड़-पीपल, बरगद, पाकड़-अपनी पत्तियों को नुकीला कर लेते हैं, सारा पानी खुद सोख लेते हैं। छोटे पौधों तक एक बूंद नहीं पहुंचती। उनकी जड़ें हवा में टंगी हुई हैं- जैसे कोई बच्चा मां की गोद तलाशता हो।" सिंहासन कक्ष में सन्नाटा छा गया। फाइलों की बरसात धर्मराज ने आदेश किया- "बक्से खोलो।" पहला बक्सा खुला- बादल देवता के ट्रेवल अलाउंस की रसीदें। "बादल संख्या 108-हिमालय से कन्याकुमारी-दूरीः 3000 योजन-किरायाः 500 स्वर्ण मुद्राएं।"

दूसरा-सागर देवता की रसीदें। "100 लीटर जल दिया-बदले में 1 मोती (5 रत्ती)।"

तीसरा, चौथा, पांचवां-हर जगह सालाना ऑडिट का ठप्पा। रिजर्व बैंक ऑफ बैकुंठ के गवर्नर के हस्ताक्षर। चित्रगुप्त ने घोषणा की- "कागज बिल्कुल सही हैं, महाराज।" धर्मराज ने थककर पूछा, "लेकिन भूलोक में पानी क्यों नहीं?" चित्रगुप्त ने दाढ़ी खुजलाई। "महाराज, समस्या फाइलों में नहीं, प्रजा में है। उन्हें पता नहीं कि उनके लिए कितना खर्च हुआ है। प्रजा को योजनाओं की जानकारी दी जाए-प्रेस कॉन्फ्रेंस होनी चाहिए। ग्राफ, चार्ट, पावरप्वाइंट।" धर्मराज खिलखिलाए। "ठीक है-प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी।" तीन दिन बाद स्वर्ग की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस स्वर्ग का विशाल सभागार। सोने का मंच। हजारों देवता, अप्सराएं, गंधर्व। इंद्रदेव माइक थामे खड़े थे। उनके पीछे विशाल स्क्रीन पर स्लाइड्स चमक रहीं थीं-

स्लाइड 1: वर्षा पैकेज-20 लाख करोड़ स्लाइड, 2: पानी का स्रोत-सागर देवता (100 प्रतिशत प्रमाणित), स्लाइड 3: बादलों की यात्रा- 5000 योजन प्रतिदिन, स्लाइड 4: एनओसी-सभी बादलों से संलग्न इंद्रदेव गर्व से बोले-"देखिए! एक-एक बूंद का हिसाब है। हीरे-मोती? वो प्रोत्साहन राशि है। बैकुंठ में बारिश? वो प्राथमिकता!"

भूलोक के किसान लाइव देख रहे थे। एक किसान चिल्लाया- "हमें पानी चाहिए, रसीदें नहीं!" पर उसकी आवाज स्वर्ग तक नहीं पहुंची। प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म हुई। इंद्रदेव खुश होकर बोले- "महाराज, सब शांत हो गया।" धर्मराज ने खिड़की से बाहर झांका-भूलोक पर धूल उड़ी थी। घास सूखी थी। कुछ भी शांत नहीं था। चित्रगुप्त ने धीमे से कहा- "महाराज, प्रजा को रसीदें नहीं, पानी चाहिए।" धर्मराज ने गहरी सांस ली- "शायद।" अगले दिन स्वर्गलोक में नया आदेश जारी हुआ- "सही काम न करने के कारण पुराने कर्मचारियों और पूरी ब्यूरोक्रेसी को तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया जाता है।" और उसी के नीचे छोटा-सा नोट- "नए टेंडर में धर्मराज के बेरोजगार संबंधियों को सभी विभाग सौंपे जाते हैं।" अंत में चित्रगुप्त ने कलम चलाते हुए टिप्पणी लिख दी- "सत्ता का सबसे सरल समाधान यही है, मेवा खाए तो अपना खाए, कोई गैर क्यों खाए?"

विवाह परंपरा, आधुनिकता और नारी गरिमा का संतुलन

यह दौर वैचारिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संक्रमण का है, जहां पारंपरिक संस्थाएं नए प्रश्नों और चुनौतियों के सामने खड़ी हैं। इन्हीं चुनौतियों के केंद्र में है विवाह संस्था, जिसे लेकर आज बहसें तेज हो उठी हैं। एक ओर बदलाव की अनिवार्यता है, तो दूसरी ओर उन मूल्यों की रक्षा का आग्रह, जिन पर समाज की संरचना खड़ी है। स्त्री-पुरुष संबंधों, स्वतंत्रता, समानता और अधिकारों की नई व्याख्याएं सामने आ रही हैं, पर इनके बीच एक वर्ग ऐसा भी है, जो परंपरागत मान्यताओं को खारिज करते हुए विवाह जैसी संस्था पर सीधे प्रहार करने को ही समाधान मान रहा है। यह दृष्टि न केवल सामाजिक समरसता को चुनौती देती है, बल्कि परिवार, संबंध, उत्तरदायित्व और सांस्कृतिक धुरी को भी हिलाती है। समय के साथ विवाह संस्था में कई खामियां पैदा हुई हैं, जिनका मुख्य भार स्त्रियों ने उठाया है, लेकिन समाधान संस्था को तोड़ने में नहीं, बल्कि उसके सुधार में निहित है। शिक्षा, समानता, सुरक्षा, भागीदारी और गरिमा-ये वे स्तंभ हैं, जिन पर विवाह और परिवार की नई, स्वस्थ संरचना खड़ी हो सकती है। अत : आवश्यकता प्रहार की नहीं, बल्कि एक ऐसे संवेदनशील सुधार-विचार की है, जो समाज, संस्कृति और मानवीय भावनाओं को साथ लेकर चले।

वर्तमान दौर परिवर्तन और उथल-पुथल का दौर है। इस परिवर्तित दौर में हमारे मूल्यों, मान्यताओं, संवेदनाओं और अनुभूतियों में तेजी से बदलाव हो रहा है। बदलाव में तारतम्यता, बोध और लयबद्धता से इतर बिखराव और भटकाव की प्रकृति अधिक दिखाई देती है और इस बिखराव व भटकाव को समाज का एक वर्ग भरपूर आश्रय दे रहा है।

चिरकाल से हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था प्रेम, विवाह, सहयोग, शुचिता के जिन आधार स्तंभों पर टिकी हुई है। एकाएक उनसे विद्रोह और विमुखता के स्वर एक वर्ग से उठने लगे हैं। पाश्चात्य मानकों और संस्कृति में रंगा यह वर्ग, विवाह और परिवार जैसी संस्थाओं को स्त्री की स्वतंत्रता, समानता और कैरियर मे ऊंची उड़ान के दृष्टिकोण से अनुपयुक्त मानते हुए हर मंच से अपनी आवाज बुलंद कर सहचर्य के आधुनिक रूप लिव-इन-रिलेशनशिप, यौन संबंधों में खुलापन, अश्लील आंदोलन जहां वस्त्रों के साथ भी निर्वस्त्र होने की कल्पना को तन पर स्वयं के अधिकार और स्वतंत्रता के नाम पर खुलेआम परोस रहे हैं।

बीना नयाल
स्वतंत्र लेखिका

यह दौर सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के संक्रमण का दौर है, जहां आधिकाधिक स्वतंत्रता और अधिकारों का सामाजिक मान्यताओं, नैतिकता और स्त्री पुरुष के वैवाहिक संबंधों से सीधा टकराव हो रहा है और इस नवीन परिदृश्य में राज्य और न्यायकारी संस्थाओं द्वारा न्याय, नैतिकता और उत्तरदायित्व की समस्याओं के समाधान के रूप में लिव- इन-रिलेशनशिप, विवाह पूर्ण यौन आचरण की वैधता के संदर्भ में नए-नए कानून निर्मित करने की विवशता भी है। जब कोई संस्था या सामाजिक व्यवस्था बनाई जाती है और उसके इर्द-गिर्द नियमों और मूल्यों का ताना-बाना बुना जाता है, तो उसका उद्देश्य वर्तमान और भविष्य की बेहतरी ही होता है, परंतु समय के साथ व्यवस्था में खामियों के फलस्वरूप व्यवस्था के प्रति असंतोष और अविश्वास जैसे तत्व भी अपनी जगह बनाने लगते हैं, जो विवाह रूपी सामाजिक व्यवस्था में स्त्रियों के साथ हुआ।

संबंध की जो कल्पना और सामाजिक सांस्कृतिक विकास की जो भावना इस संस्था के माध्यम से की गई थी, वह पितृसत्तात्मक व्यवस्था की पोषक मात्र बनकर रह गई है। संविधान, कानून, न्यायिक अवधारणाओं और शिक्षा के प्रचार-प्रसार से स्थितियां काफी बदल रही है और यह बदलाव धीरे-धीरे इसी संस्था में महिलाओं की स्वतंत्रता, सुरक्षा, समानता और सह-अस्तित्व की गारंटी भी दे रहा है।

शोषण, दमन और अत्याचार

- शोषण, दमन और अत्याचार यद्यपि अब भी विद्यमान है, परंतु अब स्त्री के साथ-साथ पुरुषों के प्रति भी हिंसा और असहयोग जैसी भावनाएं बढ़ रही हैं।
- विवाह के विकल्प के रूप में जिस लिव-इन व्यवस्था की पैरवी छद्म नारीवादियों द्वारा की जा रही है। वह उत्तरदायित्वपूर्ण सहचर्य के सामाजिक मान्य रूप से अनुउत्तरदायित्वपूर्ण स्वच्छंद भोगवादी सहचर्य की ओर पलायन मात्र है, जिसका दुष्परिणाम महिलाओं और बच्चों के मानसिक, भावनात्मक, शारीरिक स्वास्थ्य और सामाजिक और सांस्कृतिक पतन के रूप में आएगा।
- जब-जब समाज और संस्कृति पतन की ओर उन्मुख होगी तब-तब कला, साहित्य, सृजन और संभावनाएं भी अधोमुखी गति करेंगी।
- स्त्रियों की शारीरिक संरचना से संबंधित साधन और सुविधाओं के विषयों को पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण कर सोशल मीडिया रूपी चौराहे पर निर्वस्त्र करना कहीं से भी नारीवाद नहीं है, अपितु नारीवाद की आड़ में अपनी दमित अभिव्यक्तियों, कुंठाओं और निराशा को व्यापक वर्ग की समस्या बनाकर स्त्रियों और पुरुषों के मध्य बारीक शिष्ट आवरण को निर्वस्त्र करने जैसा है, जिसे एक अतिवादी वर्ग द्वारा भरपूर आश्रय दिया जा रहा है।
- नारी की स्थिति में यदि वाकई सुधार के पक्षधर हैं, तो नारी की शिक्षा, स्वावलंबन और सुरक्षा की गारंटी हेतु आंदोलन कीजिए।
- पुरुषवादी व्यवस्था के वर्चस्व के विरुद्ध परिवार व वैवाहिक संस्था में महिलाएं के निर्णय में भागीदारी, बराबरी, गरिमा और सम्मान की वकालत कीजिए। उन कानूनों और नियमों को लागू करने की मांग कीजिए, जो सामाजिक कुरीतियों, परंपराओं और अंधविश्वास के कारण उस रूप में लागू नहीं हो पा रही है, जिस रूप में वह लागू होनी चाहिए।
- सार्थक नारीवाद उसके गरिमामय जीवन, हर क्षेत्र में उसकी भागीदारी और उसकी भावनाओं की स्वीकृति की मांग करता है न की नग्न भोगवादी संस्कृति की मांग करता है।
- छद्म नारीवाद और भोगवादी संगठनों के अनगिनत प्रहार भी तब तक विवाह रूपी संस्था को जर्जर नहीं कर सकते जब तक स्त्रियों में प्रेम, संवेदनशीलता, सहजता, सुकोमल भावनाएं और सहयोग की भावनाएं व्याप्त रहेगी।

सर्दियों में बालों को खुशबूदार बनाने का आसान उपाय : हेयर परफ्यूम

सर्दियां आते ही ठंडी हवाओं के साथ कुछ छोटी-बड़ी परेशानियां भी साथ चली आती हैं। उन्हीं में से एक है बालों की देखभाल। कड़ाके की ठंड में अक्सर महिलाएं बाल धोने से बचती हैं, क्योंकि ठंडे मौसम में सिर धोना न केवल कठिन लगता है, बल्कि बालों को सूखने में भी काफी समय लगता है। कई बार तो पांच-छह दिनों तक हेयर वॉश टलता ही रहता है और हमेशा यही दुविधा बनी रहती है कि आखिर किस दिन बाल धोए जाएं। इसी दौरान शादी-पार्टी का मौसम शुरू हो जाए, तो उलझन और बढ़ जाती है। निमंत्रण मिलते ही बाल धोना मजबूरी बन जाता है, लेकिन ठंड में गीले बालों का आधे घंटे तक भीगना किसी सजा से कम नहीं। हालांकि हेयर वॉश बालों की सेहत के लिए जरूरी है, लेकिन ऐसे समय में अगर बाल धोने का मन न हो और फिर भी आपको किसी समारोह में जाना हो, तो इसका सबसे सरल और प्रभावी समाधान है-हेयर परफ्यूम।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

हेयर परफ्यूम आपके बालों को सुगंधित करने के साथ-साथ उन्हें फ्रेश लुक भी देता है। यह बालों से आने वाली बदबू को रोकता है और खासतौर पर रूखे, फ्रिजी और बेजान बालों पर बेहद असरदार साबित होता है। सवाल यह है कि हेयर परफ्यूम वास्तव में काम कैसे करता है और क्या यह बालों के लिए सुरक्षित है?

हेयर परफ्यूम क्यों है फायदेमंद

हेयर परफ्यूम के बारे में सबसे बड़ी बात यह है कि इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। इसकी खुशबू बॉडी परफ्यूम की तुलना में हल्की होती है, इसलिए इसका अत्यधिक उपयोग भी हानिकारक नहीं है। ठीक उसी तरह जैसे आप शरीर पर परफ्यूम लगाती हैं, उसी तरह हेयर परफ्यूम बालों को ताजगी देने और महकाने के लिए उपयोग किया जाता है। यह न केवल बालों को सुगंधित करता है, बल्कि उनमें हल्का मॉइस्चर भी प्रदान करता है, जिससे बाल अधिक स्वस्थ, मुलायम और तरोताजा दिखाई देते हैं। हेयर परफ्यूम बालों को खूबसूरती प्रदान करने के साथ उनमें एक लग्जरी टच भी जोड़ देता है। खासकर जब आप किसी पार्टी, शादी या समारोह में जा रही हों, तो यह आपको आत्मविश्वास और ताजगी का अहसास कराता है।

बॉडी परफ्यूम क्यों नहीं

कई महिलाएं जल्दबाजी में बालों पर बॉडी परफ्यूम ही स्प्रे कर देती हैं, लेकिन यह गलती बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। बॉडी परफ्यूम में अल्कोहल की मात्रा अधिक होती है, जो बालों की नमी छीनकर उन्हें और भी रूखा, बेजान और फ्रिजी बना देती है। इसके विपरीत, हेयर परफ्यूम में अल्कोहल की मात्रा बहुत कम होती है और यह प्राय : पानी आधारित होता है। इस कारण यह बालों को भारी या चिपचिपा नहीं बनाता। यही वजह है कि हेयर परफ्यूम बालों के लिए अधिक सुरक्षित और उपयुक्त विकल्प माना जाता है।

हेयर परफ्यूम लगाने का सही तरीका

- स्प्रे बोतल को बालों से 6-8 इंच दूर रखें।
- हल्का स्प्रे करें ताकि खुशबू समान रूप से फैले।
- जड़ों पर स्प्रे न करें, बालों की बीच की लंबाई और सिरों पर स्प्रे करना अधिक प्रभावी होता है।
- यह तरीका बालों को भारी होने से बचाता है और किसी प्रकार के चिपचिपे निशान भी नहीं छोड़ता।

स्टोरेज और उपयोग की सावधानियां

- हेयर परफ्यूम को हमेशा किसी सूखी और ठंडी जगह पर रखें।
- इसे आप एक सप्ताह तक आराम से स्टोर कर सकती हैं।
- सर्दियों में ठंडे मौसम के कारण यह मिश्रण और भी अधिक समय तक टिक सकता है।

घर पर बनाएं सुरक्षित और हर्बल हेयर परफ्यूम

बाजार में कई नामी ब्रांड्स हेयर स्प्रे उपलब्ध कराते हैं, लेकिन यदि आप प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प चाहती हैं, तो घर पर हर्बल हेयर परफ्यूम बनाना सबसे बेहतर रहेगा। यह न केवल किफायती होता है, बल्कि रसायन-मुक्त होने के कारण बालों के लिए भी सुरक्षित है।

गुलाब की खुशबू वाला हेयर परफ्यूम

इस होममेड हेयर परफ्यूम से बालों में गुलाबों की रोमांटिक और मनमोहक खुशबू दिनभर बनी रहती है।

बनाने की विधि :

- 2 चम्मच गुलाब का तेल
- 1 चम्मच जोजोबा ऑयल
- 5 चम्मच गुलाब जल

इन सभी को स्प्रे बोतल में डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। पार्टी में जाने से पहले हल्का स्प्रे करें। इससे बालों में ताजगी, सुगंध और पोषण तीनों मिलेगा।

गुलाब जल और विच हेजल स्प्रे

यदि आप हल्की और ताजगी भरी खुशबू पसंद करती हैं, तो यह परफ्यूम बेहतरीन है।

विधि :

- आधा चम्मच गुलाब जल
- 1 चम्मच विच हेजल
- 5 बूंदें गुलाब तेल

सभी सामग्री मिलाकर स्प्रे बॉटल में भर लें। बालों पर स्प्रे करें और हर मौके पर फ्रेश महसूस करें।

लैवेंडर- जैस्मिन हाइड्रेटिंग हेयर परफ्यूम

यह परफ्यूम सुगंध के साथ बालों को हाइड्रेट भी करता है।

विधि :

- एक कप गुलाब जल
- 1 चम्मच एलोवेरा जेल (हल्का ब्लेंड किया हुआ)
- 10 बूंदें लैवेंडर एसेंशियल ऑयल
- 10 बूंदें जैस्मिन एसेंशियल ऑयल

सब कुछ अच्छी तरह मिलाकर बोतल में भर लें और फ्रिज में रखें। यह मिश्रण बालों को मुलायम और चमकदार बनाता है।

वेनिला- ग्रेपफ्रूट फ्रेगरेंस हेयर परफ्यूम

अगर आप मीठी और सॉफ्ट सिट्रस खुशबू चाहती हैं, तो यह घर पर बना परफ्यूम शानदार है।

सामग्री :

- आधा कप गुलाब 4 बूंदें वेनिला अर्क
- 20 बूंदें ग्रेपफ्रूट एसेंशियल ऑयल
- 10 बूंदें जैस्मिन एसेंशियल ऑयल

सभी को मिलाकर बोतल में भर लें और फ्रिज में स्टोर करें।

खाना खजाना

सरसों का साग

टेस्टी और हेल्दी सरसों का साग सर्दियों की सबसे पसंदीदा और पौष्टिक पंजाबी डिशों में से एक है। सरसों के ताजे पत्तों की खुशबू, पालक या बथुये का संतुलित स्वाद और देसी घी का तड़का-सब मिलकर इसे एक बेहतरीन पारंपरिक रेसिपी बनाते हैं। आयरन, कैल्शियम और फाइबर से भरपूर यह साग न सिर्फ शरीर को गर्म रखता है, बल्कि इम्यूनिटी भी बढ़ाता है। खास बात यह है कि इसे बनाना बेहद आसान है। सिर्फ पत्तों को साफ कर पकाना, हल्का-सा तड़का लगाना और स्वाद बढ़ाने के लिए मक्खन मिलाना। चाहे ग्रेवी वाला पसंद करें या थोड़ा सूखा, यह हर तरीके में लाजवाब लगता है। गरमा-गरम मक्के की रोटी, गुड़ और सफेद मक्खन के साथ इसका स्वाद दोगुना हो जाता है। सर्दियों में एक बार जरूर बनाकर देखें- दिल और पेट दोनों खुश हो जाएंगे।

नीलम कोडवानी
फूड ब्लॉगर

सामग्री

- 500 ग्राम सरसों का साग, बारीक कटा हुआ
- 250 ग्राम पालक
- 1 मध्यम प्याज, बारीक कटा हुआ
- 2-3 लहसुन की कलियां, बारीक कटी हुईं
- 1-2 हरी मिर्च, बारीक कटी हुईं
- आधा चम्मच जीरा
- आधा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 चम्मच धनिया पाउडर
- आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- आधा चम्मच गरम मसाला पाउडर
- आधा चम्मच नमक
- 2 बड़े चम्मच तेल या घी
- 1 बड़ा चम्मच मक्खन (वैकल्पिक)
- आधा कप पानी
- 2 चम्मच मक्के का आटा
- हरा धनिया, सजाने के लिए

बनाने की विधि

सरसों के साग और पालक को अच्छी तरह धोलें और बारीक काट लें। इसके बाद एक पैन में तेल/घी गरम करें। जीरा, प्याज, लहसुन, हरी मिर्च डालकर भुनें। हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालें। फिर साग और पालक डालें, फिर आधा कप पानी डालें और ढककर 15-20 मिनट पकने दें। बीच-बीच में चलाते रहें। (कुकर में भी पका सकते हैं) जब साग नरम हो जाए और पानी सूख जाए, उसके बाद गरम मसाला, 2 चम्मच मक्के का आटा, मक्खन डालें और 2 मिनट और पकाएं।

इसके बाद लहसुन लाल मिर्च का तड़का लगाएं और हरे धनिया से सजाएं। गरमा गरम मक्के की रोटी या परांठे के साथ परोसें।

टिप्सः- साग को ज्यादा स्वादिष्ट बनाने के लिए पालक या बथुआ मिला सकते हैं। ग्रेवी पसंद हो, तो थोड़ा पानी रख सकते हैं, सूखा साग भी अच्छा लगता है। सरसों का साग थोड़ा कड़वा होता है, इसलिए आखिर में मक्खन डालना अच्छा रहता है।

न्यूज ब्रीफ

उन्नाव में डंपर ने ऑटो में मारी टक्कर, 3 की मौत व 4 लोग घायल

नवाबगंज, उन्नाव, अमृत विचार। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के अजगैन-मोहान मार्ग पर तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो में सामने से टक्कर मार दी। शनिवार सुबह हुए हादसे में ऑटो सवार बीडीसी सदस्य समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, चालक व चार सवारियां गंभीर घायल हो गईं। हादसे में दही थानाक्षेत्र के पीतांबर नगर निवासी रामशंकर (51), अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मद्दूखेड़ा गांव निवासी बीडीसी सदस्य पुत्तीलाल (48) व अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मुड़ेरा गांव निवासी प्रियांशु (22) की मौके पर मौत हो गई।

गैर इरादतन हत्या में दो और आरोपी गिरफ्तार

संतकबीरनगर। थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को शनिवार को मंझरिया-बयारे मार्ग स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास से गिरफ्तार कर कोर्ट भेज दिया है। जहां, कोर्ट ने दोनों को जेल भेज दिया। इस कार्रवाई में आरोपी प्रदीप कुमार निवासी दुर्गानगर बरदहिया बाजार तथा निखिल सिंह निवासी हरिरामपुर जनपद देवरिया को गिरफ्तार किया गया। बीते 6 दिसंबर को कसैला गांव के पास मारपीट की घटना में घायल जान मोहम्मद की इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में मौत हो गई थी। जिसके संबंध में कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था।

मकान की दीवार में सेंध काटकर चोरी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र जोगिया उदयपुर के पारा नानकार गांव में शुक्रवार रात चोरों ने मकान की दीवार में सेंध लगाकर चार हजार रुपये नकद व करीब 50 हजार के जेवरात चोरी कर लिये। पीड़ित राम आशीष यादव को चोरी का पता शनिवार सुबह चला। बताया कि मार्च 2026 में बहन ममता यादव का गवना होना है। इसी के लिए खरीदे गये कपड़े, जेवरात और अन्य कीमती घरेलू सामान उसी कमरे में रखे थे, जो चोरी हो गया। जोगिया उदयपुर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

श्री राम मंदिर में बनेगा शहीद कारसेवकों की स्मृति में स्मारक

अयोध्या कार्यालय

पत्रकार वार्ता करते हुए ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय व अन्य। अमृत विचार

- रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का द्वितीय प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव 27 से
- गृहमंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी होंगे शामिल, भजन सम्राट अनूप जलोटा, तृप्ति शाक्या, सुरेश वाडेकर देंगे प्रस्तुति

अमृत विचार : श्रीराम जन्म भूमि आंदोलन में शहीद कारसेवकों की स्मृति में मंदिर परिसर में स्मारक बनाया जाएगा। रामलला की द्वितीय प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव पर 27 से 31 दिसंबर तक उत्सव में विविध कार्यक्रमों का आयोजन होगा। समारोह में भारत के गृह मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। यह जानकारी मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक से पूर्व पत्रकारों से बात करते हुए दी। इसके बाद श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक मणिराम दास की छावनी के सभागार में अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

निर्माण समिति के अध्यक्ष मिश्र ने बताया कि साल 2020 में राम मंदिर के भूमि पूजन के दौरान अस्थायी मंदिर बनाकर रामलला को जिस स्थान पर विराजमान किया गया था। उसे पवित्र मानते हुए उस स्थान पर एक छोटे मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। इसी के निकट श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान शहीद कारसेवकों की स्मृति में एक स्मारक भी बनाया जाएगा। बता दें कि मंदिर निर्माण के साथ राम भक्तों और श्रद्धालुओं को अपेक्षा थी कि मंदिर आंदोलन में शहीद कारसेवकों की समूति को जिंदा रखने के लिए यहा स्थान दिया जाए। स्मारक निर्माण से लोगों की यह अपेक्षा पूरी होगी। ट्रस्ट की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी पत्रकारों को ट्रस्ट महासचिव चंपत राय ने दी। बताया कि प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव पांच दिन का होगा। उत्सव में रामकथा के साथ कथक, नृत्य नाटिका और कवि सम्मेलन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 31 दिसंबर को रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का दूसरा प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव मनाया जाएगा। इसमें शामिल होने के लिए देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को आमंत्रित किया गया है। उनकी स्वीकृति मिल गई है। महोत्सव में उड़प्पी पीठाधीश्वर विश्वतीर्थ प्रसन्ननाचार्य के सानिध्य में आचार्यों से पांच दिन का मंडल पूजन किया जाएगा। जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी राम दिनेशाचार्य महाराज राम कथा का आयोजन करेंगे। भजन सम्राट अनूप जलोटा, तृप्ति शाक्या, सुरेश वाडेकर भजनों की प्रस्तुति देंगे। छत्तीसगढ़ के एक विश्वविद्यालय की टोली यहां भगवान श्री राम के जीवन पर दो दिन का नृत्य नाट्य प्रस्तुत करेगी। कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। इसकी जिम्मेदारी दिल्ली निवासी जगदीश मित्तल को सौंपी गई है। इसके अलावा दशावतार और भगवान राम के जीवन पर जन्मोत्सव से लेकर अयोध्या वापसी तक की कथा शैली में नृत्य नाटिका की प्रस्तुति पूजा दिवाकर से दी जाएगी। बैठक में निर्मोही अखाड़ा के महंत दिनेंद दास, सदस्य डॉ अनिल मिश्रा, नवनिर्वाचित सदस्य कृष्ण मोहन व मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र मौजूद रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रस्ट के आठ सदस्यों ने भी बैठक में हिस्सा लिया है। इस दौरान विशेष आमंत्रित सदस्यों में विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक मंडल के सदस्य दिनेश चद्र और गोपाल जी राव व अधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में नगर आयुक्त ज्ञानेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने किया रामलला के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राम लला का दर्शन करने के बाद कहा कि अयोध्या की पावन धरती पर मुझे परिवार के साथ आने का मौका मिला। भगवान की असीम अनुकंपा है। कहा कि इसके लिए भगवान श्री राम का अत्यंत आभारी और कृतज्ञ हूं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में रामलला विराजमान का दर्शन मेरी पत्नी, मेरे माता-पिता ने भी किया है। यह सौभाग्य हमें भी प्राप्त हुआ। उन्होंने यह बात तीन न्यू एजेसिंयो से बात करते हुए कहा। मुख्य चुनाव आयुक्त परिवार के साथ शनिवार को लगभग दस बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से कड़ी सुरक्षा के बीच वह अयोध्या पहुंचे। वह वीवीआईपी गेट से श्रीराम मंदिर पहुंच राम लला का दर्शन पूजन किया। हनुमानगढ़ी और प्राचीन स्थल दशरथ महल, कनक भवन में भी अपने परिवार के साथ दर्अशन पूजन के लिए पहुंचे। यहां संतों ने उन्हें अंगवस्त्र से स्वागत किया है। इसके बाद सरयू तट स्थित दीपोत्सव स्थल राम की पैड़ी पर भ्रमण किया।

पुलिस की विफलता व टालमटोल वाली प्रकृति पर हाईकोर्ट सख्त

रूढ़िवादी और उदासीनता वाली रिपोर्टें न्यायिक प्रक्रिया के सुचारु संचालन में गंभीर बाधा

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगातार कई मामलों में पुलिस द्वारा यह रिपोर्ट दिए जाने पर कि अभियुक्त "लापता" है या "पता नहीं चल सका" पर गहरी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि ऐसी रूढ़िवादी और टालमटोल वाली रिपोर्टें न्यायिक प्रक्रिया के सुचारु संचालन में गंभीर बाधा उत्पन्न कर रही हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब कोई अभियुक्त या दोषसिद्ध व्यक्ति जमानत पर रहते हुए संपत्ति बेचकर फरार हो जाता है तो यह पुलिस की जिम्मेदारी है कि वह उसे न्याय से फरार व्यक्ति मानते हुए कहीं से भी गिरफ्तार करे।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति चवन प्रकाश की खंडपीठ ने वर्ष 1988 की आपराधिक अपील में जीवित अपीलार्थी रामशरण की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। दरअसल वर्ष 1988 से लंबित आपराधिक अपील में अपीलार्थी जयपाल की मृत्यु के बाद जीवित अपीलार्थी रामशरण को सुनवाई के दौरान तलब किया गया लेकिन रामचरण की ओर से कोर्ट के समक्ष कोई उपस्थित नहीं हुआ। इस पर कोर्ट ने 19 नवंबर 2025 को मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट, मेरठ के माध्यम से रामशरण को नोटिस तामील करने का आदेश दिया, साथ ही एसएसपी मेरठ को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि नोटिस की तामील किसी भी स्थिति में असफल ना रहे, इसके बाद भेजी गई रिपोर्ट में पुलिस ने कोर्ट को बताया कि रामचरण लगभग 25-26 वर्ष पूर्व गांव की संपत्ति बेचकर परिवार सहित कहीं चला गया है और अब उसका कोई पता नहीं है। पुलिस की रिपोर्ट पर कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि पुलिस यह कहकर अपने दायित्व से मुक्त नहीं हो सकती है कि अभियुक्त कहीं चला गया है। पुलिस की अगर ऐसी रिपोर्टों पर विश्वास कर लिया जाए तो न कोई मुकदमे चल पाएंगे और न ही अपीलों का निस्तारण हो सकेगा। कोर्ट ने माना कि केवल जिला पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों को कानूनी स्थिति से अवगत कराना अब पर्याप्त नहीं रह गया है, क्योंकि इसके बावजूद एक जैसी लापरवाह रिपोर्टें लगातार प्रस्तुत की जा रही हैं। कोर्ट ने संबंधित विभाग को चेतावनी दी कि अगर पुलिस अभियुक्तों को पकड़ने में अक्षम है तो अदालत को यह विचार करना पड़ेगा कि पुलिस से कुछ दायित्व हटाकर अन्य वैकल्पिक व्यवस्था की जाए जिसे न्यायालय और ट्रायल कोर्ट्स की कार्यवाही बाधित ना हो।

गैंबलिंग एक्ट की धारा 13 के तहत दर्ज अपराध संज्ञेय

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलने के आरोप में दर्ज आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक द्युत अधिनियम, 1867 (पब्लिक गैंबलिंग एक्ट) की धारा 13 के तहत दर्ज अपराध संज्ञेय है। जिसमें पुलिस को बिना वारंट गिरफ्तारी और जांच का अधिकार प्राप्त है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने कामरान की याचिका खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि चूंकि धारा 13 स्वयं पुलिस को बिना वारंट गिरफ्तारी की अनुमति देती है, इसलिए इसे गैर-संज्ञेय अपराध नहीं माना जा सकता और ऐसे मामलों में सीआरपीसी की धारा 155(2) के तहत मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति आवश्यक नहीं है। मामले के अनुसार 8 दिसंबर 2019 को आगरा के सिकंदरा थाना क्षेत्र में पार्क में ताश खेलते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 750 रुपए बरामद किए गए। पुलिस ने द्युत अधिनियम की धारा 13 के तहत चार्जशीट दाखिल की, जिस पर मजिस्ट्रेट ने संज्ञान लिया। याची की ओर से तर्क दिया गया कि उत्तर प्रदेश में धारा 13 के तहत प्रथम अपराध में अधिकतम एक माह की सजा का प्रावधान है, इसलिए यह अपराध गैर-संज्ञेय है और मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना की गई जांच विधि विरुद्ध है। इस तर्क के समर्थन में हाईकोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला भी दिया गया, जिनमें द्युत अधिनियम की धारा 3/4 को गैर-संज्ञेय माना गया था। हालांकि कोर्ट ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि धारा 3/4 और धारा 13 की प्रकृति अलग है। कोर्ट ने अपराध की संज्ञेयता पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जहां कानून स्वयं पुलिस को बिना वारंट गिरफ्तारी का अधिकार देता है, वहां उस अपराध को गैर-संज्ञेय नहीं कहा जा सकता।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मजिस्ट्रेट द्वारा पुलिस रिपोर्ट पर संज्ञान लेने में कोई कानूनी त्रुटि या अनियमितता नहीं है। हालांकि अपराध की न्यूनतम सजा को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि मामले का निस्तारण यथाशीघ्र तीन माह के भीतर किया जाए।

केंद्रीय विद्यालय के तत्कालीन प्रधानाचार्य को 4 वर्ष की सजा

- रिश्वत लेने के मामले में कोर्ट ने एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया

विधि संवाददाता, लखनऊ। ठेकेदार से कमीशन के बदले रिश्वत लेने के मामले में दोषी करार दिए गए केंद्रीय विद्यालय चकेरी कानपुर के तत्कालीन प्रधानाचार्य तसद्दूक खान (टी खान) को भ्रष्टाचार निवारण के विशेष न्यायाधीश रविंद्र कुमार द्विवेदी ने चार वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सीबीआई के लोक अभियोजक विनीत कुमार ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में जयसिंह ने 23 अगस्त 2016 को सीबीआई लखनऊ में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि वह फर्म मैसर्स पदमा टेंट लाइट एंड कैटर्स का प्रोपराइटर है। शिकायतकर्ता की फर्म एयर फोर्स स्टेशन चकेरी कानपुर के केंद्रीय विद्यालय में कैंटीन आदि का काम तीन वर्षों से कर रही है। आरोप है कि विद्यालय में 2016 में वार्षिक महोत्सव हुआ था इस महोत्सव में शिकायतकर्ता की फर्म को टेंट एवं सजावट आदि का टेंडर मिला था। फर्म द्वारा किए गए काम के भुगतान के एवज में आरोपी प्रधानाचार्य टी खान ने 51 हजार रुपये की रिश्वत एवं भविष्य में काम करने के एवज में 50 हजार रुपये की मांग की थी। न देने पर धमकी दिया था कि अगर रिश्वत के पैसे नहीं दिया तो उसकी कैंटीन का टेंडर कैंसिल कर दिया जाएगा। शिकायत के आधार पर सीबीआई की भ्रष्टाचार निवारण ट्रेप टीम ने आरोपी को उसी के कार्यालय से रिश्वत के 25 हजार रुपये लेते हुए 24 अगस्त 2016 को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने 4 अक्टूबर 2016 को कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया था।

महाप्रबंधक ने निरीक्षण कर दिए निर्देश

संवाददाता, गोरखपुर

गोरखपुर जं. स्टेशन यार्ड का निरीक्षण करते महाप्रबंधक उदय बोरवणकर।

अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने शनिवार को वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ गोरखपुर जं. यार्ड में नये रूट रिले इंटरलॉकिंग पैनल का निरीक्षण किया। कर्मचारियों से सवारी एवं माल गाड़ियों के परिचालन पर विशेष चर्चा की। इसके बाद महाप्रबंधक ने गोरखपुर जं. यार्ड का भी निरीक्षण किया। इस दौरान शंटिंग ऑपरेशन को संरक्षित तरीके से करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने गोरखपुर जं. स्टेशन के पश्चिमी छोर स्थित यार्ड में प्वांइट्स मशीनों की कार्यशीलता परखी। उन्होंने यार्ड को साफ-सुथरा रखने के साथ ही ड्रेनेज सिस्टम को भी साफ एवं दुरूस्त रखने लिए दिशा-निर्देश दिया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर तथा प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी एम. एल. मकवाना, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर संजय सिंहल, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक प्रकाश चन्द्र जायसवाल, मुख्य मालभाड़ा परिवहन प्रबंधक कृष्ण शुक्ल, महाप्रबंधक के सचिव आनन्द ऋषि श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे। यह जानकारी मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक में रिन्यू प्राइवेट लिमिटेड का पूल कैंपस ड्राइव आयोजित

गोरखपुर, अमृत विचार। महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक में रिन्यू प्राइवेट लिमिटेड का पूल कैंपस ड्राइव आयोजित हुआ। इस पूल कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में गोरखपुर और आस पास के क्षेत्र के मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर साइंस तथा इलेक्ट्रोनिक्स विभाग के डिप्लोमा एवं आई टी आई पासआउट एवम अंतिमवर्ष में अध्ययनरत छात्र छात्राओं ने पंजीकरण किया और साक्षात्कार दिया गया। संस्था प्रधानाचार्य डॉ अनिल प्रकाश सिंह ने छात्र छात्राओं को इन अवसरों का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। सेवायोजन एवं प्रशिक्षण अधिकारी अनुराग कुमार ने बताया कि यह पूल ड्राइव कंपनी धोलेरा गुजरात स्थित उत्पादन इकाई के लिए कर रही है। कंपनी के एचआर शानू सिंह और पार्थ नागड़िया साक्षात्कार टीम में शामिल रहे। यह जानकारी संस्था के शिक्षक एवं मीडिया प्रभारी माधवेंद्र राज द्वारा दी गई।

पूर्वोत्तर रेलवे की महिला टीम प्रथम

गोरखपुर, अमृत विचार। अमरकंटक मध्य प्रदेश में शनिवार को 56वीं अखिल भारतीय रेलवे क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे की महिला टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता। पूर्वोत्तर रेलवे की ही महिला खिलाड़ी कुमारी नंदनी गुप्ता ने व्यक्तिगत रूप से स्वर्ण पदक प्राप्त किया और कुमारी पूजा वर्मा ने व्यक्तिगत रूप से तीसरे स्थान पर आकर कांस्य पदक प्राप्त किया। पूर्वोत्तर रेलवे की महिला खिलाड़ियों की इन उपलब्धियों पर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर, अध्यक्ष/नरसा अभय कुमार गुप्ता, महासचिव/नरसा पंकज कुमार सिंह सहायक क्रीड़ा अधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ऑनलाइन ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य यॉंत्रिक इंजीनियर/रिपेयर,** वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यॉंत्रिक कारखाना, गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिए आनलाईन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से एकल ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :– **क्रम सं. :** 1, **ई-निविदा सूचना सं. एवं निविदा कार्य का विवरण : टेण्डर नं. - "38-जीकेपी-एमडब्ल्यूएस-2025-26"** "डी-चेक शिड्यूल मेन्टेनेन्स ऑफ क्युमिंस मेक डीजल इंजन (क्वानटिटी-40 नम्बर्स) एज पर स्कोप ऑफ वर्क ऐट जीकेपीएस", **अनुमानित लागत :** रु. 1,58,88,948.80, **धरोहर राशि :** रु. 2,29,500.00, **निविदा समापन की तिथि एवं अवधि :** 11.00 बजे 05.01.2026, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. शून्य, **संविदा की अवधि :** 12 माह।

उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या http://www.ireps.gov.in पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी./रिपेयर, यांत्रिक कारखाना,
मुजाधि/यांत्रिक-107 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि० मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/समाडि/समन्वय, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा, निम्नलिखित कार्य हेतु बिड सिस्टम आधारित खुली ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम: निविदा सूचना संख्या–15–2025–CW, "सप्लाई, इरेक्शन, टेसटिंग एण्ड कमीशनिग ऑफ लाण्ड्री मशीन्स एण्ड इक्यूपमेन्टस ऑन टर्नकी बेसिस ऐट न्यू लीनेन केयर सेन्टर, गोरखपुर (जीकेपी) विद 02 ईयर वारंटी।" अनुमानित लागत (रू० में): ₹ 6,36,59,415.46, अग्रिम धन (रू० में): ₹ 4,68,300.00, निविदा की अवधि: – 12 माह।

ई निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 06.01.2026, 15.00 बजे तक एवं यह ई–निविदा दिनांक 06.01.2026 को 15.00 बजे के बाद खोली जायेगी। इस ई–निविदा से सम्बंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हतायें तथा नियम एवं शर्ते, पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई–निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाईट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

वरि0 मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/समाडि/
मुजाधि/यांत्रिक–104 समन्वय, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1,23,205 वादों का किया गया निस्तारण

कुशीनगर, अमृत विचार : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कुशीनगर के तत्वाधान में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव कुमार त्यागी, गुलाब सिंह, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय एवं प्रेम कुमार राय, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालयों द्वारा विशेष लोक अदालत (लघु अपराधिक वाद) में कुल 735 लघु अपराधिक वाद का निस्तारण व राष्ट्रीय लोक अदालत में 122470 वाद, इस प्रकार कुल 1,23,205 वादों का निस्तारण किया गया।

आयोजन | मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

दो दिनों में 470 जोड़ों का हुआ विवाह

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह के दौरान नवविवाहित जोड़े की कुशलक्षेम पूछते सदर विधायक अंकुर राज तिवारी।

संतकबीरनगर, अमृत विचार। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जिले में दो दिवसीय भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन में कुल 470 जोड़ों ने वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत की। पहले दिन शुक्रवार को 217 जोड़े विवाह बंधन में बंधे, जबकि दूसरे दिन शनिवार को 253 जोड़ों का विवाह विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया।

यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम सदर तहसील क्षेत्र के सियरा सांथा चौराहे स्थित ओम रिजॉर्ट मैरिज लॉन में आयोजित किया गया। विवाह समारोह में विभिन्न समुदायों के जोड़ों ने भाग लिया, जिसमें 14 जोड़ों का विवाह मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार कराया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सदर विधायक अंकुर राज तिवारी, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद व मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना की। इस दौरान सभी जोड़ों को सरकार की ओर से निर्धारित उपहार सामग्री एवं आर्थिक सहायता प्रदान कर विदा किया गया।

कार्यालय सेनानायक 27 वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर
फोन/फैक्स नं0–91–5862–244232 सीयूजी नं0 +91 9454418838 ई–मेल–compac27@nic.in

पत्रांक : भ–48/2025 **दिनांक : दिसम्बर 12. 2025**

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि 27 वीं वाहिनी पीएसी, सीतापुर में पुलिस मुख्यालय, उ0प्र0 लखनऊ के पत्र संख्या–3–ख–85 (पीएसी)–2025 दिनांक 20.06.2025 के द्वारा वित्तीय वर्ष–2025–26 में मानक मद–29 अनुरक्षण के अन्तर्गत आवंटित अनुदान के सापेक्ष वाहिनी प्रशिक्षण की मूलभूत व्यवस्था के अन्तर्गत प्रशिक्षण व्यवस्था में लगे कर्मचारियों की आवासीय व्यवस्था हेतु टाइप प्रथम के ब्लाक संख्या–12, 13 के 12 आवासों में छत एवं सीलिंग मरम्मत तथा छज्जों, दीवाल में प्लास्टर मरम्मत सम्बन्धी कुल 12 कार्यो को कराये जाने हेतु निविदा दिनांक 19/12/2025 को आमंत्रित की जाती है. जो तददिनांक को ही अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्राधिकृत किये गये अधिकारी द्वारा खोली जायेगी। इच्छुक ठेकेदार निविदा दिनांक से पूर्व किसी भी कार्य दिवस में प्रात: 10: 00 बजे से सायं 17: 00 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होकर निहित शर्तो के तहत निविदा फार्म प्राप्त कर सकते हैं।

सेनानायक
27वीं वाहिनी पीएसी, सीतापुर

कार्यालय सेनानायक 27 वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर
फोन/फैक्स नं0–91–5862–244232 सीयूजी नं0 +91 9454418838 ई–मेल–compac27@nic.in

पत्रांक : भ–50/2025 **दिनांक : दिसम्बर 12. 2025**

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि 27वीं वाहिनी पीएसी, सीतापुर में पुलिस मुख्यालय, उ0प्र0 लखनऊ के पत्र संख्या–3–ख–85 (पीएसी)–2025 दिनांक 20.06.2025 के द्वारा वित्तीय वर्ष–2025–26 में मानक मद–29 अनुरक्षण के अन्तर्गत आवंटित अनुदान के सापेक्ष वाहिनी प्रशिक्षण की मूलभूत व्यवस्था के अन्तर्गत आर0टी0सी0धोबी कक्ष की छत व सीलिंग मरम्मत एवं रंगाई पुताई तथा प्रशिक्षण व्यवस्था में लगे कर्मचारियों की आवासीय व्यवस्था हेतु टाइप प्रथम के ब्लाक संख्या–12, 13 के 12 आवासों में दरवाजे बदले जाने व खिड़कियों में शीशे तथा पानी की सप्लाई रंगाई पुताई सम्बन्धी कुल 15 कार्यो को कराये जाने हेतु निविदा दिनांक 19/12/2025 को आमंत्रित की जाती है, जो तददिनांक को ही अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्राधिकृत किये गये अधिकारी द्वारा खोली जायेगी। इच्छुक ठेकेदार निविदा दिनांक से पूर्व किसी भी कार्य दिवस में प्रात: 10: 00 बजे से सायं 17: 00 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होकर निहित शर्तो के तहत निविदा फार्म प्राप्त कर सकते हैं।

सेनानायक
27वीं वाहिनी पीएसी, सीतापुर

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम MOHAMMAD ASHIF से बदल कर MOHD ASHIF कर लिया है। भविष्य में मुझे MOHD ASHIF नाम से जाना व पहचाना जाए। **मोहम्मद आशिफ पुत्र आशिक जमा निवासी 83 मलिकमऊ रोड, छोटा घोसियाना जिला रायबरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मैं **रीता देवी पुत्री श्रीनाथ ओनई जंगल पो. जतुवा टप्पा ब्लॉक अमावां थाना महराजगंज, तह. सदर जिला रायबरेली** का निवासी हूं। मैने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से वर्ष 2016 में हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिसका अनुक्रमांक 1466983 है। वास्तव में अंकपत्र कहीं खो गया है।

सूचना

मैं शुभम पुत्र हवलदार कुंवर बहादुर (7777043H), निवासी–ग्राम निवाजी खेड़ा पोस्ट बीजेमऊ तहसील लालगंज जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड में शुभम पुत्र कुंवर बहादुर Shubham जन्म तिथि 12/10/2004 S/O Kunwar Bahadur दर्ज है। मेरे पिता के Family Particulars में Subham जन्म तिथि 12/10/2003 हो गया है, जो कि गलत है। मेरा नाम Shubham जन्म तिथि 12/10/2004 S/O Kunwar Bahadur अंकित किया जाय जो कि सही है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम प्रवेश कुमार पुत्र गजेन्द्र सिंह है जो मेरे शैक्षिक अभिलेख (हाईस्कूल मार्कशीट) में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं0– 7026 3498 9888 में मेरा नाम शिवपाल सिंह अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम प्रवेश कुमार पुत्र गजेन्द्र सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाए। एतद द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकताये स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है। **प्रवेश कुमार पुत्र गजेन्द्र सिंह निवासी– ग्राम पटसार पोस्ट विसारी खेड़ा जिला– लखीमपुर खीरी**

सूचना

मेरा एक किता मूल दस्तावेज बैनामा दिनांक 25.6.2016 जो सब–रजिस्टर कार्यालय गोण्डा में बुक संख्या 1 जिल्द 9155 में पेज 57 से 76 पंजीयन संख्या 8293 दिनांक 25.6.2016 को पंजीकृत हुआ था। जिसके विक्रेता अजय कुमार तथा क्रेता गोपी नाथ पाण्डेय थे। जो कही खो गया है। जिसका काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिल सका। **प्रार्थी – अजय कुमार सोनी पुत्र राम किशोर सोनी निवासी– ग्राम – छितौनी, पोस्ट –बंनगाई जिला – गोण्डा।**

सूचना

मेरा नाम मोहम्मद अफसर खां पुत्र मोहम्मद खां है परंतु पासपोर्ट में मोहम्मद अफसर दर्ज हो गया है अब मुझे मेरे सही नाम मोहम्मद अफसर खां के नाम से जाना व पहचाना जाए। **मोहम्मद अफसर खां पुत्र मोहम्मद खां मोहल्ला खेड़ा बालायकोट कस्बा, थाना व तहसील शाहाबाद जिला हरदोई**

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम:** 1.वमई/प्रथम/वाराणसी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत आर0डी0एस0ओ0 ड्राइंग संख्या टी–671/टी–2572 के इनसिट्ट ग्लूड ज्वाइंट का प्रावधान करना। **ई–निविदा सूचना सं0:** एनईआर–बीएसबी–2025–121 **अनुमानित लागत (₹) :** 84,75,000/– **(बिड सिक्यूरिटी) (₹) :** 1,69,500/– **निविदा बंद होने की तिथि:** 06.01.2026 **स्वीकृत जारी होने के समय से कार्य समापन/ अवधि की तिथि:** 06 माह। **कार्य का नाम:** 2. छपरा में लाइन सं0 1 और 4 के वाशेबुल एप्रन के रिहैबिलीटेशन का कार्य। **ई–निविदा सूचना सं0:** एनईआर–बीएसबी–2025–122 **अनुमानित लागत (₹) :** 4,09,87,549/– **(बिड सिक्यूरिटी) (₹) :** 3,54,900/– **निविदा बंद होने की तिथि:** 15.01.2026 **स्वीकृत जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि:** 12 माह। **कार्य का नाम:** 3.फेफना – औडिहार खण्ड में मौजूदा हयूम पाइप पुल को आरसीसी बॉक्स पुल से बदलना (कुल संख्या 29) एवं मॉझी – बकुलहा स्टेशन के मध्य किमी 17/2–18/6 पर पुल सं0 16 का बचाव कार्य। **ई–निविदा सूचना सं0:** एनईआर–बीएसबी–2025–123 **अनुमानित लागत (₹) :** 16,93,27,527/– **(बिड सिक्यूरिटी) (₹) :** 9,96,600/– **निविदा बंद होने की तिथि:** 15.01.2026 **स्वीकृत जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि:** 24 माह। • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2025–121 दिनांक 06.01.2026 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेगे। • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2025–122 से एनईआर–बीएसबी–2025–123 दिनांक 15.01.2026 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
मुजाधि/डब्लू–370 **वाराणसी**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

अमृत विचार

रविवार, 14 दिसंबर 2025

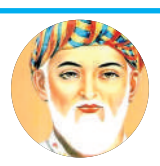

प्रेम हरि को रूप है,
त्यौं हरि प्रेम स्वरूप।
एक होइ द्वै यो लसै,
ज्यौं सूरज अरु धूप॥

रसखान कहते हैं, ईश्वर साक्षात प्रेम स्वरूप हैं यानी प्रेम हरि का ही रूप हैं। प्रेम और परमात्मा में कोई अंतर नहीं होता। जैसे कि सूरज और धूप में कोई अंतर नहीं है, वैसे ही ईश्वर और प्रेम एक ही हैं।

भगवद् गीता में हैं विश्व दर्शन की सारी अनुभूतियां

गीता एक बार फिर से अंतर्राष्ट्रीय चर्चा में है। इसी माह आगे पीछे एक साथ दो घटनाएं हुईं। एक बार फिर गीता की चर्चा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। गीता भारतीय दर्शन का प्रतिनिधि दर्शन है। प्रधानमंत्री ने रूस के राष्ट्रपति को गीता भेंट की है। पुतिन यहां भारत यात्रा पर आए हुए थे। मोदी इसके पहले चीन, अमेरिका, जापान आदि के राष्ट्र प्रमुखों को गीता की प्रति भेंट कर चुके थे। इधर एक मजेदार घटना हुई। कोलकाता में गीता को लेकर विशाल सम्मेलन हुआ। कुछ समय पहले संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को ने गीता को प्रतिष्ठित ग्रंथ घोषित किया था। गीता कर्म प्रेरणा का ग्रंथ है। गीता विशालकाय महाभारत का हिस्सा है, लेकिन महाभारत के भीष्म पर्व के मूल कथानक से इसकी पर्याप्त संगति है।

> गीता में विश्व दर्शन की सारी अनुभूतियां हैं। महात्मा गांधी गीता पर मोहित थे। उन्होंने अपने अखबार 'यंग इंडिया' में लिखा था, "जब निराशा मेरे सामने आ खड़ी होती है और जब बिल्कुल एकाकी मुझको प्रकाश की कोई किरण नहीं दिखाई देती, तब मैं गीता की शरण लेता हूं। कोई न कोई श्लोक मुझे ऐसा दिखाई पड़ जाता है कि मैं विषम विपत्तियों में भी मुस्कुराने लगता हूं। मेरा जीवन विपत्तियों से भरा रहा और यदि वे मुझ पर अपना कोई दृश्यमान अमिट चिह्न नहीं छोड़ सके, तो इसका श्रेय भगवद् गीता की शिक्षाओं को ही है।"

ऋग्वेद के रचनाकाल के समय से लेकर आज तक समय का बड़ा फासला है। गीता में ऋग्वेद का दर्शन और अनुभूतियां हैं। अथर्ववेद का कालसूक्त गीता में भयानक काल होकर प्रकट हुआ है। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से पूछा, 'हे भगवान, आप उग्र रूप वाले कौन हैं?' कृष्ण ने उत्तर दिया, 'कालोअस्मि लोकोक्षय प्रवृत्ते- मैं काल हूं और लोकों को समाप्त करने के लिए, प्राण लेने के लिए प्रवृत्त हूं।' गीता में विश्व दर्शन की लगभग सारी अनुभूतियां हैं। महात्मा गांधी गीता पर मोहित थे। उन्होंने अपने अखबार 'यंग इंडिया' में लिखा था, "जब निराशा मेरे सामने आ खड़ी होती है और जब बिल्कुल एकाकी मुझको प्रकाश की कोई किरण नहीं दिखाई देती, तब मैं गीता की शरण लेता हूं। कोई न कोई श्लोक मुझे ऐसा दिखाई पड़ जाता है कि मैं विषम विपत्तियों में भी मुस्कुराने लगता हूं। मेरा जीवन विपत्तियों से भरा रहा और यदि वे मुझ पर अपना कोई दृश्यमान अमिट चिह्न नहीं छोड़ सके, तो इसका श्रेय भगवद् गीता की शिक्षाओं को ही है।" गांधीजी की बात भावनात्मक है, लेकिन तथ्य भी यही है कि गीता प्रभावित करती है और सुख-दख में समान भाव की दृष्टि का विकास करती है।

प्रसिद्ध यूरोपीय विद्वान एडविन अर्नाल्ड ने गीता पर ग्रंथ लिखा था, 'सैलेशियल सॉन्ग'। उसने गीता की व्याख्या करने वाले अनेक पूर्ववर्ती विद्वानों की प्रशंसा की और लिखा कि इस ग्रंथ के अभाव में अंग्रेजी साहित्य अधूरा रह जाता है। बंगाल में सन 1784 में एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना हुई। सोसाइटी की प्रेरणा से चार्ल्स विलकिंस ने गीता का अनुवाद किया। ईस्ट इंडिया कंपनी की मदद से यह अनुवाद लंदन में छपा। तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग ने इस कृति की लिखित प्रशंसा की थी। भारत के राष्ट्रपति रहे प्रख्यात दर्शन शास्त्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन थे। उन्होंने लिखा, 'भगवद् गीता एक दर्शन ग्रंथ है और एक प्राचीन धर्म ग्रंथ भी है।' उन्होंने गीता का भाष्य किया। गीता ने सारी दुनिया को प्रभावित किया। इसका प्रभाव चीन और जापान तक पड़ा।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

जर्मन धर्म के अधिकृत भाष्यकार जे डब्लू होवर ने लिखा, 'यह सब कालों में सब प्रकार के धार्मिक जीवन के लिए प्रमाणिक है। इसमें इंडो जर्मन धार्मिक इतिहास के महत्वपूर्ण दौर का प्रमाणिक निरूपण है।' लोकमान्य तिलक ने भी गीता की व्याख्या की और गीता रहस्य नामक ग्रंथ लिखा। गीता रहस्य में प्रवृत्ति मार्गी दृष्टि है। गीता रहस्य को बहुत प्रतिष्ठित ग्रंथ माना जाता है। गीता का आनंद किसी भी पृष्ठ से लिया जा सकता है। विश्व रूप को ही देखिए, संजय ने धृतराष्ट्र को बताया, 'रोमांचित विस्मित अर्जुन ने श्रीकृष्ण को प्रणाम किया और कहा, मैं आपके शरीर में सभी देवताओं और तमाम जीवों को देख रहा हूं। मैं कमलासीन ब्रह्मा, शिव और सभी ऋषियों को व सर्पों को देख रहा हूं। आपके अनेक हाथ हैं, अनेक मुख हैं और अनेक आंखें हैं।' एक ही केंद्र पर समूचे ब्रह्मांड को देखना बड़ी बात है। श्रीकृष्ण द्वारा दिखाए गए दिव्य रूप ऋग्वेद के पुरुष से मिलते हैं। ऋग्वेद का पुरुष भी सहस्त्र शीर्षा, सहस्त्र पैरों वाला है। गीता में अर्जुन द्वारा देखे गए विश्वरूप का वर्णन है। अर्जुन इस रूप को देखकर कांप उठा और बोला अनेक मुखों, आंखों, भुजाओं, पैरों, पेटों, बड़े-बड़े दांत वाले इस भयानक रूप को देखकर सब डर गए हैं। अर्जुन ने पूछा, 'आप कौन हैं? भयानक उग्र रूप वाला तू कौन है? आपको नमस्कार है। मैं जानना चाहता हूं कि तू आदि देव कौन है?' श्रीकृष्ण ने कहा, 'मैं लोकों का क्षय करने वाला काल हूं।'

काल अपना काम करता है। इस मान्यता को नियतिवाद कहते हैं। कर्म से संपन्नता आती है। कर्म से यश मिलता है। कर्म से युद्ध है। युद्ध कर्म से विजय मिलती है। राज्य के सुख मिलते हैं। यह पुरुषार्थवाद कहलाया। पुरुषार्थवादी कर्म पर भरोसा करते हैं और नियतिवाद से इनकार करते हैं। गीता में दोनों हैं। कर्मयोग गीता का केंद्रीय विचार है। वैदिक काल भी कर्म प्रधान था। ऋग्वेद के एक मंत्र में कहते हैं, 'देवता परिश्रम करने वाले के मित्र बन जाते हैं। आलसी और अकर्मण्य लोगों की सहायता देवता नहीं करते।' यही विश्वास भारतीय दर्शन में व उपनिषद् आदि ग्रंथों में उपस्थित है। भारत के दर्शन का आकर्षण सारी दुनिया में है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन के लिए इससे बेहतर क्या हो सकता है कि उन्हें सत्कार देने वाला व्यक्ति भारत का प्रधानमंत्री है। गीता की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन के नेता वारिस पठान ने कहा है कि अगर मोदी ने गीता की जगह कुरान भेंट की होती तो ज्यादा बेहतर होता। एआईएमआईएम का कुरान भेंट करने का बयान निंदनीय है। कुरान और गीता की तुलना नहीं की जानी चाहिए थी। सत्यनिष्ठ तुलना में मृदु शब्द ही नहीं निकलते। ऐसे बयान देश को कमजोर करते हैं। दुर्भाग्य से इस्लामी राजनीति में कट्टरपंथ है। उनके यहां कोई कृष्ण नहीं हुआ। इस राजनीति में अलगाववाद है। इस्लामी राजनीतिक चिंतन में दुर्भाग्य से कोई दार्शनिक नहीं हुआ, इसीलिए इस्लाम पर बहस नहीं हो सकती।

गीता का जन्म ही कुरुक्षेत्र में दो सेनाओं के मध्य खड़े अर्जुन के विषाद से हुआ। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान, कर्म और भक्ति की धाराएं समझाईं। जीवन को कर्म प्रधान बताया। सब बताने के बाद श्रीकृष्ण ने प्रश्न किया, 'यह सब सुनने के बाद आपका मन कैसा है?' अर्जुन ने उत्तर दिया, 'आपकी कृपा से हमारा मोह नष्ट हो गया- नष्टो मोहा। स्मृति लौट आई- स्मृति लब्धा' हिंदुओं पर बहुदेवपूजक होने के आरोप लगाते हैं। हिंदू बहुदेववादी नहीं एकेश्वरवादी और बहुत देव उपासक हैं।

इस आलेख की अंतिम बात, पूरी गीता पढ़ते समय बार-बार ऐसा प्रतीत होता है कि बस अब हो गया, लेकिन गीता के अंतिम अंश में विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लेख है। दुनिया का कोई भी पंथ, मजहब, रिलिजन ऐसे उपदेश नहीं देता। श्रीकृष्ण कहते हैं, 'मैंने सभी रहस्यों से बड़े रहस्य वाला ज्ञान बताया है। इस पर गहन विचार करो और जैसी इच्छा हो वैसा करो- यथेच्छसि तथा कुरु।' भारतीय चिंतन और ज्ञान परंपरा में कहीं भी असहमत को पीड़ित करने या मार देने की बात नहीं है। सहमत और असहमत दोनों विकल्प यहां व्यवहारिक रूप में भी सुस्पष्ट हैं। बड़ी बात है कि युद्ध से अलग होने की घोषणा करने वाले अर्जुन से कृष्ण कहते हैं, 'यथेच्छसि तथा कुरु-जो इच्छा हो सो करो।'

संघ की प्रचार परंपराओं को तोड़ रहा सोशल मीडिया

करीब एक सदी तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यही विशेषता रही कि प्रचारक प्रचार खूब करते रहे, पर दिखाई कुछ नहीं दिया, हांलाकि बिना प्रचार के प्रचार की कल्पना भी मुश्किल है, पर संघ ने ऐसा कर दिखाया। दो लोगों ने यदि दस लोगों से जनसंपर्क किया और अपनी बात या विचार रखे तो इस मीटिंग, बात-मुलाकात की फोटोबाजी, प्रेस आमंत्रण या प्रेस विज्ञप्ति की जरूरत कभी नहीं महसूस की गई। पंद्रह-बीस बरस पहले सोशल मीडिया शुरू हुआ, तो इससे भी परहेज़ किया गया। किसी तरह की भी फोटोबाजी से हमेशा दूरी बनाई गई। सब कुछ खामोशी से, बिना मीडिया या सोशल मीडिया के सहारे, बिना शोर-शराबे और बिना शो-ऑफ के संघ प्रचारक प्रचार करते रहे।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्षों का यही इतिहास रहा है। राष्ट्रवाद का संकल्प, हिंदुत्व का प्रचार, जरूरतमंदों की मदद, शारीरिक व्यायाम, सादगी, समर्पण, लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष, तपस्या, अनुशासन, धैर्य और दिखावे से दूर रहना। दुनिया बदल रही है। भारत भी बदल रहा है। नए भारत में नई इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी का नया दौर शुरू हो गया है। बदलाव की इस बेला में क्या संघ भी बदल रहा? सौ वर्ष पूरे होने की उपलब्धि से उत्साहित संघ अपने मूल कार्य प्रचार को नई दिशा देकर दिखावे, मीडिया, सोशल मीडिया और तस्वीरों से दूर रहने के नियम को क्या तोड़ रहा? दुनिया के सबसे बड़े इस भारतीय राष्ट्रवादी संगठन ने क्या अपने पारंपरिक प्रचार को बदलने का फैसला किया है?

> नए भारत में नई इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी का नया दौर शुरू हो गया है। सौ वर्ष पूरे होने की उपलब्धि से उत्साहित संघ अपने मूल कार्य प्रचार को नई दिशा देकर दिखावे, मीडिया, सोशल मीडिया और तस्वीरों से दूर रहने के नियम को क्या तोड़ रहा है?

क्या अब संघ सोशल मीडिया से परहेज़ नहीं करेगा! या फिर दिखावे से दूर रहने, अनुशासित रहने और सादगी का पर्याय बने इस संगठन में भी अनुशासनहीनता का वायरस आ गया है! या फिर आज के दौर में चाह के भी सोशल मीडिया से बचा नहीं जा सकता है, या इसके बिना प्रचार संभव ही नहीं! अथवा इससे परहेज करना किसी के भी बस में नहीं। आप कहीं किसी से मिलने जाओ और फोटो न खिंचवाने का आपका निर्णय हो, पर जिससे मिलने गए यदि वो फोटो खींचता है तो आप उसे रोक ही नहीं सकते। जगह-जगह सीसी कैमरे हैं, तो फोटो तो वैसे भी खिंच जाएगा और वो फोटो कोई कभी भी इस्तेमाल कर सकता है।

सोशल मीडिया पर अब संघ की तमाम तस्वीरें वायरल होने लगी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने पर संघ जनसंपर्क अभियान चला रहा है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। पीआर (पब्लिक रिलेशन) सामाजिक सरोकारों से जुड़ा हो, राष्ट्रवाद से, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से या हिंदुत्व के प्रचार से ही क्यों न जुड़ा हो, आपकी सादगी और दिखावे से दूर रहने की जिद को आज का सोशल मीडिया तोड़ ही देगा। आप फोटो नहीं भी खिंचवाओगे, पर दूसरे को रोकने का हक भी आप के पास नहीं रहेगा। शायद यही कारण है कि सौ साल बाद संघ और तस्वीरों के बीच की दूरियां अब मिटती दिख रही हैं। संघ ने मीडिया ने हमेशा दूरी बनाई। मीडिया का सहारा नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया संघ की परंपराओं को तोड़ने लगा है!

एकांत का सौंदर्य और भीतर की यात्रा

आज का मनुष्य निरंतर दौड़ में है। लक्ष्य पाने की दौड़, दिखावे की दौड़ और दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करने की दौड़। इस भागदौड़ के बीच जो सबसे अधिक छूट गया है, वह है मनुष्य का अपना आंतरिक जगत। आधुनिक जीवन शैली ने हमें बाहरी दुनिया से इतना जोड़ दिया है कि हम स्वयं से मिलने का समय ही खो बैठे हैं। ऐसे समय में 'एकांत' कोई विलासिता नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। यही वह क्षण है, जब जीवन हमें धीरे से कहता है- आंतरिक रूप से एकांत में रहिए, लक्ष्यहीन जीवन मत बिताइए, ध्यान कीजिए और अच्छी पुस्तकें पढ़िए।

जीवन की दिशा तभी स्पष्ट होती है जब मन के भीतर शांति हो। लक्ष्यहीन भटकाव केवल थकाता है, प्रेरित नहीं करता। आत्मिक यात्रा के लिए एकांत वह दीपक है, जो मन की गहराइयों को रोशन करता है। ध्यान और अध्ययन उस गहराई को दिशा देने वाले दो मजबूत स्तंभ हैं। ध्यान व्यक्ति को स्थिरता देता है और अध्ययन उसे विस्तार प्रदान करता है। दोनों मिलकर जीवन में लक्ष्य, अनुशासन और सृजनात्मकता का संचार करते हैं।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

यह आवश्यक नहीं कि मनुष्य समाज से कट जाए। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। लोगों में थोड़ा घुलना–मिलना जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है, किंतु वास्तविक समस्या तब उत्पन्न होती है, जब हम लोगों में इतने खो जाते हैं कि स्वयं से मिलने का अवसर ही न बचे, इसलिए प्रतिदिन एक–दो घंटे अपने लिए निकालना केवल मानसिक स्वास्थ्य नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का सबसे बड़ा मंत्र है। यही समय हमें सजग बनाता है, थकान को धोता है और भीतर की ऊर्जा को पुनः भरता है। अलग रहिए, पर अपने अंतर में स्थित रहिए- यही आदर्श संतुलन है।

एकांत का आनंद उठाना किसी पलायन का नाम नहीं है। यह स्वयं को पुनः निर्मित करने की प्रक्रिया है। यह वह शांति है, जो किसी कोने में बैठकर मन को उसकी मौलिक लय में वापस ले आती है। यह वह स्पेस है, जहां जीवन के अनुत्तरित प्रश्न स्वयं उत्तर बनने लगते हैं। विचार निर्मल होते हैं, भावनाएं संयमित होती हैं और लक्ष्य स्पष्ट होने लगते हैं। इतने सारे लाभों के बावजूद लोग एकांत से डरते हैं, क्योंकि उन्होंने स्वयं के साथ बैठने का अभ्यास ही नहीं किया, लेकिन सच यही है, जो व्यक्ति स्वयं के साथ सुखी है, वही दूसरों को भी सुख दे सकता है।

एकांत का आनंद लेने का अर्थ यह नहीं कि समाज से विमुख हो जाएं। मनुष्य का व्यक्तित्वपूर्ण तब होता है जब वह एकांत और मेल–मिलाप के बीच संतुलन बनाए रखे। जब आप दूसरों से मिलें तो पूरे प्रेम और मित्रता के साथ मिलें। आपकी उपस्थिति लोगों के मन में सकारात्मकता भर दे। यह एक साधना है और इस साधना का आधार भी एकांत ही है, जो व्यक्ति भीतर से स्थिर होता है, वही दूसरों के लिए प्रेरणा बनता है। ऐसे व्यक्ति को देखकर लोग भूलते नहीं, वे याद रखते हैं कि वे एक ऐसी आत्मा से मिले थे, जिसने उनके भीतर प्रसन्नता और प्रेम के बीज बोए। आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि लोगों के बीच रहते हुए भी लोग भीतर से अकेले हो गए हैं।

दुनियाभर में यौन हिंसा का शिकार बचपन

'द लैसेट' मैगजीन का यह खुलासा चिंतित करने वाला है कि दुनिया भर में 2023 में एक अरब से अधिक लोगों ने बचपन में यौन हिंसा का सामना किया है। मैगजीन के मुताबिक तकरीबन 60.8 करोड़ महिलाएं अपने साथी की ओर से की गई हिंसा का शिकार हुई हैं। सहारा अफ्रीका और साउथ एशिया में यौन हिंसा की दर सर्वाधिक है। मैगजीन के मुताबिक भारत में अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की शिकार महिलाओं की दर 23 प्रतिशत है। मैगजीन में यह भी खुलासा किया गया है कि 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की 30 प्रतिशत से अधिक महिलाओं और 15 वर्ष या उससे अधिक उम्र के 13 प्रतिशत पुरुषों ने बचपन में यौन हिंसा झेली है।

> 'द लैसेट' मैगजीन ने लिखा है कि 2023 में दुनियाभर में 15 वर्ष से ऊपर के एक अरब से अधिक लोगों ने यौन हिंसा का सामना किया है। तकरीबन 60 .8 करोड़ महिलाएं अपने साथी की ओर से की गई हिंसा का शिकार हुई हैं। 13 प्रतिशत पुरुषों ने बचपन में यौन हिंसा झेली है।

गौर करें तो यह पहली बार नहीं है जब इस तरह का मामला सामने आया है। भारत की बात करें तो राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के मुताबिक बच्चों के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत, नेपाल और श्रीलंका के प्रतिनिधि सर्वेक्षण आंकड़े बताते हैं कि इन तीनों देश में लगभग आठ में से एक बच्चा यानी 12.5 प्रतिशत 18 वर्ष की आयु पूरा होने तक यौन उत्पीड़न अथवा बलात्कार की शिकायत करता है। दक्षिण एशिया में 2024 में बाल यौन शोषण सामग्री की अधिकतर शिकायतें भारत, बांगलादेश और पाकिस्तान में दर्ज की गईं। इनमें अकेले भारत में 22.5 लाख मामले दर्ज किए गए।

अरविंद जयतिलक
लेखक

भारत में 2017 और 2022 के बीच पाक्सो कानून के तहत बच्चों के खिलाफ दर्ज यौन अपराधों में वृद्धि के संकेत हैं, हालांकि बढ़ती संख्या के बावजूद अभियोजन दर 90 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है, जो मजबूत प्रवर्तन एवं रिपोर्टिंग तंत्र का संकेत है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि इन सबके बावजूद यौन शोषण मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है और गुनाहगार सजा से बच निकल जा रहे हैं।

याद होगा कि गत वर्ष पहले कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन ने खुलासा किया था कि यौन शोषण के शिकार बच्चों में से औसतन चार को प्रतिदिन न्याय नहीं मिल रहा है। फाउंडेशन के मुताबिक पोक्सो के तहत दर्ज हजारों मामले जांच के बाद भी न्यायालय तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे प्रतिदिन चार पीड़ित बच्चों को न्याय नहीं मिल पा रहा है, चूंकि ज्यादतर पीड़ित कमजोर तबके से आते हैं, लिहाजा उनकी पैरवी ठीक ढंग से नहीं हो पाती। ऐसे में सुबूतों के अभाव में उनके केस बंद कर दिए जाते हैं।

गत वर्ष पहले सर्वोच्च अदालत ने देश में बच्चों से दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं को रोकने और ऐसे मामलों की जल्द जांच और ट्रायल सुनिश्चित करने के लिए विशेष जिला अदालतें बनाने का निर्देश दिया था। तब अदालत ने कहा था कि जिन जिलों में पोक्सो में 100 से ज्यादा मामले दर्ज हैं, ऐसे हर जिले में बाल यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून यानी पोक्सो के तहत विशेष अदालत गठित की जाए। सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा था कि दो महीने के भीतर विशेष अदालतों को गठित करने का समय तय किया जाए। ये अदालतें सिर्फ पोक्सो के मुकदमे सुनेंगी और अदालतों के गठन का पूरा खर्च केंद्र सरकार द्वारा उठाया जाएगा। बच्चों का यौन उत्पीड़न न हो, इसके लिए अदालत ने जागरुकता कार्यक्रम शुरू करने का भी निर्देश दिया था, विडंबना है कि बच्चों का यौन शोषण थमने का नाम नहीं ले रहा।

तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने बच्चों से बढ़ती दुष्कर्म की घटनाओं पर मीडिया रिपोर्ट के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले को जनहित याचिका में तब्दील करते हुए न्यायालय की मदद के लिए वरिष्ठ वकील वी गिरी को अमाइकस क्यूरी नियुक्त किया था। तब उम्मीद की गई थी कि शायद सर्वोच्च अदालत की इस सक्रियता से दुष्कर्म से जुड़े लंबित मामले निपटाने में मदद मिलेगी, लेकिन इस दिशा में अभी अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है, जबकि पाक्सो के तहत बच्चों का यौन शोषण करने वाले दोषियों को 20 साल कैद से लेकर मौत तक की कड़ी सजा के प्रावधान है, लेकिन इसके बावजूद भी दोषी दंड से बच निकल जा रहे हैं।

एक आंकड़े के मुताबिक देश में हर छह घंटे में एक बच्चे के साथ दुष्कर्म होता है। गत वर्ष पहले दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं पर सर्वोच्च अदालत को कहना पड़ा था कि देश में 'लेफ्ट, राइट, सेंटर' सब जगह दुष्कर्म हो रहे हैं। तब सर्वोच्च अदालत ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से संरक्षण गृहों में यौन उत्पीड़न की घटनाएं रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की भी जानकारी मांगी थी।

कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सब की खैर

शताब्दियों पहले संत कवि कबीर ने 'कबीरा खड़ा बाज़ार में, मांगे सबकी खैर, न काहू से दोस्ती, न काहू से बैर' दोहे में तेजी से पनपती बाजारवादी संस्कृति की ओर इशारा कर दिया था। ज्यादा नहीं बल्कि 4-5 दशक पहले घरों में कोई उत्सव पड़ता था, तो महीनों से उसकी तैयारी होने लगती थी। शादी-विवाह के अवसर पर गेहूं बीनने, चावल साफ करने तथा दाल घर को चकरी में पीसने में महिलाएं लग जाती थीं, तो पुरुषवर्ग शादी का सामान खरीदने आसपास के बड़े शहरों में जाते थे, क्योंकि यह धारणा थी कि बड़े शहरों के बाज़ार में वेरायटी के साथ कीमत भी कम लगेगी। इसके अलावा घर में रंग-रोगन आदि दो-तीन महीने पहले से शुरू हो जाता था।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

कुल मिलाकर कई महीने पहले से शादी का एक अघोषित नगाड़ा बजने लगता था। धीरे-धीरे समय बदला। निहायत घरेलू कार्यों में बाज़ार ने थोड़ा-थोड़ा दखल देना शुरू किया। शादी-विवाह के उत्सव घरों के बजाय धर्मशालाओं से होते होटलों में होने लगे। इसी बीच बाजार ने शादी-विवाह में खाने-पीने की वस्तुओं पर भी कब्जा जमाया और अब सिर्फ शहरों में ही नहीं, बल्कि गांवों तक में होटल आदि के जरिए बाजार ने सारा जिम्मा अपने ऊपर ले लिया। ऐसी स्थिति में परिवार और रिश्ते में जो सद्भाव बनता था, वह खत्म होने लगा। काम-धाम के बदले में मिलने वाले नेग-न्योछावर बाज़ार में जाने लगा। बात इतने पर ही नहीं रुक रही। वर्तमान समय में प्रायः लोग बाजार के सहारे जीवन जी रहे हैं।

थोड़ा कबीर के चिंतन पर मनन किया जाए तो बड़ा स्पष्ट संकेत कबीर देते हैं कि कबीर बाज़ार में खड़े तो हैं, लेकिन बाजार की संस्कृति इतनी प्रबल है कि वे किसी से कुछ न कहकर सबके लिए दुआ कर रहे हैं। यानी कबीर बाजार के चलते बिगड़ती घरों की अर्थव्यवस्था से चिंतित हैं, लेकिन बाजारवादी व्यवस्था में लोगों को काम मिलने से थोड़े संतुष्ट भी हैं। इसीलिए कबीर न किसी से दोस्ती करना चाहते हैं और न किसी से बैर का भाव प्रदर्शित करना चाहते हैं, लेकिन संत कवि होने के नाते उनके पास दुआ के अलावा और क्या है? इसलिए क्रेता-विक्रेता सब की ही भलाई चाहते हैं। वे जानते है कि पूंजी का प्रवाह होता रहेगा तो सबके हिस्से में कुछ न कुछ अवशय आएगा ही।

बदलते पर्यावरण की चेतावनी, वन्य जीवों में बढ़ रही आक्रामकता

पृथ्वी का संपूर्ण पर्यावरण एक सूक्ष्म संतुलन पर आधारित है, जिसमें वनों, नदियों, पहाड़ों, जलवायु और जीव-जंतुओं का परस्पर संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संतुलन में किसी भी प्रकार का अनुचित परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव सीधे वन्य जीवों और उनके व्यवहार पर दिखाई देने लगता है। हाल के वर्षों में वन्य जीवों में आक्रामकता का बढ़ना इसी पर्यावरणीय असंतुलन का स्पष्ट संकेत है, जो बताता है कि प्रकृति गंभीर बदलावों और दबावों से गुजर रही है। जंगलों की शांत दुनिया आज पहले जैसी नहीं रही। जहां कभी हवा में पत्तों की सरसराहट और पक्षियों की मधुर आवाजें गूंजती थीं, वहां अब बेचैनी व तनाव आहट स्पष्ट सुनाई देती है। वन्य जीवों के व्यवहार में आ रहे तीव्र परिवर्तन यह संकेत देते हैं कि प्रकृति अपनी सीमा से बाहर हो चुके मानवीय हस्तक्षेपों का विरोध कर रही है। पशु-पक्षियों में बढ़ती आक्रामकता केवल एक व्यवहारिक विचलन नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संकट का गंभीर लक्षण है। प्रश्न केवल जानवरों के उग्र होने का नहीं है, प्रश्न उस गहरे असंतुलन का है, जिसे हमने अपनी अनियंत्रित विकास-नीति और पर्यावरण के प्रति उदासीनता से जन्म दिया है।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

अत्यधिक तापमान कई जीवों की दिनचर्या को भी प्रभावित कर रहा है। जो जीव दिन में सक्रिय रहते थे, वे गर्मी से बचने के लिए रात में सक्रिय होने लगे हैं, जिससे विभिन्न प्रजातियों के बीच टकराव बढ़ रहा है। उदाहरण के लिए, बाघ, तेंदुआ, भालू और हाथी जैसी प्रजातियां तापमान बढ़ने पर अधिक सतर्क और क्रोधित दिखाई देते हैं। वैज्ञानिक यह भी मानते हैं कि जब तापमान लगातार बढ़ता है, तो जानवरों का मस्तिष्क 'सर्वाइवल मोड' में चला जाता है, जिससे वे किसी भी खतरे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हैं।

विश्व के कई हिस्सों में और विशेष रूप से भारत में, पिछले दो दशकों से वन्य जीवों का स्वभाव तेज़ी से बदल रहा है। बाघ, तेंदुए, हाथी, भालू, बंदर और यहां तक कि कई पक्षी प्रजातियों में भी असामान्य आक्रामकता देखी जा रही है। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि निरंतर बिगड़ते पर्यावरणीय हालात का परिणाम है। मानव आबादी के विस्तार के साथ जंगल सिकुड़ते गए और जानवरों की जीवन-शैली पर गहरा प्रभाव पड़ा। वनस्पतियों का कम होना, नदी-नालों का सूखना और तापमान का लगातार बढ़ना इन सबने मिलकर वन्य जीवों के व्यवहार को असामान्य दिशा में मोड़ दिया है।

बाघों और तेंदुओं जैसे बड़े शिकारी प्राणियों पर सबसे अधिक दबाव पड़ा है। इनके प्राकृतिक आवास जिस तेजी से टूटे हैं, वह इनके स्वभाव को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त था। जब शिकार का आधार घटता है और उनका इलाका छोटा पड़ने लगता है, तो वे तनाव में आ जाते हैं। यह तनाव उनके व्यवहार में अस्थिरता और आक्रामकता के रूप में प्रकट होता है। पिछले वर्षों में अनेक मामलों में देखा गया है कि बाघ और तेंदुए इंसानी बस्तियों की ओर बढ़ते हुए अधिक आक्रामक दिखाई दिए। इसका कारण केवल भूख नहीं, बल्कि उनके प्राकृतिक क्षेत्र में मानवीय दखल से उपजा मानसिक दबाव भी है।

हाथियों की आक्रामकता भी एक गहन पर्यावरणीय संकट की ओर इशारा करती है। हाथियों के पारंपरिक मार्ग, जिन्हें 'एलिफेंट कॉरिडोर' कहा जाता है, कई जगहों पर बंद हो चुके हैं। खेत, सड़कें, रेल लाइनें और बस्तियां इन मार्गों पर आ बसी हैं। हाथी जब इन बाधाओं से टकराते हैं, तो उनमें तनाव बढ़ता है और यही तनाव कई बार विनाशकारी रूप ले लेता है। यही कारण है कि असम, झारखंड, ओडिशा और केरल जैसे राज्यों में हाथियों द्वारा फसलें रौंदने, घर तोड़ने और कभी-कभी मानव पर हमला करने की घटनाएं बढ़ी हैं। यह हिंसा उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति नहीं, बल्कि परिस्थितियों से उपजा प्रतिरोध है। भालुओं के व्यवहार में आया बदलाव भी चिंता का विषय है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 14 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

इंडिगो विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया

रांची। झारखंड में रांची हवाई अड्डे पर उतरते समय इंडिगो के एक विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे तब हुई, जब भुवनेश्वर से रांची आया विमान हवाई ड्डे पर उतर रहा था। विमान में करीब 70 यात्री सवार थे। रांची हवाई अड्डे के निदेशक विनोद कुमार ने बताया कि उतरते समय विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। यात्रियों को अचानक झटका लगा। वे सभी सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई।

गुजरात में पुलिस पर हमला, 47 घायल

बनासकांठा। गुजरात में बनासकांठा जिले के पडलिया गांव में शनिवार को 500 लोगों की भीड़ द्वारा किए गए हमले में पुलिस, वन और राजस्व विभागों के कम से कम 47 अधिकारी घायल हो गए। घायलों में से 36 को अंबाजी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 11 को बेहतर इलाज के लिए पालनपुर सिविल अस्पताल भेजा गया। अधिकारियों ने हमले के कारणों का खुलासा नहीं किया। यह दूरस्थ स्थान दंता तालुका में स्थित है, जो तीर्थस्थल अंबाजी से 14 किलोमीटर दूर है। बनासकांठा के जिलाधिकारी मिहिर पटेल ने बताया कि यह घटना अपराह्न ढाई बजे तब हुई जब अधिकारियों की टीम वन विभाग के सर्वे नंबर नौ क्षेत्र में पौधरोपण कर रही थी।

कोझिकोड में विस्फोट में दो युवकों की मौत

कोझिकोड। केरल के कोझिकोड में शनिवार शाम को निकाय चुनावों से संबंधित विजय यात्रा के दौरान बालुस्सेरी और मलप्पुरम जिले के चेरुकावु में हुए विस्फोटों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) के दो कार्यकर्ताओं की मौत हो गई। बालुस्सेरी के पास मदाथुम्पाडी में यूडीएफ की विजय यात्रा में एक स्कूटर में विस्फोट होने से एक युवा कार्यकर्ता की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

चीता केपी-2 को वापस कूनो पहुंचाया

बारां। मध्य प्रदेश के कूनो के जंगलों से निकलकर दो सप्ताह पहले राजस्थान के बारां जिले की सीमा में आये अफ्रीकी चीता केपी -2 को कूनो से आया विशेष दल ट्रेंकुलाइज करके उसे वापस कूनो की ओर ले गया है। बारां डीएफओ विवेकानंद माणिकराव बड़े ने शनिवार को बताया कि कूनो से शुक्रवार को एक और दल बारां पहुंचा। इससे पहले चीते की सुरक्षा के लिए 16 दिनों से कूनो और बारां वन विभाग के दल निगरानी कर रहे थे।

राजकुमार गोयल बनाए गए मुख्य सूचना आयुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

- आठ नए सूचना आयुक्तों का किया गया चयन

पूर्व आईएएस राजकुमार गोयल सोमवार को मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) पद की शपथ लेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगी।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने गोयल के नाम की सिफारिश की थी। गोयल अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम-केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के 1990 बैच के (सेवानिवृत्त) आईएएस हैं। वह 31 अगस्त को विधि एवं न्याय मंत्रालय के अधीन न्याय विभाग में सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने गृह मंत्रालय में सचिव (सीमा प्रबंधन) भी रहे। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति ने बुधवार को बैठक के दौरान केंद्रीय सूचना आयोग में आठ सूचना आयुक्तों के नामों की भी सिफारिश की।

आयोग की अध्यक्षता मुख्य सूचना आयुक्त करते हैं और इसमें 10 सूचना आयुक्त होते हैं। वर्तमान में आनंदी रामलिंगम और विनोद तिवारी सूचना आयुक्त हैं। रेलवे बोर्ड की पूर्व प्रमुख जया वर्मा सिन्हा, खुफिया ब्यूरो, गृह मंत्रालय और पूर्व आईपीएस स्वागत दास, तत्कालीन केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) संजीव जिंदल, पूर्व आईएएस सुरेंद्र सिंह मीणा व वन सेवा के पूर्व अधिकारी खुशवंत सिंह सेठी सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्ति के लिए सिफारिश की गई है।

संसद पर हमले की बरसी : राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा-आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने को भारत प्रतिबद्ध

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सांसदों ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के नेतृत्व में सांसदों ने शनिवार को 2001 में संसद भवन पर आतंकवादियों के हमले के दौरान मारे गए लोगों को पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन हमले की 24वीं बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले शुरुआती नेताओं में शामिल थे। इस दिन की याद में हर साल 13 दिसंबर को पुराने संसद भवन (संविधान सदन) के बाहर एक छोटा समारोह आयोजित किया जाता है। इसके अलावा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले साहसी नायकों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश उनके और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा। मुर्मू ने एक्स पर कहा कि आज के दिन हम आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

संसद हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री मोदी।

उन्होंने लिखा कि देश उन वीर नायकों को नमन करता है जिन्होंने 2001 में इसी दिन हमारी संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी वीरता और कर्तव्यनिष्ठा हमारी राष्ट्रीय भावना को निरंतर प्रेरित करती रहेगी। देश उनके और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों ने कार्यक्रम स्थल पर सलामी या सम्मान गारद प्रस्तुत किया जिसके बाद शहीदों की याद में कुछ समय का मौन रखा गया।

इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा भी उपस्थित थीं। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू, जितेंद्र सिंह और अर्जुन राम मेघवाल ने भी हमले को नाकाम करते समय शहीद हुए कर्मियों की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला संसद के निचले सदन के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लातूर में हैं। बाद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस दिन हमारा देश उन लोगों को याद करता है जिन्होंने 2001 में हमारी संसद पर हुए जघन्य हमले के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने श्रद्धांजलि समारोह की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि गंभीर खतरे के बावजूद उनका साहस, सतर्कता और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा सराहनीय थी। भारत उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए सदा कृतज्ञ रहेगा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 2001 में संसद भवन पर हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को शनिवार को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनकी वीरता और राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ सेवा हर भारतीय को प्रेरित करती रहेगी।

नक्सलवाद से किसी को फायदा नहीं होता : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री बोले- आगामी पांच वर्षों में बस्तर देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र होगा

रायपुर, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने छत्तीसगढ़ के सात जिलों वाले बस्तर संभाग को अगले पांच वर्षों में देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाने का संकल्प लिया है। शाह ने कहा कि नक्सलवाद से किसी को फायदा नहीं होता, न तो हथियार उठाने वालों को और न ही सुरक्षाकर्मियों को, और शांति ही विकास का मार्ग प्रशस्त करती है।

उन्होंने फिर इस बात पर बल दिया कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म हो जाएगा। शाह ने राज्य के बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में बस्तर ओलंपिक-2025 खेल आयोजन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए माओवादियों से अनुरोध किया कि वे हथियार डाल दें और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो जाएं। सरकार ने 31 मार्च, 2026 से पहले देश से लाल आतंक को खत्म करने का फैसला किया है, यह लक्ष्य अब प्राप्ति के करीब है। शाह ने कहा कि आज मैं बस्तर में आया हूं तब मुझसे ज्यादा आनंद किसी व्यक्ति को नहीं हो सकता है। हमने तय किया था कि 31 मार्च के पहले देश से लाल आतंक को खत्म कर देंगे, और आज बस्तर ओलंपिक 2025 में हम इसके कगार पर खड़े हैं। मैं 2024 में भी आया था, 2025 में भी आया हूं और 2026 में भी आऊंगा, यह मेरा वादा है। परंतु, जब मैं 2026 में बस्तर ओलंपिक के लिए पहुंचूंगा, तब तक छत्तीसगढ़ और पूरे देश से नक्सलवाद का सफाया हो चुका होगा।

समापन समारोह में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

हथियार डाल पुनर्वास नीति का फायदा उठाइए

शाह ने कहा कि नक्सलवाद समाप्त हो, यह हमारा लक्ष्य जरूर है, पर क्यों है, क्योंकि नक्सलवाद इस क्षेत्र के विकास पर नाग बनकर बैठा था। नक्सलवाद समाप्त होने के साथ इस क्षेत्र में विकास की नई शुरुआत होगी। यह प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सबसे विकसित क्षेत्र बनेगा, इसका मुझे पूरा विश्वास है। शाह ने कहा कि गुमराह होकर हमारे ही लोग हाथ में हथियार लेकर बैठे हैं। हथियार डाल दीजिए पुनर्वास नीति का फायदा उठाइए। अपने और अपने परिवार के कल्याण में जुट जाइए, विकसित बस्तर के संकल्प के साथ आप जुड़ जाइए। शाह ने युवाओं से पुनर्वास नीति का फायदा उठाने का आग्रह किया।

केंद्र-राज्य सरकारें विकास के लिए प्रतिबद्ध

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग के सात जिलों – कांकेर, कोंडागांव, बस्तर, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और दंतेवाड़ा – को दिसंबर 2030 तक देश के सबसे विकसित आदिवासी जिलों के रूप में विकसित किया जाएगा। केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारें इन जिलों के हर घर के लिए आवास, बिजली, शौचालय, नल का पानी, रसोई गैस कनेक्शन, पांच किलोग्राम मुफ्त अनाज और पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र होगा। यहां हर गांव सड़कों से जुड़ा होगा, बिजली होगी, पांच किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाएं होंगी तथा प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का एक मजबूत जाल होगा।

अर्बन नक्सलियों को हुआ भारी नुकसान, 92 करोड़ मूल्य की संपत्ति की गई जब्त : सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विभिन्न एजेंसियों की समन्वित कार्रवाई के तहत 92 करोड़ की संपत्ति जब्त कर नक्सलियों को काफी हद तक संकुचित कर दिया है। शनिवार को सरकारी बयान में कहा गया है कि इस कार्रवाई से अर्बन नक्सलियों को भी गंभीर नैतिक व मनोवैज्ञानिक नुकसान पहुंचा है और उनके सूचना नेटवर्क पर नियंत्रण कड़ा कर दिया गया है। मार्च 2026 तक देश को पूरी तरह नक्सल-मुक्त बनाने के दृढ़ लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) में एक समर्पित प्रकोष्ठ का गठन किया है। इस प्रकोष्ठ ने 40 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है, जबकि राज्य के प्राधिकारियों ने अतिरिक्त 40 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। वहीं ईडी ने 12 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है। बयान में कहा गया है, समन्वित कार्रवाई से शहरी नक्सलियों को गंभीर नैतिक व मनोवैज्ञानिक क्षति पहुंची है और उनके सूचना आधारित युद्ध से जुड़े नेटवर्क पर नियंत्रण कड़ा किया गया है। कार्रवाई का विस्तृत विवरण देते हुए सरकार ने बताया कि 2014 में जहां 36 जिले नक्सलवाद से 'सबसे अधिक प्रभावित' थे।

मेसी के कार्यक्रम के बाद बोस को स्टेडियम में जाने से रोका

कोलकाता, एजेंसी

- राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इसे संवैधानिक पद का अपमान बताया

फुटबॉल दिग्गज लियोनेल मेस्सी से जुड़े एक कार्यक्रम में फैली अराजकता और भीड़ के उपद्रव के कुछ ही घंटों बाद शनिवार शाम को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस को साल्ट लेक स्टेडियम में प्रवेश करने से रोक दिया गया। राज्यपाल बोस ने प्रवेश न दिए जाने को अपने संवैधानिक पद का अपमान बताया और अधिकारियों से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि वह स्थल की जांच करके ही अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे। इससे पहले दर्शकों द्वारा तोड़फोड़ और कुप्रबंधन के आरोपों के बाद राज्यपाल ने इस घटना को कोलकाता के खेल-प्रेमी लोगों के लिए एक काला दिन" करार दिया था। उन्होंने राज्य सरकार से आयोजक को तुरंत गिरफ्तार करने, टिकट धारकों को धन वापसी करने और दोषी पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की थी। इस बीच, पुलिस ने कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शताद्रु दत्ता को गिरफ्तार कर लिया है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना की जांच के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है।

बीजेपी ने ममता के इस्तीफे की मांग की

भाजपा ने शनिवार को अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मैसी के कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में हुई अराजकता के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। पार्टी ने उनकी इस्तीफा की मांग की और प्रभावित प्रशंसकों को टिकटों की पूरी राशि वापस करने की मांग की। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने उच्च-स्तरीय कार्यक्रम में हुई गड़बड़ी को पश्चिम बंगाल के गौरव पर आपराधिक हमला" और उत्साही फुटबॉल प्रेमियों के साथ विश्वासघात करार दिया। राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए अधिकारी ने कहा कि यह घटना शासन और जवाबदेही की पूरी तरह से विफलता को दर्शाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ-साथ खेल मंत्री अरुप बिस्वास, अग्निशमन मंत्री सुजीत बोस और कार्यक्रम आयोजक शतद्रु दत्ता के इस्तीफे की मांग की।

दिल्ली में हाइब्रिड मोड में चलेंगी कक्षाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर सभी स्कूलों को कक्षा नौवीं और 11वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 'हाइब्रिड मोड' में कक्षाएं चलाने का निर्देश दिया है।

'हाइब्रिड मोड' से आशय ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों प्रकार से कक्षाएं संचालित करने से है। यह निर्णय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा जारी एक आदेश के बाद लिया गया है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के स्तर को और बिगड़ने से रोकने के लिए क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रेप) के तहत चरण-चार की कार्रवाई तत्काल प्रभाव से लागू की गई है। इस संबंध में 13 दिसंबर के परिपत्र के अनुसार, शिक्षा निदेशालय, एनडीएमसी, एमसीडी और दिल्ली छावनी बोर्ड के अंतर्गत आने वाले सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को अगले आदेश तक जहां भी संभव हो, ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों प्रकार की कक्षाएं संचालित करने का निर्देश दिया गया है।

आंकड़ों के अनुसार शनिवार को अब तक की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई जो 11 नवंबर को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम स्तर 428 को भी पार कर गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, एक्यूआई 431 रहा, जबकि वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली ने अनुमान जताया है कि रविवार को भी एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में रहेगा।

50 प्रतिशत कर्मचारी घर से करेंगे काम

आधिकारिक आदेश में, सरकार ने निर्देश दिया है कि सभी प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्ष नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित रहें, लेकिन कर्मचारियों की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक ना हो। आदेश में कहा गया है कि शेष 50 प्रतिशत कर्मचारी घर से काम करेंगे, हालांकि प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्ष आवश्यक और आपातकालीन सार्वजनिक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्यालय में बुला सकते हैं। इसी प्रकार, आदेश में यह भी कहा गया है कि दिल्ली में संचालित सभी निजी कार्यालय 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों की उपस्थिति के बिना कार्य करेंगे। इसमें कहा गया है कि शेष कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से घर से काम करना होगा। आदेश में सभी निजी संस्थाओं से आग्रह किया गया है कि जहां तक संभव हो, वे कार्य का अलग-अलग समय लागू करें।

केरल : निगम चुनाव में भाजपा ने एलडीएफ को हराया

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- 101 वार्ड में से भाजपा को 50, एलडीएफ को 29, यूडीएफ को 19 पर मिली जीत

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के नगर निकाय चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शानदार जीत हासिल की। राजग ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को शिकस्त देकर निगम पर 45 वर्षों के वामपंथी शासन का अंत कर दिया।

विश्लेषकों का मानना है कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में मिली जीत से 2026 के विधानसभा चुनाव में विशेष रूप से राज्य की राजधानी में भाजपा की संभावनाओं को काफी बल मिलेगा। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्ड में से भाजपा को 50 में, एलडीएफ को 29 में, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ)को 19 में और दो निर्दलीय को जीत मिली है। भाजपा सदन में बहुमत हासिल करने से एक वार्ड दूर है। राजग ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के साथ टक्कर के बाद पलक्कड़ नगरपालिका को बरकरार रखा व कांग्रेस को त्रिप्पुनिथुरा में शिकस्त दी। लोकसभा चुनाव में भाजपा के सुरेश गोपी ने त्रिशूर सीट पर जीत दर्ज की थी।

राजग की जीत केरल में ऐतिहासिक क्षण : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नगर निगम चुनाव में राजग को मिले जनादेश को केरल की राजनीति में ऐतिहासिक क्षण बताया और नतीजों के लिए कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा कि धन्यवाद तिरुवनंतपुरम। नगर निगम में भाजपा-राजग को मिला जनादेश केरल की राजनीति में ऐतिहासिक क्षण है। जनता को विश्वास है कि केरल की आकांक्षाओं को केवल भाजपा ही पूरा कर सकती है।

मनरेगा पर भाजपा कांग्रेस आमने सामने

नई दिल्ली। भाजपा ने शनिवार को कहा कि ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का नाम बदलने का प्रधानमंत्री का निर्णय इसकी भावना को बदलने के लिए है। राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने मनरेगा को लेकर कांग्रेस की आलोचना पर कहा कि विपक्षी दल व उसके नेता इसे समझ नहीं सकते।

- योजना का नाम बदलने पर कांग्रेस ने घेरा, भाजपा का पलटवार

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मनरेगा पर कहा था कि मोदी सरकार योजनाओं का नाम बदलने में मास्टर है। इस योजना के नाम में महात्मा गांधी होने में क्या गलत है। कांग्रेस संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कभी मनरेगा को विफलता का स्मारक कहा था।

भाजपा नेता त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित किया है और वे इसी भावना के साथ काम करते हैं। कांग्रेस, जिसने हम हैं यहां के राजकुमार के सिद्धांत पर काम किया है, वह उसको नहीं समझ सकती।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर दो हादसों में 12 से अधिक गाड़ियां आपस में टकराई

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

- घने कोहरे के कारण हुआ हादसा पांच किमी लगा लंबा जाम

उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिला के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के दो अलग-अलग मार्ग पर शनिवार को घने कोहरे के कारण 12 से अधिक गाड़ियां आपस में टकरा गई। ठंड के साथ घने कोहरे से ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र स्थित ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे के चक्रसेनपुर फ्लाईओवर और समाधिपुर फ्लाईओवर पर एक के बाद एक वाहन आपस में टकरा गए,जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गए। इस हादसे से पांच किलोमीटर लंबा जाम लगा गया।

ईस्टर्न एक्सप्रेस-वे पर हुए हादसे की लोग ने पुलिस और हाईवे के टोल कर्मचारियों को सूचना दी। दादरी थाना पुलिस और एनएचएआई के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और यातायात को कुछ समय के लिए रोक दिया। वाहनों को मार्ग से हटवाकर और घायलों को अस्पताल भेजने के बाद यातायात फिर से शुरू कराया गया।

वाहनों के लिए पहले से जारी है दिशानिर्देश

यातायात पुलिस की ओर से एक्सप्रेस-वे पर वाहनों के लिए गति सीमा के निर्देश पहले से जारी है। इसमें कहा गया है कि शीत ऋतु में कोहरे, धुंध से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यमुना एक्सप्रेस वे, नोएडा, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे, नोएडा एलिवेटेड रोड और जिले के अन्य मार्गों पर दिसंबर से लेकर फरवरी 2026 तक सभी वाहनों की गति सीमा तय है। इसके तहत हल्के वाहनों की अधिकतम गति सीमा 75 किमी प्रति घंटा यमुना एक्सप्रेस-वे पर है, भारी वाहनों की 60 किमी प्रति घंटा है, नोएडा-ग्रेटर नोएडा पर हल्के वाहन 75 व भारी वाहन 50 किमी प्रति घंटा की गति से चल सकते हैं।

कश्मीर में बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, एजेंसी

कश्मीर में बादल छाए रहने से न्यूनतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हुई, जिससे ठंड से हल्की राहत मिली है। मौसम विभाग ने घाटी के ऊंचे क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी होने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 2.9 डिग्री नीचे रहा, जो पिछली रात के तापमान (शून्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस नीचे) से अधिक है। रात का तापमान इस मौसम के सामान्य तापमान से 1.7 डिग्री कम था। शहर और घाटी के अधिकांश हिस्सों में घना कोहरा है, विशेष रूप से जल निकायों के आसपास के क्षेत्रों को कोहरे से ढके हुए हैं। दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड में न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री नीचे और उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में शून्य से 2.4 डिग्री नीचे है।

उत्तर भारत में भी बढ़ी ठंड

नई दिल्ली। उत्तर भारत में तापमान में तेज़ी से गिरावट देखी जा रही है। पंजाब, उत्तराखंड, जम्मू- कश्मीर, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में शीतलहर तेज़ी से बढ़ रही है। महाराष्ट्र में शीतलहर चलने से कई जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे गिर सकता है। आईएमडी के अनुसार देश के कई राज्यों के कई इलाकों में सुबह घना कोहरा देखा जा सकता है। दिसंबर में ठंड बढ़ने पर विद्यालयों के खुलने के समय में बदलाव हो सकता है।

वैष्णो देवी मंदिर में तीर्थयात्रियों के लिए खोला साधना कक्ष

जम्मू। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) की ओर से जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकूट पर्वत पर स्थित पवित्र मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नवस्थापित एक साधना कक्ष को शनिवार को खोल दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि भवन क्षेत्र में नवस्थापित साधना कक्ष को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं के लिए खोला गया। उन्होंने कहा कि यह आध्यात्मिक वातावरण को और समृद्ध करने तथा आगंतुकों के बीच गहन भक्तिमय जुड़ाव को सुगम बनाने के उद्देश्य से की गई एक महत्वपूर्ण पहल है।

विराट हिंदू सम्मेलन

आरएसएस प्रमुख ने एकता और सांस्कृतिक गौरव का किया आह्वान

स्वामी विवेकानंद के संदेश से प्रेरणा ले हिंदू समाज : भागवत

श्री विजयपुरम, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को हिंदू समाज से स्वामी विवेकानंद के उस संदेश से प्रेरणा लेने की अपील की कि हर राष्ट्र का एक दायित्व होता है जिसे उसे निभाना होता है और एक नियति होती है, जिसे उसे प्राप्त करना होता है। यहां नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक मान्यता को आकार देने में केवल सत्य से कहीं अधिक शक्ति का योगदान है। उन्होंने कहा, विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है, उसको मानता है...भले मन से नहीं, पर मानता जरूर है। भागवत ने कहा कि एक सशक्त समाज के निर्माण और राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एकजुटता आवश्यक है। उन्होंने कहा, यदि हिंदू जागृत हों, तो विश्व जागृत होगा। विश्व को विश्वास है कि भारत ही मार्ग प्रशस्त करेगा। समस्याओं पर समय बर्बाद करने के बजाय, हमें समाधान खोजने चाहिए। किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है, और शक्ति केवल एकता से ही प्राप्त होती है।" भगवान कृष्ण और वन में रहने वाले एक राक्षस के बारे में महाभारत की एक कथा सुनाते हुए, भागवत ने कहा कि टकराव हमेशा समाधान नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अर्जुन और सात्यकी ने राक्षस से लड़ने की कोशिश की, लेकिन हर वार के साथ वह और बड़ा होता गया। कृष्ण ने हस्तक्षेप किया, टकराव से बचते हुए और सूझबूझ से बिना लड़ाई के ही उसे वश में कर लिया। इससे यह सीख मिलती है कि हर समस्या के लिए बल प्रयोग जरूरी नहीं समाधान स्थिति को समझने पर निर्भर करता है।

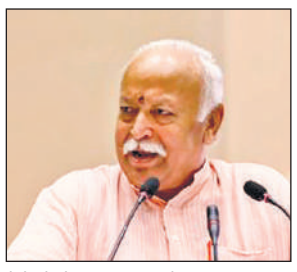

मजबूत समाज के लिए घर से ही हों प्रयास

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि एक मजबूत और स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रयास घर से ही शुरू होने चाहिए। उन्होंने कहा, अपने इलाके में दोस्त बनाएं, परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएं और नियमित रूप से पारिवारिक समारोह आयोजित करें। विशेष अवसरों पर पारंपरिक पोशाक पहनने और परिवार के साथ मिलकर भोजन करने पर गर्व महसूस करें। अपनी संस्कृति से प्यार करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अब यह तय करने का समय आ गया है कि हम अपने घरों में स्वामी विवेकानंद का चित्र रखना चाहते हैं या माइकल जैक्सन की तस्वीर। देशभक्ति एक नागरिक कर्तव्य है।

आंध्र ने फिर जीता ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार

अमरावती। आंध्र प्रदेश ने ऊर्जा संरक्षण और दक्षता के क्षेत्र में निरंतर और प्रगतिशील सुधार के लिए लगातार चौथे वर्ष राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार–2025 हासिल किया है। मुख्य सचिव के विजय आनंद ने कहा कि दक्षिणी राज्य ने भवन, उद्योग, नगर निकाय, कृषि, डिस्कॉम (बिजली वितरण कंपनियां) और परिवहन क्षेत्रों में अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार–2025 के समूह-दो वर्ग में प्रथम पुरस्कार जीता है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 14 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

शिपरॉकेट ने सेबी को जमा किए कागजात

नई दिल्ली। टेमासेक समर्थित ई-कॉमर्स मंच शिपरॉकेट ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 2,342 करोड़ जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी द्वारा पेश प्रारंभिक दस्तावेज के अनुसार, आईपीओ में 1,100 करोड़ तक के शेयरों का नया निर्गम और बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा 1,242.3 करोड़ के शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। बिक्री पेशकश (ओएफएस) के हिस्से के रूप में लाइटरोक, ट्राइब कैपिटल, बर्टेल्समैन, अरविंद लिमिटेड, गौतम कपूर, साहिल गोयल और विशेष खुराना अपनी हिस्सेदारी कम करेंगे। आईपीओ से प्राप्त राशि का मुख्य उद्देश्य शिपरॉकेट के मंच के विकास को बढ़ावा देना होगा।

असम में खुला टीवीएस का तकनीकी केंद्र

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा ने गुवाहाटी में टीवीएस क्रेडिट टेक्नोलॉजी सेंटर का उद्घाटन किया है। राज्य सरकार ने बताया कि इस टेक्नोलॉजी सेंटर के लिए इस साल फरवरी में आयोजित निवेश सम्मेलन ''एडवांटेज असम 2.0'' के दौरान एक समझौता किया गया था। यह केंद्र असम सरकार के मजबूत डिजिटल परिवेश बनाने के लक्ष्य के अनुरूप है, जिससे युवाओं को डिजिटल युग की जरूरतों के हिसाब से कौशल प्रशिक्षण दिया जा सके। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह केंद्र असम ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा।

सेल की बिक्री अप्रैल-नवंबर में 14% बढ़ी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता कंपनी सेल की बिक्री मूल्य दबाव और मांग में अस्थिरता के बीच अप्रैल-नवंबर 2025 अवधि के दौरान सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.27 करोड़ टन हो गई। इस्पात क्षेत्र की प्रमुख कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएआईएल) ने पिछले वर्ष 1.11 करोड़ टन की बिक्री की थी। वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों से मूल्य दबाव और मांग में अस्थिरता सहित कई चुनौतियों के बावजूद मजबूत बिक्री रणनीति के कारण यह मजबूत प्रदर्शन संभव हो पाया।

शुल्क वृद्धि पर मेक्सिको के संपर्क में भारत

शुल्क की घोषणा उन देशों के खिलाफ की जिनका मेक्सिको से मुक्त व्यापार समझौता नहीं है

- **भारतीय दूतावास ने मेक्सिको के आर्थिक मंत्रालय से विशेष रियायतों की मांग की थी**

नई दिल्ली, एजेंसी

मेक्सिको के कई उत्पादों पर एकतरफा तरीके से शुल्क बढ़ाने के फैसले को लेकर भारत उसके साथ संपर्क में है, ताकि पारस्परिक रूप से लाभकारी समाधान निकाला जा सके। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। साथ ही, नई दिल्ली ने अपने निर्यातकों के हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखा है। इन शुल्क की घोषणा उन देशों के खिलाफ की गई है, जिनका मेक्सिको के साथ मुक्त व्यापार समझौता नहीं है। इनमें भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं।

अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में विधेयक पेश किए जाने के शुरुआती चरण से ही भारत मेक्सिको के साथ संवाद में था। मेक्सिको स्थित भारतीय दूतावास ने 30 सितंबर 2025 को मेक्सिको के आर्थिक मंत्रालय के सामने यह मुद्दा उठाया था और भारतीय निर्यात को नए शुल्कों से बचाने के लिए विशेष रियायतों की मांग की थी।

अधिकारी ने कहा कि भारत मेक्सिको के साथ अपनी साझेदारी को महत्व देता है और दोनों देशों के व्यवसायों और उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने वाले स्थिर एवं संतुलित व्यापारिक माहौल की दिशा में सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके अलावा, दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने पर भी विचार कर रहे हैं और औपचारिक वार्ता शुरू करने के लिए संदर्भ शर्तों (टीओआर) को जल्द अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है।

पांच से 50% तक का ऊंचा आयात शुल्क

इस फैसले के तहत, मेक्सिको उन देशों से आने वाले व्यापक श्रेणी के उत्पादों (1,463 शुल्क लाइनों) पर लगभग पांच प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक का ऊंचा आयात शुल्क लगाएगा, जिनका उसके साथ मुक्त व्यापार समझौता नहीं है। इनमें भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं। जिन वस्तुओं को इसके दायरे में लाया जाएगा, उनकी सूची अभी आधिकारिक रूप से जारी नहीं की गई है। ये बढ़े हुए शुल्क एक जनवरी 2026 से प्रभावी होंगे। इस संबंध में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और मेक्सिको के उप-आर्थिक मंत्री लुइस रोजेंडो के बीच उच्चस्तरीय बैठक पहले ही हो चुकी है और आगे तकनीकी स्तर की बैठकों की उम्मीद है।

समझौता भारतीय कंपनियों की करेगा मदद

विशेषज्ञों का कहना है कि यह व्यापार समझौता भारतीय कंपनियों को इन शुल्कों से बचाने में मदद करेगा। ये शुल्क अमेरिका के दबाव में लगाए गए हैं, ताकि चीन के खिलाफ शुल्क बढ़ाने के मामले में अमेरिका के साथ तालमेल किया जा सके। मेक्सिको की सीनेट ने 11 दिसंबर 2025 को नए शुल्क उपाय को मंजूरी दी थी, जिसे बाद में संसद के दोनों सदनों से भी स्वीकृति मिल गई। इसका उद्देश्य विनिर्माण को बढ़ावा देना और व्यापार असंतुलन को कम करना है।

चावल-गेहूं नरम, चीनी मजबूत व दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, एजेंसी

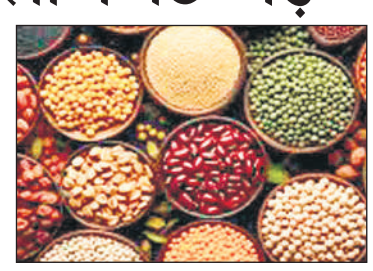

- **औसत दर्जे के चावल की कीमत 99 रुपये गिरी, गेहूं 12 रुपये हुआ सस्ता**
- **चना दाल 36 और मसूर दाल 39 रुपये प्रति क्विंटल हुई सस्ती**

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल के औसत भाव टूट गए। गेहूं में भी नरमी देखी गयी। वहीं, चीनी के दाम बढ़ गए जबकि दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 99 रुपये गिरकर 3,755.96 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं 12 रुपये सस्ता हुआ और 2,848.44 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत चार रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। चना दाल औसतन 36 रुपये और मसूर दाल 39 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल 52 रुपये और मूंग दाल छह रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। उड़द दाल की कीमत 22 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।

स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 18 रुपये और वनस्पति 12 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत 15 रुपये और मूंगफली तेल की 64 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। वहीं, सोया तेल में 26 रुपये और पाम ऑयल 41 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत पांच रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चीनी भी 26 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

एडवेन बायोटेक को मिला आयुष प्रीमियम प्रमाणन

नई दिल्ली, एजेंसी

- **भारत की पहली होम्योपैथिक कंपनी बनने का दावा**

दवा कंपनी एडवेन बायोटेक ने आयुष प्रीमियम प्रमाणन प्राप्त करने की घोषणा की है। कंपनी का दावा है कि यह प्रतिष्ठित मान्यता हासिल करने वाली वह भारत की पहली होम्योपैथिक ब्रांड बन गई है।

आयुष प्रीमियम प्रमाणन को गुणवत्ता, शुद्धता और सुरक्षा के उच्च अंतर्राष्ट्रीय मानकों का प्रतीक माना जाता है। कंपनी के अनुसार, इस उपलब्धि के साथ एडवेन बायोटेक विश्वस्तरीय होम्योपैथिक निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी पंक्ति में आ गई है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है, जब भारत का होम्योपैथिक और आयुष क्षेत्र तेजी से विस्तार के दौर से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों ने आयुष उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एडवेन बायोटेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आदेश शर्मा ने कहा कि आयुष प्रीमियम प्रमाणन प्राप्त करना उपभोक्ताओं को सुलभ और किफायती कीमत पर विश्व स्तर की गुणवत्ता वाली होम्योपैथिक दवाएं उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फर्जी राजनीतिक दान दावों पर ईमेल एसएमएस भेज रहा आयकर विभाग

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सीबीडीटी ने कहा- आंकड़ों के विश्लेषण के माध्यम से दान के नाम पर बड़ी मात्रा में फर्जी दावों का चला पता**
- **करदाताओं के हितों को ध्यान में रखकर एक लक्षित एक अभियान वित्त मंत्रालय ने किया शुरू**

आयकर विभाग ने गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों या धर्मार्थ संस्थानों से संबंधित गलत कटौती दावों के लिए करदाताओं को एसएमएस और ईमेल से सलाह भेजना शुरू कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि आंकड़ों के विश्लेषण के माध्यम से उसने पाया है कि पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) या धर्मार्थ संस्थानों को दान के नाम पर बड़ी मात्रा में फर्जी दावे किए गए हैं, जिससे उनके कर दायित्वों को कम किया गया है और फर्जी धनवापसी का भी दावा किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि करदाताओं के हित में एक लक्षित एक अभियान शुरू किया गया है, जो उन्हें अपने आईटीआर अपडेट करने और किसी भी गलत दावे को वापस लेने का अवसर प्रदान करता है। 12 दिसंबर 2025 से ऐसे करदाताओं के पंजीकृत मोबाइल नंबर और ईमेल पर एसएमएस और ईमेल सूचनाएं भेजी जा रही हैं। वित्त मंत्रालय के निर्देश पर आयकर विभाग यह कार्रवाई कर रहा है।

55% लोगों की सर्दियों में घूमने की योजना गोवा-केरल आगे

मुंबई। एयरबीएनबी की एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 55 प्रतिशत भारतीयी हर साल सर्दियों में घूमने की योजना बनाते हैं और इस दौरान गोवा और केरल उनकी शीर्ष पसंद रहते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय सर्दियों में केवल छुट्टियां मनाने के लिए ही नहीं, बल्कि तनाव से दूर होकर आराम करने के लिए से भी यात्रा करते हैं।

एयरबीएनबी के भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के ''कंट्री हेड'' अमनप्रीत बजाज ने कहा कि इस सर्दी के मौसम में गोवा, केरल, राजस्थान और हिमालयी राज्य घरेलू यात्रा में सबसे आगे हैं। उन्होंने एयरबीएनबी के आंतरिक आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 55 प्रतिशत भारतीय हर साल सर्दियों में यात्रा की योजना बनाते हैं, जिससे यह पता चलता है कि अनुकूल मौसम तथा मनमोहक नजारों के कारण सर्दी भारत में घूमने के पसंदीदा मौसमों में से एक बन चुकी है।

स्टार्टअप कंपनियां तलाशेंगी वायु प्रदूषण का समाधान

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए समाधान तलाशने के उद्देश्य से शनिवार को 40 स्टार्टअप संस्थापकों और कारोबारी प्रतिनिधियों की बैठक हुई। बयान के अनुसार यह बैठक सेंट्रल पार्क में हुई, जिसमें वेंचर कैपिटल और प्राइवेट इक्विटी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। बै

- **वायु प्रदूषण के समाधान पर चर्चा करने को स्टार्टअप संस्थापकों की हुई बैठक**

ठक में आवागमन, कृषि और वायु शुद्धिकरण जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे स्टार्टअप ने अपने-अपने समाधान साझा किए और इन्हें बड़े स्तर पर लागू करने में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। कार और बाइक साझा करने के मंच क्विक राइड के सह-संस्थापक विशाल लावटी ने कहा कि निजी वाहन दिल्ली में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन जैसे दीर्घकालिक उपाय मददगार होंगे, लेकिन कार साझा करने और बाइक साझा करने जैसी सरल और तुरंत अपनाई जा सकने वाली गतिविधियां प्रदूषण कम करने में प्रभावी हैं। इसके लिए किसी अतिरिक्त अवसंरचना की आवश्यकता नहीं है, केवल जागरूकता और सहभागिता जरूरी है। इस बैठक का आयोजन करने वाली 'द भारत प्रोजेक्ट' की संस्थापक श्रद्धा शर्मा ने कहा कि अगले 11 महीनों में क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, ताकि अगले वर्ष दिल्ली वायु प्रदूषण से बेहतर तरीके से निपट सके।

स्विगी ने क्यूआईपी से जुटाए 10,000 करोड़ कंपनी की हैसियत 14,000 करोड़ से अधिक

मुंबई, एजेंसी

- **21 एमएफ, आठ घरेलू बीमा कंपनियां और 50 ग्लोबल निवेशकों ने किया निवेश**

ऑनलाइन खाना और घरेलू सामान की डिलीवरी करने वाली कंपनी स्विगी ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए 10,000 करोड़ रुपये (1.2 अरब डॉलर) जुटा लिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया कि इसमें 21 म्यूचुअल फंड्स, आठ घरेलू बीमा कंपनियों और 50 ग्लोबल निवेशकों ने भाग लिया है। इससे स्विगी की कुल नकद हैसियत अब बढ़कर 14,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

म्यूचुअल फंड्स की ओर से एसबीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एचडीएफसी, निप्पॉन इंडिया कोटक, मिराए एसेट, एक्सिस और आदित्य बिड़ला जैसे बड़े नामों ने स्विगी में निवेश किया है। वहीं बीमा कंपनियों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस प्रमुख निवेशकों में रहीं।

ग्लोबल निवेशकों में कैपिटल ग्रुप, सिंगापुर का जीआईसी, ब्लैकरॉक, नोमुरा एसेट, टीमसेक, फिडिलिटी और गोल्डमैन सैक्स एसेट मैनेजमेंट जैसे संस्थानों ने स्विगी के क्यूआईपी में हिस्सा लिया। 80 से ज्यादा निवेशकों की बोलियों में से 61 को अलॉटमेंट मिला और इनमें 15 से अधिक नए शेयरधारक हैं। स्विगी के सीईओ हर्षा माजेटी ने कहा कि ग्लोबल और घरेलू निवेशकों से मिली प्रतिक्रिया कंपनी के लिए गहरे भरोसे को दिखाती है। यह अतिरिक्त पूंजी कंपनी को अपने कोर बिजनेस को मजबूत करने, इंस्टामार्ट को स्केल करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए निवेश को लचीलापन देगी।

जुटाई गई राशि का सबसे बड़ा हिस्सा 4,475 करोड़ रुपये स्विगी क्विक-कॉमर्स नेटवर्क के विस्तार और संचालन में लगाएगी। इसमें इंस्टामार्ट को सपोर्ट करने वाले डार्क स्टोर्स और वेयरहाउस शामिल हैं। तकनीक और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 985 करोड़, ब्रांड मार्केटिंग और बिजनेस प्रमोशन के लिए 2,340 करोड़ खर्च किए जाएंगे। कंपनी ने बताया कि दिसंबर 2025 से नवंबर 2027 के लिए वह मार्केटिंग पर 1,961 करोड़ खर्च करेगी। 1.2 अरब डॉलर की क्यूआईपी में से 1 अरब डॉलर (8,800 करोड़) घरेलू म्यूचुअल फंड्स से आए हैं, जबकि शेष 200 मिलियन डॉलर विदेशी संस्थागत निवेशकों से मिले हैं।

2025 में सोने ने 50 से ज्यादा बार बनाया ऑल-टाइम हाई

मुंबई, एजेंसी

- **1971 के बाद चांदी ने भी किया सबसे अच्छा प्रदर्शन**

वैश्विक स्तर पर बनी हुई अनिश्चितता के कारण सोने में लगातार उछाल जारी है। साल 2025 सोने के लिए काफी शानदार रहा। 2025 में सोने ने 50 से ज्यादा बार नया ऑल-टाइम हाई बनाया और निवेशकों को 65 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वहीं चांदी ने भी 1971 के बाद अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। 2026 में भी सोने की आगे की चाल भू-राजनीतिक जोखिमों, सेंट्रल बैंकों और ईटीएफ की खरीद, ग्लोबल आर्थिक हालात और डॉलर की दिशा पर निर्भर करेगी।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 1 जनवरी 2025 को सोने की कीमत 2,600 डॉलर प्रति औंस थी। पूरे साल इसमें तेजी देखी गई। 13 दिसंबर तक सोने का भाव बढ़कर 4,300 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया, जो इस साल अब तक 65 प्रतिशत की तेजी को दिखाता है। भारत के मुंबई में 1 जनवरी 2025 को सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास था, जो अब बढ़कर 1,34,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में 72 प्रतिशत की उछाल आई है।

वहीं, चांदी ने भी 2025 में तेजी दिखी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमतें साल की शुरुआत में 28 डॉलर प्रति औंस थीं, जो 13 दिसंबर तक बढ़कर 62 डॉलर प्रति औंस हो गईं। इस तरह चांदी ने साल भर में 121 प्रतिशत की छलांग लगाई। भारत में सोना-चांदी अंतर्राष्ट्रीय बाजार के मुकाबले ज्यादा महंगे हैं।

सेक्टर परफॉरमेंस

अर्थव्यवस्था और शेयर बाज़ार के विश्लेषण का आधार

सेक्टर परफॉरमेंस किसी भी अर्थव्यवस्था और शेयर बाज़ार के विश्लेषण का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह दर्शाता है कि अलग-अलग उद्योग या सेक्टर- जैसे आईटी, बैंकिंग, फार्मा, ऑटो, एफएमसीजी और रियल एस्टेट- किस प्रकार आर्थिक परिस्थितियों, नीतिगत फैसलों और वैश्विक घटनाओं के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। निवेशकों के लिए सेक्टर परफॉरमेंस को समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि इससे यह पता चलता है कि किस समय कौन-सा सेक्टर बेहतर रिटर्न दे सकता है। साथ ही, यह जोखिम प्रबंधन और पोर्टफोलियो विविधीकरण में भी मदद करता है। बदलते आर्थिक चक्र में सेक्टरों का प्रदर्शन अलग-अलग रहता है, इसलिए सही विश्लेषण दीर्घकालिक निवेश सफलता की कुंजी बनता है।

उद्योग समूह का समग्र प्रदर्शन

सेक्टर परफॉरमेंस का अर्थ है किसी विशेष उद्योग समूह का समग्र प्रदर्शन, जिसे आमतौर पर शेयर कीमतों, मुनाफे, विकास दर और निवेशकों की रुचि के आधार पर मापा जाता है। हर सेक्टर की अपनी विशेषताएँ, चुनौतियां और अवसर होते हैं, जो उसके प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए, आर्थिक वृद्धि के दौर में ऑटो, बैंकिंग और कैपिटल गुड्स जैसे सेक्टर तेजी से आगे बढ़ते हैं, जबकि मंदी के समय एफएमसीजी और फार्मा जैसे डिफेंसिव सेक्टर अपेक्षाकृत स्थिर रहते हैं।

बैंकिंग और वित्तीय सेवा

बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं का सेक्टर अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। ब्याज दरों, ऋण मांग और एनपीए स्तरों में बदलाव इस सेक्टर के प्रदर्शन को सीधे प्रभावित करते हैं। जब ब्याज दरें स्थिर या कम होती हैं और ऋण मांग बढ़ती है, तब बैंकिंग सेक्टर अच्छा प्रदर्शन करता है। इसके विपरीत, आर्थिक अनिश्चितता के समय इस सेक्टर पर दबाव बढ़ सकता है।

एफएमसीजी में सुरक्षित निवेश

एफएमसीजी सेक्टर को आमतौर पर सुरक्षित निवेश माना जाता है क्योंकि इसके उत्पाद दैनिक उपयोग से जुड़े होते हैं। महंगाई, कच्चे माल की कीमतें और ग्रामीण मांग इस सेक्टर के प्रमुख कारक हैं। स्थिर मांग के कारण यह सेक्टर उतार-चढ़ाव भरे बाजार में भी संतुलन प्रदान करता है।

आईटी सेक्टर

आईटी सेक्टर का प्रदर्शन मुख्यतः वैश्विक मांग, मुद्रा विनिमय दर और तकनीकी नवाचारों पर निर्भर करता है। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी प्रवृत्तियां इस सेक्टर को दीर्घकालिक मजबूती देती हैं। हालांकि, वैश्विक मंदी या प्रमुख देशों में आईटी खर्च में कटौती इसका असर घटा सकती है।

फार्मा और हेल्थकेयर

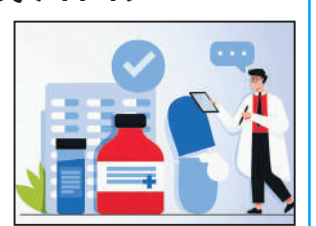

फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और अनुसंधान पर आधारित होता है। महामारी जैसे असाधारण हालात में इस सेक्टर ने मजबूत प्रदर्शन दिखाया है। वहीं, सरकारी नीतियाँ और दवा अनुमोदन प्रक्रियाएँ इसके प्रदर्शन को प्रभावित करती हैं।

बेहतर रिटर्न और जोखिम संतुलन

निवेश के दृष्टिकोण से, सेक्टर परफॉरमेंस का विश्लेषण निवेशकों को यह समझने में काफी मदद करता है कि किस चरण में कौन-सा सेक्टर प्राथमिकता में होना चाहिए। सही समय पर सेक्टर रोटेशन रणनीति अपनाकर बेहतर रिटर्न और जोखिम संतुलन को प्राप्त किया जा सकता है। अंततः सेक्टर परफॉरमेंस का गहन अध्ययन समझदार और दीर्घकालिक निवेश का आधार बनता है। इस आधार का उयोग निवेश को सुरक्षा प्रदान करने के लिए किया जा सकता है।

विश्लेषण

दिसंबर में अब तक बेचे 18,000 करोड़ रुपये के शेयर, डीआईआई ने की दोगुनी राशि की खरीदारी

विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी, घरेलू बने शुद्ध खरीदार

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार जारी बिकवाली ने घरेलू शेयर बाजार की चिंता बढ़ा रही है। दिसंबर में भी विदेशी निवेशकों का बाजार से पैसा निकालने का क्रम जारी है। इस महीने के नौ कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने अब तक करीब 18,000 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए हैं। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के शुद्ध खरीदार बने रहने से इसका बेंचमार्क इंडेक्सों पर कोई खास असर नहीं दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, डीआईआई ने इस दौरान एफपीआई की बिकवाली से लगभग दोगुनी राशि के शेयर खरीदे हैं।

एनएसडीएल (नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड) के मुताबिक, दिसंबर माह के पहले नौ कारोबारी सत्र के दौरान विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर मार्केट से 17,955 करोड़ रुपये की निकासी की। इसी अवधि में म्यूचुअल फंड्स समेत डीआईआई ने 36,101 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। साथ ही 2025 में घरेलू निवेशकों का कुल निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 7.44 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी का एक प्रमाण दे रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की बिकवाली के पीछे रुपये में आई तेज गिरावट को माना जा रहा है। वहीं, 2025 में अब तक रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब 6 प्रतिशत कमजोर हो चुका है और 90.56 के स्तर तक फिसलकर पहुंच गया है। यह गिरावट रुपये को एशियाई बाजार में सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बना रही है।

रुपये पर दबाव की बड़ी वजह अमेरिकी टैरिफ

रुपये पर बने हुए दबाव की एक बड़ी वजह अमेरिका की ओर से भारतीय सामानों पर लगाए गए भारी टैरिफ को बताया जा रहा है। भारतीय सामानों पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क से देश का निर्यात अमेरिका जैसे बड़े बाजार में काफी प्रभावित हुआ है। कमजोर रुपया सीधे तौर पर विदेशी निवेशकों के डॉलर रिटर्न को घटाता है और रिस्क सेंटीमेंट को बढ़ाता है, जिसके चलते विदेशी निवेशक सुरक्षित और स्थिर रिटर्न की तलाश में पूंजी बाहर निकालने लगते हैं।

भारत-अमेरिकी समझौते में अब भी अनिश्चितता

अप्रैल में जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा की थी, उसके बाद भारत उन बड़े बाजारों में था, जहां तेजी से रिकवरी देखने को मिली थी। उस समय कई वैश्विक निवेशकों ने भारत को ट्रेड टेंशन के बीच एक सुरक्षित ठिकाने के रूप में देखा। जहां कई देशों ने अमेरिका के साथ समझौते कर लिए हैं, वहीं भारत अब भी व्हाइट हाउस के साथ अनुकूल व्यापार समझौते के लिए बातचीत कर रहा है, जिससे अनिश्चितता बनी हुई है।

2025 में निकाले 1.61 लाख करोड़ रुपये

2025 भारतीय बाजार के लिए विदेशी निवेशकों की बिकवाली वाला साल रहा। अब तक विदेशी निवेशकों ने 1.61 लाख करोड़ रुपये बाजार से निकाल चुके हैं। 11 महीनों में एफपीआई केवल तीन महीनों अप्रैल, मई और अक्टूबर में ही खरीदार रहे, बाकी महीनों में उन्होंने केवल बिकवाली की। घरेलू निवेशकों ने पूरे साल बाजार को सहारा दिया है। जनवरी में डीआईआई ने 86,591 करोड़ का निवेश किया। इसके बाद भी निवेश जारी रहा, मार्च और अप्रैल में सुस्ती आई फिर से तेजी दिखाई।

वर्ल्ड ब्रीफ

गुजरात में आया 3.9 तीव्रता का भूकंप

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले में शनिवार को 3 .9 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान ने यह जानकारी दी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित आईएसआर ने बताया कि भूकंप का झटका दोपहर 2 :47 बजे आया, जिसका केंद्र जिले के गढ़शीशा से 13 किलोमीटर उत्तर उत्तर-पूर्व (एनएई) में था। कच्छ में इस माह रिक्टर पैमाने पर तीन से अधिक तीव्रता का महसूस किया गया यह पांचवा भूकंप है। कच्छ एक अत्यधिक जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है।

यमन में हमले में 30 से अधिक सैनिक मारे गए

सना। पूर्वी यमन के हद्रमाउत प्रांत में अलगाववादी बलों के हमले में 30 से अधिक यमनी सैनिक मारे गए। सेना के जनरल स्टाफ ने आधिकारिक समाचार एजेंसी सना से बात करते हुए अलगाववादी बलों पर आरोप लगाया कि वे अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए घायलों को मार रहे हैं और कैदियों को फांसी दे रहे हैं। जनरल स्टाफ ने शुक्रवार को कहा कि अलगाववादियों के हमले में कम से कम 32 यमनी अधिकारी और सैनिक मारे गए, जबकि 45 अन्य घायल हो गए।

द. अफ्रीका में मंदिर गिरने से दो की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में डरबन के उत्तर में स्थित भारतीय कस्बे रेडक्लिफ में शुक्रवार दोपहर चार मंजिला मंदिर के ढह जाने से जुड़ी घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे बचावकर्मियों ने कठिन परिस्थितियों के कारण शुक्रवार आधी रात के करीब बचाव अभियान रोक दिया। इमारत पर कंक्रीट डालते समय पूरा ढांचा ढह गया जिससे एक मजदूर की मौत हो गई और कई अन्य लोग उसके नीचे दब गए। मलबे में फंसे श्रमिकों और मंदिर के अधिकारियों की सटीक संख्या अभी ज्ञात नहीं है। इसी बीच, मंदिर परिसर में परिवार के साथ पहुंचे 54 वर्षीय एक श्रद्धालु की खबर सुनने के बाद मौत हो गई।

गाजा में संरा की भूमिका अपरिहार्य

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सहित आठ प्रमुख मुस्लिम देशों ने फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की राहत एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के प्रति मजबूत समर्थन व्यक्त करते हुए कहा है कि गाजा में अप्रत्याशित मानवीय संकट के बीच इसकी भूमिका अपरिहार्य है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में, पाकिस्तान, मिस्र, इंडोनेशिया, जॉर्डन, कतर, सऊदी अरब, तुर्किये और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों ने फलस्तीनी शरणार्थियों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा के लिए यूएनआरडब्ल्यूए की अपरिहार्य भूमिका की पुष्टि की।

सीरिया पर जवाबी कार्रवाई करेंगे ट्रंप

दमिश्क। सीरिया में हुए एक हमले में अमेरिका के दो सैनिकों और एक आम नागरिक के मारे जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उनका देश जवाबी कार्रवाई करेगा। अमेरिका ने इस हमले के लिए इस्लामिक स्टेट समूह को जिम्मेदार ठहराया है। बाल्टीमोर में सेना-नौसेना फुटबॉल मैच के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में कहा कि यह आईएसआईएस का हमला है। मारे गए तीन अमेरिकियों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई।

इमरान खान की हिरासत समाप्त करे पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी

- संरा विशेषज्ञ ने तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने को कहा

संयुक्त राष्ट्र के एक विशेषज्ञ ने पाकिस्तान सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अमानवीय और अपमानजनक हिरासत स्थितियों की खबरों के समाधान के लिए तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने का आह्वान किया है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निकाय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक यातना पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिवेदक एलिस जिल एडवर्ड्स ने शुक्रवार को कहा कि लंबे समय तक या अनिश्चितकालीन एकांत कारावास अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत निषिद्ध है, और जब यह 15 दिनों से अधिक समय तक चलता है, तो मनोवैज्ञानिक यातना का एक रूप ले लेता है। एडवर्ड्स ने कहा कि मैं पाकिस्तानी अधिकारियों का आह्वान करती हूं कि वे यह सुनिश्चित करें कि खान की हिरासत की शर्तें अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप हों। खान 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं।

पहले से ज्यादा तेज और सटीक होगी

डिजिटल जनगणना

जनगणना सरकारी प्रक्रिया है जिसमें देश की संपूर्ण आबादी, घरों, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, जाति, शिक्षा, भाषा आदि के आंकड़े हर 10 साल में एक बार इकट्ठा किए जाते हैं। वर्ष 2027 में देश में पहली बार डिजिटल मोड में जनगणना कराई जाएगी। इसमें कागज़ के बजाय मोबाइल एप, वेब पोर्टल और डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल होगा। दो चरणों में होने वाली यह दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक और सांख्यिकीय प्रक्रिया होगी। केंद्रीय कैबिनेट ने जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है। पहला चरण सात अप्रैल से शुरू होकर माह सितंबर तक चलेगा, इस दौरान घरों की सूची बनाने के साथ आवास की गणना की जाएगी। दूसरे चरण फरवरी 2027 से आबाद की गणना होगी। आइए जानते हैं जनगणना की प्रक्रिया और फायदे।

डिजिटल जनगणना के लाभ

● तेज़ और सटीक डेटा संग्रह हो सकेगा। डिजिटल भराई से त्रुटियां कम होंगी और डेटा की सही जानकारी तुरंत उपलब्ध होगी। प्रासंगिक आंकड़े कुछ हफ़्तों/ महीनों में मिल सकते हैं, जबकि पहले वर्षों लगते थे। सरकारी योजनाओं, संसाधन वितरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार आदि के निर्णय तेजी से और सही आधार पर बनेंगे। संसदीय परिसीमन और वोटर प्रतिनिधित्व के लिए भी आंकड़े जल्दी उपयोग-योग्य होंगे। कागज़ के काम की जगह डिजिटल सिस्टम से समय और खर्च की बचत होती है। डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता बेहतर तरीके से सुनिश्चित की जा सकती है। तकनीक के इस्तेमाल से देश को डिजिटल सक्षम डिज़ाइन मिलेगा, नागरिकों को अपनी जानकारी ऑनलाइन देने का विकल्प मिलेगा, जिससे सहभागिता बढ़ेगी।

प्रमुख देशों में जनगणना के नियम

● संयुक्त राज्य अमेरिका में भी जनगणना अनिवार्य है। यहां पर हर 10 साल में जनगणना का प्रावधान है। इसमें भाग लेना कानूनी रूप से अनिवार्य है। ऑनलाइन, डाक और फील्ड सर्वे का इस्तेमाल किया जाता है। ब्रिटेन में भी हर 10 साल पर जनगणना होती है। जनगणना में भाग लेना कानूनी दायित्व है। यहां 2021 से मुख्यत: ऑनलाइन है। भाग ने लेने पर जुर्माना हो सकता है। पड़ोसी देश चीन में भी 10 साल में जनगणना करने का प्रावधान है जिसमें जन भागीदारी अनिवार्य है। डिजिटल के अलावा फील्ड सर्वे का माध्यम अपनाया जाता है। डेटा सार्वजनिक कम, सरकारी उपयोग अधिक किया जाता है। जापान में हर पांच साल में जनगणना होती है। कानूनी रूप से अनिवार्य है। ऑनलाइन, डाक और फील्ड, तीनों विकल्प अपनाए जाते हैं। फ्रांस में हर साल आबादी के एक हिस्से का सर्वे किया जाता है और 5 साल में पूरा देश कवर किया जाता है। जनगणना डिजिटल और स्थानीय प्रशासन द्वारा संचालित की जाती है। कनाडा में भी हर पांच साल पर ऑनलाइन तरीके से जनगणना होती है।

तेज और सटीक प्रक्रिया

● जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में संपन्न होगी। प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े जुटाए जाएंगे। पहली बार मोबाइल एप के जरिए डाटा संग्रह होगा। केंद्रीयकृत पोर्टल के जरिए रियल टाइम निगरानी की जाएगी। इस अभियान में लगभग 30 लाख कर्मचारियों को लगाया जाएगा। जो घर-घर जाकर जनसंख्या की गणना करेंगे। इस बार डेटा इकट्ठा करना तेज, सटीक और तुरंत संभव होगा क्योंकि हर जानकारी सीधे सर्वर पर अपलोड होगी।

कैसे होगी जनगणना

● जनगणना कमी मोबाइल एप के ज़रिए डेटा जमा करेंगे और नागरिक खुद भी वेब पोर्टल से जानकारी भर सकेंगे। डेटा को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक सुरक्षा उपाय अपनाए जाएंगे। घरों और भवनों को जीपीएस के ज़रिए टैग किया जाएगा ताकि डेटा का स्थान-आधारित विश्लेषण बेहतर हो। केंद्रीय पोर्टल के ज़रिए पूरा काम ट्रैक और मैनेज होगा।

अमेरिकी सांसदों ने कहा-भारत पर लागू 50% शुल्क समाप्त करें ट्रंप

तीन प्रभावशाली संसद सदस्यों ने प्रतिनिधि सभा में पेश किया प्रस्ताव

- कहा-इस गैर जिम्मेदाराना शुल्क के होंगे प्रतिकूल परिणाम

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के तीन प्रभावशाली सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क को खत्म के लिए कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में एक प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा है कि भारत के प्रति इस गैर-जिम्मेदाराना शुल्क रणनीति के प्रतिकूल परिणाम होंगे, जिससे यह महत्वपूर्ण साझेदारी कमजोर पड़ेगी।

उत्तर कैरोलाइना की प्रतिनिधि डेबोरा रॉस, टेक्सास के प्रतिनिधि मार्क वेसी और इलिनोइस के प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया गया है, ताकि व्यापार पर कांग्रेस के संवैधानिक अधिकार को बहाल करने में मदद मिले। ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगाया है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। इसमें भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद को लेकर उस पर लगाया 25 प्रतिशत का शुल्क भी शामिल है। प्रस्ताव में उस राष्ट्रीय आपातकाल आदेश को समाप्त करने का प्रावधान किया गया है, जिसे ट्रंप ने अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत भारतीय वस्तुओं पर व्यापक शुल्क लगाने के लिए लागू किया है।

रॉस ने कहा कि ट्रंप के फैसले के कारण भारत से आयात किए जाने वाले कई उत्पादों पर शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत के प्रति ट्रंप की गैर-जिम्मेदाराना शुल्क रणनीति के प्रतिकूल परिणाम होंगे, जिससे एक महत्वपूर्ण साझेदारी कमजोर पड़ेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हितों या सुरक्षा को बढ़ावा देने के बजाय ये शुल्क आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करते हैं, अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचाते हैं और उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ाते हैं। अमेरिका इन शुल्क को समाप्त करके भारत के साथ मिलकर हमारी साझा आर्थिक और सुरक्षा आवश्यकताओं को आगे बढ़ाने में सक्षम होगा।

ब्राजील ने आयात शुल्क निलंबित करने को कहा

साओ पाउलो। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ब्राजीलियाई उत्पादों पर लगाए गए अतिरिक्त 40 प्रतिशत आयात शुल्क को तब तक के लिए निलंबित करने का आग्रह किया है, जब तक दोनों देशों के बीच विवाद सुलझाने के लिए व्यापार वार्ता जारी है। उपराष्ट्रपति जेराल्डो अल्कमिन ने कहा हमें इंतजार करना होगा।

एच1बी वीजा : अधिक शुल्क पर 19 राज्यों ने किया केस

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिका के 19 राज्यों ने नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर 1 लाख अमेरिकी डॉलर शुल्क लगाने के देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के फैसले को गैरकानूनी बताते हुए मुकदमा दायर किया है। राज्यों ने चेतावनी दी है कि इस कदम से स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में श्रमिकों की कमी और बढ़ जाएगी। न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स ने 18 अन्य अटॉर्नी जनरल के साथ मिलकर शुक्रवार को मैसाचुसेट्स जिले के अमेरिकी जिला न्यायालय में यह मुकदमा दायर किया। उन्होंने कानूनी अधिकार या उचित प्रक्रिया के बिना एच-1बी शुल्क में भारी बढ़ोतरी किए जाने को चुनौती दी है। एच-1बी वीजा कार्यक्रम के तहत उच्च कौशल वाले विदेशी पेशेवरों को अमेरिका में काम करने की अस्थायी रूप से अनुमति मिलती है और भारतीय नागरिक इसका व्यापक रूप से उपयोग करते हैं। मुकदमे में दलील दी गई है कि नए शुल्क से उन सरकारी और गैर-लाभकारी नियोक्ताओं के लिए व्यावहारिक रूप से मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए एच-1बी वीजा धारकों पर निर्भर हैं। मुकदमे में कहा गया है एच-1बी वीजा से प्रतिभाशाली चिकित्सकों, नर्स, शिक्षकों और अन्य कामगारों को हमारे देश के जरूरतमंद समुदायों की सेवा करने का अवसर मिलता है।

हैदराबाद के पास दुंडीगल स्थित वायु सेना अकादमी में 216वें बैच की संयुक्त दीक्षांत परेड के बाद उत्साहित फ्लाइट कैडेट्स।

जासूसी में वायुसेना का सेवानिवृत्त जवान गिरफ्तार

तेजपुर। असम के सोनितपुर जिले में पाकिस्तानी जासूसों से कथित संबंधों के आरोप में भारतीय वायु सेना के एक सेवानिवृत्त जवान को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिचरण भूमिज ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी जासूस के साथ संवेदनशील दस्तावेज और जानकारी साझा की थी। पुलिस ने उसका लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। भूमिज ने बताया कि उपकरणों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, हालांकि कुछ डेटा को डिलीट किया जा चुका है।

भारतीय रक्षा बल बदलते परिवेश के लिए प्रतिबद्ध

हैदराबाद, एजेंसी

- वायुसैनिकों के संयुक्त दीक्षांत परेड में बोले सीडीएस चौहान

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने युद्ध और संघर्ष में एक बड़ी क्रांति के प्रारंभ होने का उल्लेख करते हुए शनिवार को कहा कि भारतीय रक्षा बल बदलते परिवेश के अनुकूल बनने और सुधारों को आत्मसात करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे हमेशा तैयार और प्रासंगिक बने रहें।

सीडीएस ने यहां डुंडिगल के पास वायुसेना अकादमी में आयोजित 216 कोर्स के कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी) को संबोधित करते हुए यह बात कही। जनरल चौहान ने कहा कि भारत की ताकत मजबूत संस्थानों, लोकतांत्रिक स्थिरता और सशस्त्र सेनाओं की अडिग पेशेवर क्षमता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भले ही धीमा हो गया हो, लेकिन यह जारी है।

उन्होंने कहा कि आप (नए अधिकारी) भी ऐसे समय में भारतीय वायु सेना में शामिल हो रहे हैं जब एक नई सामान्य स्थिति पूरी तरह से स्थापित हो चुकी है। यह एक ऐसा युग है जिसमें चौबीसों घंटे उच्च स्तर की अभियानगत तत्परता की आवश्यकता है। ऑपरेशन सिंदूर भले ही धीमा पड़ गया हो, लेकिन यह जारी है।

ईयू ने रूस की अचल संपत्तियों के हस्तांतरण पर लगाई रोक

ब्रुसेल्स, एजेंसी

- संघ के आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए लिया फैसला

यूरोपीय संघ (ईयू) परिषद ने शुक्रवार को यूक्रेन में चल रहे संघर्ष का हवाला देते हुए रूस के केंद्रीय बैंक से संबंधित अचल संपत्तियों के किसी भी हस्तांतरण को प्रतिबंधित करने का फैसला किया है। परिषद ने एक बयान में कहा, यह फैसला ईयू की अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान को सीमित करने के लिए तत्काल आधार पर लिया गया।

बयान में कहा गया है कि यह उपाय रूस के केंद्रीय बैंक की परिसंपत्तियों या भंडार के किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तांतरण के साथ-साथ 'रूस के केंद्रीय बैंक की ओर से या उसके निर्देश पर कार्य करने वाले किसी भी कानूनी व्यक्ति, संस्था या निकाय' से जुड़े लेनदेन पर प्रतिबंध लगाता है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि यूरोपीय संघ के नेता अक्टूबर की यूरोपीय परिषद की बैठक में रूसी परिसंपत्तियों को स्थिर रखने के लिए प्रतिबद्ध थे।

ड्रोन हमले में रूस में दो लोगों की मौत

मॉस्को। रूस के दक्षिण-पश्चिमी सारातोव क्षेत्र में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि यूक्रेन में बिजली प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए जाने से कई इलाके अंधेरे में डूब गए। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ये हमले ऐसे समय में हुए, जब रूस और यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में शांति वार्ता जारी है। सारातोव क्षेत्र के गवर्नर रोमन बुसार्गिन ने बताया कि ड्रोन हमले में एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि एक किंडरगार्टन और क्लीनिक की कई खिड़कियां टूट गईं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने यूक्रेन के 41 ड्रोन मार गिराए।

युद्धविराम कराने का ट्रंप का दावा दरकिनार थाईलैंड-कंबोडिया सीमा पर लड़ाई जारी

सुरिन (थाईलैंड), एजेंसी

- थाईलैंड के लड़ाकू विमानों ने कंबोडिया पर किए हमले

थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर शनिवार सुबह भी लड़ाई जारी रही। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए घोषणा की थी कि उन्होंने दोनों देशों से युद्धविराम के लिए सहमति प्राप्त कर ली है। थाईलैंड के अधिकारियों ने कहा है कि वे युद्धविराम के लिए सहमत नहीं हैं, और कंबोडिया ने ट्रंप के दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि थाईलैंड के लड़ाकू विमानों ने शनिवार सुबह हवाई हमले किए। थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेटकेओ ने शनिवार को कहा कि ट्रंप की कुछ टिप्पणियां स्थिति की सही समझ को नहीं दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि थाई सैनिकों को घायल करने वाली बारूदी सुरंग विस्फोट को ट्रंप द्वारा सड़क दुर्घटना के रूप में वर्णित करना गलत था और यह थाईलैंड के इस रुख को प्रतिबिंबित नहीं करता कि यह जानबूझकर की गई आक्रामकता थी। सिहासक ने कहा कि थाईलैंड पर विश्वास करने के बजाय, ट्रंप की जानबूझकर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने वाले स्रोतों से मिली जानकारी को स्वीकार करने की इच्छा ने थाई लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, क्योंकि हम खुद को इस क्षेत्र में अमेरिका का सबसे पुराना संधि सहयोगी मानते हैं - वास्तव में, हमें इस पर गर्व है। सात दिसंबर को हुई एक झड़प के बाद से बड़े पैमाने पर लड़ाई शुरू हुई।

पाकिस्तान के दो विवि में संस्कृत का पाठ्यक्रम

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के दो विश्वविद्यालयों ने विभाजन के बाद पहली बार साझा विरासत का हवाला देते हुए संस्कृत में लघु पाठ्यक्रम शुरू किए हैं और भविष्य में गीता व महाभारत पढ़ाने की योजना बना रहे हैं। पंजाब लाहौर विश्वविद्यालय और लाहौर प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय ने इस शास्त्रीय भाषा में तीन महीने का पाठ्यक्रम शुरू किया है। शिक्षक भविष्य में शोध के लिए पंजाब विश्वविद्यालय में मौजूद संस्कृत पांडुलिपियों के महत्वपूर्ण संग्रह पर निर्भर हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 14 दिसंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 18 .49 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

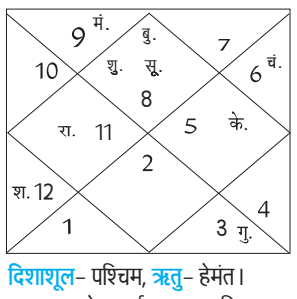

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-हस्त 20 .18 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष — आज दिन की शुरुआत कुछ तनावपूर्ण हो सकती है। अधूरे पड़े कार्यों को निपटाने में अधिक समय व्यतीत होगा। आपको कुछ विश्वासपात्र लोग धोखा देने की कोशिश कर सकते हैं। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे।

वृष — आज का दिन कुछ तनावयुक्त हो सकता है। आपके चरित्र का नकारात्मक पहलू उभर के सामने आ सकता है। प्रेमी जन से बहस तो बिल्कुल भी न करें। समय शांतिपूर्वक बिताएं। प्रियजन मौके पर आपका साथ नहीं देंगे।

मिथुन — आज व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न करें। अहंकार और अड़ियल रवैये के कारण शुभचिंतक आपसे दूरी बना सकते हैं। आप अतिशीघ्रता में कोई बड़ा निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र की परिस्थितियां अनुकूल हैं। दोस्तों के साथ मनोरंजन का आनंद लेंगे।

कर्क — आज का दिन अत्यंत सकारात्मक रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसायियों को बड़ी डील मिल सकती है। अपनी क्षमताओं का बेहतरीन उपयोग कर पाएंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में बड़ी सफलता मिल सकती है।

सिंह — आज जीवनसाथी आपकी भावनाओं को पर्याप्त महत्व नहीं दे पा रहे हैं। महिलाएं घरेलू सामान की खरीदारी में धन खर्च होगा। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों से बहस हो सकती है। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबार में संभलकर निवेश करें।

कन्या — आज अपनी जीवनशैली को व्यवस्थित रखें। गूढ़ अनुसंधान में आप रुचि ले सकते हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। व्यवसाय में लाभ की संभावनाएं बनेंगी। साझेदारी में नया काम शुरू कर सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला — आज छोटी सी बात विवाद का रूप ले सकती है। मन में अपनी उपलब्धियों को लेकर असंतोष रहेगा। शाम के समय आप किसी देवालय में जा सकते हैं। आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना पड़ेगा। विद्युतीय उपकरणों में कुछ खराबी आ सकती है।

वृश्चिक — आज अपने कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ा तनाव हो सकता है। आप अत्यधिक व्यस्त रहने के बावजूद अपनों को समय देंगे। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आंखों की सेहत का ध्यान रखें।

धनु — आज आपकी दिनचर्या व्यवस्थित रहने वाली है। दांपत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। उच्च अकादमिक जगत से जुड़े लोगों को बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। नकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों पर अधिक निर्भर न रहें। बच्चों के व्यवहार पर नजर बनाए रखें।

मकर — आज राजनीति से जुड़े लोगों को अपने वर्चस्व की चिंता रहेगी। आपकी भावनाओं का लोग गलत लाभ उठाने का प्रयास करेंगे। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। अध्यात्मिक प्रवृत्ति के लोगों से संपर्क हो सकता है।

कुंभ — आज अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद न करें। युवाओं की संगत बिगड़ सकती है। कला और साहित्य से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियां होंगी। त्वरित प्रतिक्रिया देने के कारण व्यापार में नुकसान हो सकता है। उधार धन के लेन-देन से बचें।

मीन — आज व्यवसाय में अपने सहयोगियों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा कर सकते हैं। दैनिक कार्यों में कुछ रुकावटें आएंगी। धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। स्वास्थ्य कुछ नरम हो सकता है। करियर को लेकर अत्यंत सजग रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

सुडोकू-1

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

6					2	3		
9		7			1			8
	8					9	4	
5		1		7			3	
	4		3		6		8	
	2			4		7		6
	9	6					7	
1			6			2		5
		2	8					3

सुडोकू - 189 का हल

9	7	1	5	2	4	6	3	8
6	2	4	8	3	9	5	7	1
5	3	8	6	1	7	2	4	9
8	1	5	7	9	6	3	2	4
3	6	9	4	8	2	1	5	7
2	4	7	1	5	3	8	9	6
1	9	3	2	4	8	7	6	5
4	8	6	3	7	5	9	1	2
7	5	2	9	6	1	4	8	3

जब मैंने यह सुना, मिश्रित मार्शल आर्टिस्ट को एशियन गेम्स 2026 में शामिल किया गया है, इसे लेकर मैं बहुत खुश और उत्साहित थी क्योंकि मुझे पता है कि एमएमए को अब भारत में पहचान मिलनी शुरू हो जाएगी।

-पूजा तोमर

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 14 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

थाईलैंड की एल तरारुडी ने बैंकॉक में साउथईस्ट एशियन गेम्स के महिला टेनिस टीम फाइनल में इंडोनेशिया की जेनिस त्जेन के खिलाफ जबर्दश्त खेल दिखाया। एजेंसी

मार्शल आर्ट के एशियाड में शामिल होने पर खुशी जताई

नई दिल्ली : अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में एक मुकाबला जीतने वाली प्रथम भारतीय मिश्रित मार्शल आर्टिस्ट (एमएमए) पूजा तोमर ने 2026 के ऐची-नागोया एशियन गेम्स में इस खेल को शामिल किए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे इस खेल को सरकारी समर्थन और पहचान मिलेगी। पूजा तोमर ने कहा मैं गारंटी दे सकती हूं कि अगर हमें सही समर्थन मिलना शुरू हो गया तो एमएमए भारतीय स्पोर्ट्स सेक्टर का एक बड़ा हिस्सा होगा और हम अगले 10 सालों में दुनिया भर के शीर्ष पांच देशों में शामिल होंगे।" अगली यूएफसी फाइट और प्रतिद्वंद्वी की घोषणा को लेकर पूजा ने अपनी तैयारियों के बारे में बताया, "मेरी अगली फाइट और प्रतिद्वंद्वी की घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। मेरा अगला प्रतिद्वंद्वी शायद किसी पूर्वी एशियाई देश से होगी।

गिरोना ने सोसिएदाद को 2-1 से हराया

मैड्रिड : यूक्रेन के स्ट्राइकर विक्टर त्सिगानकोव के आखिरी 15 मिनट में दो गोल की मदद से गिरोना ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग में रीयाल सोसिएदाद पर 2-1 से जीत हासिल की। यह 'ला लीगा' के मौजूदा सत्र में प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान पर गिरोना की पहली जीत है। गोंकालो गुएडेस ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले एक शानदार स्ट्राइक के साथ सोसिएदाद के लिए गोल किया, लेकिन त्सिगानकोव ने आठ मिनट के अंदर (76वें और 84वें मिनट) दो गोल के साथ गिरोना को रेलीगेशन जोन (20 टीमों की तालिका में आखिरी दो स्थान) से बाहर निकाल दिया। इस जीत से गिरोना की टीम तालिका में 17वें स्थान पर पहुंच गयी। सोसिएदाद 14वें पायदान पर है।

मिडफील्डर ऑस्कर ने लिया संन्यास

रियो डी जनेरियो : साओ पाउलो के मिडफील्डर ऑस्कर ने हृदय संबंधी बीमारी का पता चलने के बाद पेशेवर फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। ब्राजील के ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, 34 वर्षीय ऑस्कर ने अपने करीबी लोगों को अपने फैसले के बारे में बताया और पिछले महीने हुई एक घटना के बाद आगे की जटिलताओं का जोखिम न उठाने का फैसला किया, जिसके कारण उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में रहना पड़ा था। ऑस्कर पिछले दिसंबर में चेल्सी और शंघाई पोर्ट के साथ सफल कार्यकाल के बाद तीन साल के अनुबंध पर अपने बचपन के क्लब साओ पाउलो में लौटे थे। जुलाई में चोटों के कारण वह इस साल केवल 21 मैच खेल पाए।

शुभमन की बल्लेबाजी पर रहेंगी नजरें

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरा टी-20 आज: सीरीज में बढ़त लेने के इरादे से उतरेगा भारत

धर्मशाला, एजेंसी

भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो सब की निगाहें शुभमन गिल की बल्लेबाजी पर होगी जो इस प्रारूप में खुद को साबित कर चुके संजू सैमसन की जगह लेने के बाद अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में नाकाम रहे है। गिल को सीरीज के बाकी बचे तीनों मैचों में एकादश में जगह मिलना लगभग तय है लेकिन उनके लिए चीजें आसान नहीं है। टी20 विश्व कप अब सिर्फ छह सप्ताह दूर है और यह सलामी बल्लेबाज इन मैचों में अगर लय हासिल करने में विफल रहा तो टीम दूसरी योजना पर काम करने का मन बना सकती है।

धर्मशाला में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का पूर्वानुमान है और बर्फ से ढकी धौलाधार पर्वतमाला की पृष्ठभूमि में खेले जाने वाले मुकाबले से पहले भारतीय ड्रेसिंग रूम के भीतर माहौल गर्म होगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव की लंबे समय से चली आ रही खराब लय पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि उपकप्तान गिल अब तक भरोसा जगाने में नाकाम रहे हैं। संजू सैमसन जैसे स्थापित सलामी बल्लेबाज की कीमत पर टीम में शामिल किए गए गिल प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करते नजर आए हैं। एनरिच नॉर्किया, मार्को यानसन, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और लुथो सिपामला जैसे गेंदबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण पहले ही दिखा चुकी है कि भारतीय परिस्थितियों का कैसे फायदा उठाया जाए। धर्मशाला में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल होगी।

समय
शाम 7: 00 बजे से

दुनिया भर की मौजूदा टी20 टीमों को देखे तो दक्षिण अफ्रीका इस बार उपमहाद्वीप में खिताब जीतने के लिए काफी मजबूत और संतुलित नजर आ रहा है। क्विंटन डिकॉक की वापसी और उनके साथ कप्तान एडन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, डोनोवन फरेरा, डेविड मिलर और हरफनमौला यानसन की मौजूदगी ने उनकी बल्लेबाजी को बेहद खतरनाक बना दिया है।

विश्व कप से पहले अब भारत के पास सिर्फ आठ मैच बचे हैं। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने कठिन चुनौतियां हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे शीर्ष क्रम के दो बल्लेबाजों को एक साथ खिलाना शायद टीम के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। कप्तान होने के नाते सूर्यकुमार यादव को एक साल से खराब फॉर्म के बावजूद विश्व कप तक कुछ हद तक सुरक्षा मिलने की संभावना है। लेकिन यह छूट गिल को मिलना मुश्किल है क्योंकि वह एशिया कप से पहले तक पारी का आगाज करने के लिए मूल विकल्प नहीं थे। छोटे प्रारूप की टीम में उनकी वापसी अब ऐसे फैसले की तरह दिख रही है, जिसमें बिना जरूरत एक संतुलित संयोजन से छेड़छाड़ की गई।

यहां मौसम काफी ठंडा है लेकिन हम शारीरिक और मानसिक तौर पर तैयार हैं। मानसिक रूप से मजबूत लोग हर जगह जीतते हैं।

ज्यादातर खिलाड़ी किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी को तैयार : तिलक वर्मा

धर्मशाला : भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में लचीलेपन पर जोर देने वाले टीम प्रबंधन से सहमति जताते हुए शनिवार को कहा कि अधिकांश खिलाड़ी मैच हालात को देखते हुए किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिये तैयार हैं। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के मद्देनजर भारत मध्यक्रम में प्रयोग कर रहा है। तिलक ने कहा कि इस प्रारूप में हालात के अनुकूल ढलना सबसे अहम है। उन्होंने मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कांफ्रेंस में कहा सलामी बल्लेबाजों को छोड़कर सभी किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। मैं तीसरे से छठे नंबर तक कहीं भी खेल सकता हूं, जहां टीम को मेरी जरूरत हो। उन्होंने कहा हर टीम को लगता है कि कोई फैसला रणनीति की दृष्टि से जरूरी है तो सभी उसके साथ होते हैं। तिलक ने कहा कि ऐसे फैसले हालात को देखकर लिये जाते हैं। उन्होंने कहा एक मैच खराब हो सकता है। अक्षर पटेल ने यहां अच्छा प्रदर्शन किया। यह हालात पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि ठंडे मौसम के बावजूद धर्मशाला की पिच बल्लेबाजों की मददगार हो सकती है। उन्होंने कहा मैं यहां पहले भारत के लिये अंडर 19 श्रृंखला खेल चुका हूं। हम विकेट को देख रहे हैं और लगता है कि काफी रन बनेंगे। शाम सात बजे शुरू होने वाले मैच में ओस की भूमिका के लिये टीम मानसिक तौर पर तैयार है। तिलक ने कहा टॉस हमारे हाथ में नहीं है। हम ओस की चुनौती का सामना करने के लिये तैयार हैं और हल्की गीली गेंद से अभ्यास किया है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, संजू सैमसन।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपामला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

अभ्यास सत्र के दौरान कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

बल्लेबाजों की रणनीति कमजोर दिखी: उथप्पा

नई दिल्ली, एजेंसी

- बोले-बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय मजबूत बल्लेबाजी क्रम का सही से इस्तेमाल नहीं हो रहा

पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय भारत की बल्लेबाजी रणनीति में भूमिका को लेकर स्पष्टता की कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पारी की शुरुआत में अत्यधिक लचीलेपन के कारण रन बनाना मुश्किल हो जाता है। भारतीय टीम बृहस्पतिवार को मुल्लनपुर में खेले गए दूसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.1 ओवर में 162 रन पर आउट हो गयी। इस 51 रन की हार के साथ पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई।

उथप्पा ने कहा कि समस्या शुरुआती विकेट गिरने की नहीं थी, बल्कि शुभमन गिल के आउट होने के बाद अपनाई गई रणनीति की थी। भारत के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है लेकिन टीम ने उसका इस्तेमाल अच्छे से नहीं किया। उन्हों 'जियो हॉटस्टार' पर कहा शुभमन गिल आउट हुए तो अक्षर पटेल बल्लेबाजी करने आए। उस समय उन्हें एक ऐसे बल्लेबाज की भूमिका निभानी थी जो जोखिम उठाकर बल्लेबाजी करें और तेजी से रन बनाकर अभिषेक शर्मा पर से दबाव कम कर सके। उथप्पा का मानना था कि अक्षर की धीमी गति से खेली गई 21 रनों की पारी दबाव कम करने में विफल रही, जिससे उनके आसपास विकेट गिरने लगे और रणनीति में बदलाव करना पड़ा। इससे लक्ष्य का पीछा करना और धीमा हो गया।

पेस और भूपति कोर्ट पर एक साथ दिखे

अहमदाबाद, एजेंसी

क्लियर प्रीमियम वॉटर द्वारा प्रायोजित टेनिस प्रीमियर लीग के चौथे दिन भारतीय टेनिस दिग्गज लिएंडर पेस जीएस दिल्ली एसेस के ब्रांड एंबेसडर के रूप में और एसजी पाइपर्स बेंगलुरु के मुख्य कार्यकारी महेश भूपति अपनी टीम के समर्थन में लीग के चारकोल ग्रे कोर्ट पर एक साथ दिखे।

इस जोड़ी ने एक साथ तीन ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं और एक जोड़ी के तौर पर वर्ल्ड नंबर 1 बने हैं और वे लंबे समय से लीग को सपोर्ट कर रहे हैं। इस दौरान अपनी खुशी इजहार करते हुए पेस ने कहा अहमदाबाद में होना बहुत अच्छा लग रहा है। सबसे पहले तो मौसम शानदार है और यहां टेनिस प्रीमियर लीग की भव्यता देखना पूरे देश में टेनिस का विस्तार करने और उसे लोकप्रिय बनाने के सपने का हिस्सा है। उन्होंने कहा मैं सानिया, रोहन, महेश और उन सभी सितारों का बहुत आभारी हूं जो लीग को सपोर्ट करते हैं। जब आप खिलाड़ियों को देखते हैं, तो हमने जूनियर्स, प्रोफेशनल्स, लड़के और लड़कियों को एक साथ लाने में कामयाबी हासिल की है और इसमें एक अंतरराष्ट्रीय फ्लेवर भी जोड़ा है। टेनिस जगत के पूरे समुदाय का यहा एक साथ आना खास है। दिन के तीसरे मैच में एसजी पाइपर्स बेंगलुरु ने जीएस दिल्ली एसेस को 49-51 से हराया। जीएस दिल्ली एसेस 211 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। सीजन और अपनी टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा सीजन बहुत अच्छा चल रहा है। मैं अपनी टीम के प्रति थोड़ा पक्षपाती हूं। दिल्ली एसेस अभी शीर्ष पर है लेकिन अभी बहुत सारा टेनिस बाकी है।

भारत ने एशियाई युवा पैरा गेम्स में जीते 18 पदक

दुबई : भारतीय पैरा एथलीटक दल ने एशियाई युवा पैरा गेम्स दुबई 2025 अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में 18 पदक जीतकर शनिवार को अपने अभियान का समापन किया। दुबई में 10 से 13 दिसंबर तक चले इस टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण में भारत ने आठ स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक जीते।

2025 एशियाई युवा पैरा गेम्स में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तैराकी, ताइक्वांडो, बोकिया, गोलबॉल, टेबल टेनिस, पावरलिफ्टिंग, व्हीलचेयर बास्केटबॉल और आर्मरेसलिंग सहित 11 खेल शामिल थे। इनमें से आठ खेलों में भारतीय एथलीटों ने भाग लिया। जतिन आजाद और शिवम यादव एमडी- एसयू 5, जतिन आजाद एमएस एसयू- 5, शिवम यादव और तुलिका जाधव एक्सडी - एसयू5 और एसएल 3, हर्षित चौधरी और कार्तिक सुहाग एमस - एसएल 4 - एसएल 3, शांतिया विश्वनाथन डब्लयूएस -एसयू-5 में स्वर्ण पदक जीते।

जबर्दश्त मुकाबला

इंग्लिश प्रीमियर लीग में शनिवार को लिवरपूल और ब्राइटन एंड होव एल्बियन के बीच जबर्दश्त टक्कर हुई। मैच के दौरान लिवरपूल के मोहम्मद सालाह के साथ बॉल के लिए चैलेंज करते ब्राइटन के फर्डी कादिओग्लू (बाएं)। लिवरपूल ने मुकाबला 2-0 से जीत लिया। ● एजेंसी

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को तीन विकेट से हराया

दुबई : सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार (96) और रिफत बेग (62) की शतकीय साझेदारी की बदौलत बांग्लादेश ने शनिवार को अंडर-19 एशिया कप ग्रुप बी मुकाबले में अफगानिस्तान को तीन विकेट से हरा दिया।

284 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश के लिए सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार और रिफत बेग ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 151 रन जोड़े। पहले विकेट के रूप में रिफत बेग 68 गेंदों में 62 रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद शतक की ओर बढ़ रहे जवाद अबरार को 112 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के उड़ाते हुए 96 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

दोनों सलामी बल्लेबाजों को रूहल्लाह अरब ने आउट किया। कप्तान अजीजुल हकीम (44) रन बनाकर आउट हुए। 49वें ओवर की पांचवीं गेंद पर शहरयार अहमद ने विजयी रन बनाया।

यादगार पल

कोलकाता के प्रवेश द्वार पर स्थापित प्रतिमा में वे पकड़े हुए हैं 2022 फीफा विश्व कप, हैदराबाद में बेहद प्रसन्न नजर आए

मेसी ने अपनी 70 फीट ऊंची प्रतिमा का किया अनावरण

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में लियोनेल मेसी की प्रतिमा के पास फोटो खिंचवाते प्रशंसक। एजेंसी

2022 फीफा विश्व कप विजेता अर्जेंटीना की टीम का हिस्सा रहे लियोनेल मेसी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के प्रवेश द्वार पर दुनिया की सबसे ऊंची 70 फीट की लोहे की अपनी फुटबॉलर प्रतिमा का अनावरण किया। अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी जेट से सुबह-सुबह पहुंचने के कुछ घंटों बाद उन्होंने हयात होटल से रिमोट कंट्रोल के जरिए वीआईपी रोड पर स्थित अपनी प्रतिमा का वर्चुअली अनावरण किया।

इस दौरान कई इंटर मियामी खिलाड़ी और हिंदी फिल्म सुपरस्टार शाहरुख खान मौजूद थे। यह प्रतिमा, 2022 फीफा विश्व कप पकड़े हुए मेसी की एक तस्वीर की प्रतिकृति है, जिसे कारीगर मिंटू पाल ने 40 दिनों में पूरा किया था और इसे लेक टाउन के चौराहे पर बिग बेन क्लॉक टॉवर के पास स्थापित किया गया था। पश्चिम बंगाल के अग्निशमन विभाग के मंत्री सुजीत बोस ने दावा किया कि यह खड़ी प्रतिमा दुनिया में किसी भी फुटबॉलर की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

हैदराबाद में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, मेसी व उनके इंटर मियामी टीम के साथी रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज। एजेंसी

रेवंत रेड्डी की टीम के साथ खेला प्रदर्शनी मैच

हैदराबाद : लियोनेल मेसी ने शनिवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की टीम के साथ प्रदर्शनी मैच खेला। आज यहां राजीव गांधी स्टेडियम में रेवंत रेड्डी-9 और मेसी ऑलस्टार्स के बीच प्रदर्शनी मैच खेला गया। इस दौरान वह करीब एक घंटे तक वहां रहे। मेसी ने शो के आखिरी में हैदराबाद के वहां मौजूद दर्शकों का धन्यवाद भी दिया। उन्होंने दर्शको की ओर कुछ बॉल भी किक मारी। उन्होंने खिलाड़ियों को ट्रॉफी भी दी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मेसी से मुलाकात की।

हैदराबाद के दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

हैदराबाद : अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी लगभग खचाखच भरे राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में अपने कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तीन दिन और चार शहरों के जीओएटी दौरे के दौरान मेसी शाम करीब 5:40 बजे हैदराबाद पहुंचे और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने ताज फलकनुमा पैलेस में उनका स्वागत किया। हरे रंग की 'क्रू-नेक हाफ स्लीव टी-शर्ट', काली पैंट और स्पोर्ट्स शूज पहने मेस्सी जब स्टेडियम में दाखिल हुए तो दर्शकों के जयकारों से माहौल गूंज उठा। मेस्सी रविवार को जीओएटी टूर के तीसरे चरण के लिए मुंबई पहुंचेंगे। वह सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे।

फीफा विश्व कप टिकट के लिए 50 लाख आवेदन

ज्यूरिख, एजेंसी

अगले साल होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए टिकट बिक्री के तीसरे चरण शुरू होने के 24 घंटे अंदर दुनिया भर से 50 लाख टिकटों के लिए आवेदन प्राप्त हुए है। फीफा ने शनिवार को बताया कि 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों के फुटबॉल प्रशंसकों ने फीफाडॉटकॉम/टिकटस के माध्यम से 50 लाख टिकटों की मांग के आवेदन प्राप्त हुए है।

कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होने वाले इस 48-टीमों के इस टूर्नामेंट को देखने के प्रति प्रशंसकों के उत्साह को दिखाता है। शुरुआती आंकड़े ग्रुप-स्टेज के शानदार मुकाबलों के लिए जबरदस्त दिलचस्पी दिखाते हैं, जिसमें कोलंबिया बनाम पुर्तगाल (मियामी, 27 जून) अब तक रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ अवधि के दौरान सबसे अधिक डिमांड वाला मैच बनकर उभरा है।

ब्राजील बनाम मोरक्को (न्यूयॉर्क न्यू जर्सी, 13 जून), मैक्सिको बनाम कोरिया गणराज्य (ग्वाडलजारा, 18 जून), इक्वाडोर बनाम जर्मनी (न्यूयॉर्क न्यू जर्सी, 25 जून), और स्कॉटलैंड बनाम ब्राजील (मियामी, 24 जून) टॉप पांच मैचों में शामिल हैं। टिकट आवेदन के लिए 24 घंटे बाद तीनों मेजबान देश सबसे आगे रहे। इसके आलवा अगले शीर्ष दस देशों में कोलंबिया, इंग्लैंड, इक्वाडोर, ब्राजील, अर्जेंटीना, स्कॉटलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और पनामा हैं।